तृतीय स्मारिका

समर्पण 2017

त्याग, सेवा व सहयोग !

समर्पण संस्था (रजि.)

..........मानवता के लिए समर्पित

(जरूरतमंद, असहाय, पीड़ित व्यक्तियों की सहायतार्थ)

पंजीकृत कार्यालय : 192/38 कुम्भा मार्ग, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर (राज.) 302033
मोबाईल : 9414336431, 9929225353
E-mail: info@samarpansanstha.org, malyaaone@gmail.com
Website : www.samarpansanstha.org

AaA

Alive Arts Architects Pvt. Ltd.

Planning, Designing & Interiors of Houses

Ram Prasad Lodiya
Architect
94140-51161, 91666-66605

Head Office : 26K-5, RHB Flats, Jyoti Nagar, Near Vidhansabha, Jaipur
Branch Office : 192/39, Kumbha Marg, Pratap Nagar, Sanganer, Jaipur
E-mail : architect.aaaa@gmail.com, Website : aliveartsarchitects.com

ABDUL SALAM JOHAR

Social Worker

Education : B.Com, L.L.B.
Date of Birth : 30.05.1964

Social Activities :

Chief Patron	:	Samarpan Sanstha
President	:	Pink City Haj & Welfare Society
Gen. Secretary	:	All Rajasthan Lakhara Manihar Lakh Chudi Hastkala Society
Secretary	:	Waqf Committee Masjid Maniharon, Jaipur
Former Member	:	Distt. Consumer Protection Council, Jaipur

Associates, Post Holders and Work with Many other Social Educational Welfare Societies/Organisations

AWARD WINNERS :

- Indira Gandhi Priyadarshini Award (Delhi)
- Bharat Gaurav Award (Delhi)
- International Gold Star Millennium Award (Nepal)
- International Kohinoor Award (Bangkok)
- Eminent Citizen of India Award (Delhi)
- Samaj Ratan (Jaipur)
- Rajasthan Shree
- Pink City Award
- Samarpan Samaj Gaurav Samman (Jaipur)

FIRMS

IC Design Specialist BANGLES

Indian Crafts

Manufacturers, Wholesaler & Exporters

Specialist : All Type of Lac, Metal, Brass, Bangles Jewellery & Decorative Handicrafts Gift Items

HEAD OFFICE : "JOHAR PLAZA", 3833, Kalyan Ji Ka Rasta, Opp. Chitragupt Vidhyalaya, Near Indira Bazar, Jaipur-302 001 (Rajasthan) India
Mobile : 94140 58529 (A.S. Johar), 98283 49727 (Gulshad), 85600 16111 (Aazim)
Telefax : 0141-2317225 • E-mail : indiacraftjpr@gmail.com, joharabdulsalam@gmail.com

Showroom : Shop No. 63, Chandpole Bazar, Jaipur - 302001 (Rajasthan)

Only ISO 9001 : 2015 INSTITUTE in RAJASTHAN

Learn English with fun

English Speaking Course

with Personality Development

Courses Offered

Basic English | Advanced English
Business English | Accent Training
Personality Development | IELTS
BPO & Call Center Training

Become a Professional - Additional Free Modules

Presentation Skills | Email Etiquette
Telephone Etiquette | Dress Code
Business Etiquette | Stress Handling

Course Highlights

- Audio-Video training module
- Video Vocabulary
- Free Lesson CD's for Practice
- ESL Certified Courseware
- JOB's in top BPO KPO MNC's
- Assistance after course completion

www.letstalkpodcast.com
jaipur@letstalkpodcast.com

www.youtube.com/learnexmumbai

+91 96366 36870

let'stalk®
Fluent English With Neutral Accent

Dr. M.K. Anand
(MBA, LLM, CISA (USA), PhD)
+91 9001298018
Center-Director
Jaipur

Jaipur
50/18, Sector-5,
Pratap Nagar,
Jaipur- 302033
Rajasthan

जिंदगी मुस्कुराती है जहाँ
हम बनाते हैं वो आशियाँ।

शीघ्र ही
मुख्यमंत्री जन आवासीय योजना
के अंतर्गत
वाटिका, सांगानेर में-
1 बीएचके ₹ 6.5 लाख एवं
2 बीएचके ₹10.50 लाख में

जयपुर में हमारे प्रोजेक्टस्

- पत्रकार कॉलोनी, मानसरोवर
- जयसिंहपुरा, अजमेर रोड
- अम्बाबाड़ी, सीकर रोड
- वैशाली नगर
- होटल मेरियट के पास, टोंक रोड
- चोखी ढाणी के पास, टोंक रोड
- बीलवा, टोंक रोड
- जगतपुरा
- नागरिक नगर, टोंक रोड
- अंसल के पास, डिग्गी मालपुरा रोड
- नॉलेज कॉरिडोर के पास, डिग्गी मालपुरा रोड
- वाटिका, टोंक रोड

हमारे निर्माण: ग्रुप हाउसिंग | हाई-राईज़ अपार्टमेंटस् | विलाज़ | टाउनशिप्स | प्लॉट्स् | अफोर्डेबल हाउसिंग

ARIHANT Legacy
1, 2 एवं 3 बीएचके लग्ज़री अपार्टमेंटस्
टोंक रोड, जयपुर

ARIHANT dynasty
1, 2, 3 एवं 4 बीएचके लग्ज़री अपार्टमेंटस्
पत्रकार कॉलोनी, मानसरोवर, जयपुर

ARIHANT श्री KRISH नम HEIGHTS
1, 2 एवं 3 बीएचके लग्ज़री अपार्टमेंटस्
चोखी ढाणी के सामने, टोंक रोड, जयपुर

ARIHANT COMMANDERS Residency
2 एवं 3 बीएचके लग्ज़री अपार्टमेंटस्
जयसिंहपुरा, अजमेर रोड, जयपुर

ARIHANT श्री KRISH नम RESIDENCY
2 एवं 3 बीएचके लग्ज़री अपार्टमेंटस्
अम्बाबाड़ी, सीकर रोड, जयपुर

CORAL Arihant HEIGHTS
1, 2 एवं 3 बीएचके लग्ज़री अपार्टमेंटस्
पत्रकार कॉलोनी, मानसरोवर, जयपुर

SHAURYA VIHAR
1 एवं 2 बीएचके अफोर्डेबल फ्लैटस्
वाटिका, टोंक रोड, जयपुर

COMMANDERS avana
1, 2 एवं 3 बीएचके लग्ज़री अपार्टमेंटस्
मानसरोवर, जयपुर

ARIHANT GROUP
Shaping the future
An ISO 9001:2008 Certified Company

Corporate Office: 2nd Floor, Class Of Pearl, Income Tax Colony, Durgapura, Tonk Road, Jaipur - 302018
T: +91 141 2970900-6 Lines | E: info@arihantgroupjaipur.com
www.arihantgroupjaipur.com

950 950 0123

SANDSTONE CONTRACTOR

Hari Singh Jhajhiya

Contact for All type of Stone Fitting Work
Specialist in : Dholpur Stone, Sand Stone

Aamagarh, Delhi Byepass, Transport Nagar, Jaipur
Contact : 9828258241, 9610107867

SERVICES PROVIDED BY US :

- Registration and Planning under GST
- Filling of Income Tax, Sales Tax, & Service Tax Returns
- Registration Under Sales Tax, Service Tax, Shop Act, FSSAI, ESI, PF, Trademark etc
- Consulting for tax planning and various other matters & all other CA Related Services

ANKIT NIPUN & COMPANY

CHARTERED ACCOUNTANT

CA ANKIT JAIN
(Partner)
+91 90014 41444

CA NIPUN GUPTA
(Partner)
+91 94139 49828

CA NITIN SHARMA
(Partner)
+91 97823 37400

**Office No. 5., Ist Floor, Jaipur Electronic Market,
Near Riddhi Siddhi, Gopalpura Bypass, Jaipur**

आधुनिक डिजाइनों में वास्तुशास्त्रानुसार रिहायशी, वाणिज्यक, औद्योगिक, संस्थानिक

Since 1997

भवनों के नक्शे

A-One Architects (P) Ltd.

.... a creative thought

Planning

Designing

Interiors

Supervision

Construction of Buildings

Ar. D.R. Malya
Director

A-ONE ARCHITECTS (P) LTD.
Head Office

Head Office : 18-B, Shree Kalyan Nagar, Kartarpura, Jaipur-302015
Unit Office : 192/38, Kumbha Marg, Pratap Nagar, Sanganer, Jaipur -302033
Phone : 0141-2501563, Mobile : 9414336431, 9929225353
E-mail : malyaaone@gmail.com, info@aonearchitects.com
Website : www.aonearchitects.com • www.facebook.com/malyaaone

अनुक्रमणिका

क्र.सं.	शीर्षक	लेखक	पृष्ठ संख्या
1.	सम्पादकीय (जीवन में मुक्ति का आनन्द)	श्याम सोनी	11
2.	संस्थापक अध्यक्ष की कलम से (त्याग, सेवा, सहयोग में छिपा है आनन्द)	दौलत राम माल्या	13
3.	मानवता की सेवा–सर्मपण व राष्ट्रीय भावना	अब्दुल सलाम जौहर	15
4.	महत्वपूर्ण फोन नं.	-- --	23
5.	समर्पण प्रार्थना	-- --	25
6.	समर्पण संस्था का परिचय	-- --	26
7.	समर्पण संस्था का उद्देश्य	-- --	27
8.	प्रबन्ध कार्यकारिणी	-- --	30
9.	मुख्य संरक्षक सदस्य	-- --	32
10.	संरक्षक सदस्य	-- --	33
11.	विशिष्ट सदस्य	-- --	35
12.	सम्माननीय सदस्य	-- --	36
13	विद्यार्थी सदस्य	-- --	40
14.	कविता	शफी मोहम्मद कुरैशी	47
15.	आपका कर्म ही आपका आइना	मदनलाल परेवा	59
16.	भवन निर्माण एक कला	दौलत राम माल्या	65
17.	आज हर शख्स परेशान क्यूँ है ?	दीपक महान	70
18.	रक्तदान एक श्रेष्ठ मानव सेवा	पी.सी. बेरवाल	74
19.	Once Soldier Always Soldier	Col. (Retd) S.S. Shekhawat	78
20.	बना दे सुखमय ये संसार	राम लाल 'रोशन'	80
21.	परोपकार स्वतः हो	राम कुमार 'सेवक'	86
22.	सत्य का बोध	हरद्वान सिंह	88
23.	समर्पण संस्था बनाम् मानवता का धर्म	साध्वी मनीषा बहन	96
24.	समर्पण एक विचारधारा	राम लाल 'रोशन'	104
25.	समर्पण व दान का वास्तविक अर्थ	संदीप विजयवर्गीय	110
26.	सिर्फ जेब ही क्यों भरना	जेठानन्द नन्दवानी	112
27.	मानवता – विकास की आधारशिला	उमेश वर्मा	113

प्रकाशक

समर्पण संस्था (रजि.)

192/38, कुम्भा मार्ग,
प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर

संपादक

श्याम सोनी

वरिष्ठ पत्रकार, जयपुर

संपादकीय सहयोग

दौलत राम माल्या
रामलाल 'रोशन'
संदीप विजयवर्गीय

मुद्रक

रूचिका क्रिएशन

चौड़ा रास्ता, जयपुर
फोन : 0141-4043430

ग्राफिक्स एवं डिजाईनिंग

नितिन निर्वाण

मो. 9799321626

Star Sukriti

GRAPHIC DESIGNER • 3D VIEWS

ISOMETRIC 3D VIEWS

EXTERIOR & INTERIOR

ANIMATION AND WALKTHROUGH

Dinesh Sharma

Amit Sharma

B-2, C-49, Vidya Apartment,
Paras Marg, Near Janta Store Circle,
Bapu Nagar, Jaipur-302015 (Raj.)

Phone : 0141-4001808, 9314501808
9929688916, 9314661910
Email : starsukritiarch@gmail.com

सम्पादकीय

जीवन में मुक्ति का आनन्द

कलकल बहती हुई एक नदी के किनारे एक आदमी अपनी बैलगाड़ियों के साथ खड़ा हुआ कल्पना के सागर में गोते लगा रहा था। वह कल्पना में खोया हुआ सोच रहा था कि मैं सब माल लदान करके ढ़ेर सारा धन कमाऊँगा। बहुत सारा धन आयेगा तो अपने लिए आलीशान भवन बनवाऊँगा। खाने–पीने के भण्डार से मेरा भवन सुगन्धित रहेगा। नौकरों–चाकरों की फौज् मेरे दाएं–बाएं लगी रहेगी। फिर खूबसूरत लड़की से विवाह भी करूँगा....। वह व्यक्ति वहाँ खड़ा–खड़ा विभिन्न कल्पनाएँ कर रहा था।

समीप ही एक वट–वृक्ष के नीचे भगवान बुद्ध विराजमान थे। सभी के मन को पढ़ने वाले भगवान बुद्ध ने उस व्यक्ति की कल्पनाओं को पढ़कर अपने शिष्यों से कहा, ''इस व्यक्ति को समझाएं कि इसकी कल्पनाएं कभी साकार रूप नहीं ले पायेगी, क्योंकि आठ दिन बाद इसकी मृत्यु होने वाली है, यह अपने जीवन का आठवाँ सूरज नहीं देख पायेगा।

बुद्ध के एक शिष्य आनन्द ने कल्पना करने वाले उस व्यक्ति को जब वह बात बताई तो वह घबरा गया और वह थर–थर कांपने लगा। उसे जीवन अन्धकार मय नजर आने लगा। वह मुर्छित होकर गिरने ही वाला था कि आनंद ने उसे अपनी बाँहों में थाम लिया और कहा कि ''भाई ऐसे घबराने से काम नहीं चलेगा, भगवान स्वरूप बुद्ध स्वयं तुम्हारे समीप ही उस वृक्ष के नीचे विराजमान है, चलो मैं तुम्हें उनसे मिलवाता हूँ।

मिलने पर बुद्ध ने उस व्यक्ति से कहा कि ''यह मत सोचो कि मृत्यु से तुम्हारे जीवन की मृत्यु हो जायेगी। मृत्यु से सत्य कभी नहीं मरता, केवल सपने मरते हैं, कल्पनाएं मरती है, टूटती है। सपने तो कल ही क्यों, आज ही टूट जाऐं तो श्रेष्ठ है। तुम्हारे पास अब जीवन के आठ दिन ही शेष है। जीवन में आठ दिन ही हो, तो भी बहुत है। इन्हें अपनी उपलब्धियों के लिए काम में लो, इनका निर्वाण और मुक्ति के लिए सदुपयोग करो।

कथा कहती है कि उस व्यक्ति के वे आठ दिन इतने शून्य, शान्त एवं रूपांतरित बीते कि आठवां सूरज उसके लिए मृत्यु लेकर आता उससे पहले ही सातवां सूरज उसके जीवन में निर्वाण व मुक्ति का मार्ग लेकर प्रकाशित हो गया। सात दिन व सात रात में किए गए कर्मो का प्रतिफल यह हुआ कि उस व्यक्ति का जीवन सम्बोधि और कैवल्य के प्रकाश से आलौकिक हो गया, जीवन मुक्त होकर जैसे दमक उठा हो।

मनुष्य मात्र को यदि यह बोध हो जाए कि मृत्यु शाश्वत सत्य है और मृत्यु से पूर्व किए गये कर्मो का प्रतिफल यदि वह समझ ले तो मान लो उसकी चिन्ता का पूर्णतया उपचार हो गया है। उसका कार्योत्सर्ग हो गया है।

हमारे जीवन के शेष रहे क्षणों को हम इस प्रकार गुजार लेवें कि हमारा कायोत्सर्ग हो जाए। हम जियेंगे और जागकर जियेंगे न कि कोरी कल्पनाओं व स्वप्न में। हम जीवन में आने वाले प्रत्येक छोटे से छोटे कार्य को भी सलीके से संजोयेंगे। यदि हम अपने जीवन को सृजनात्मक एवं सार्थक बनाना चाहते हैं तो अपने आपको टटोले, मंथन करें, अपने द्वारा किए गये सभी कार्यो का अवलोकन करें। जीवन में किसी भी कर्म को छोटा एवं तुच्छ नहीं समझें। मानवमात्र की सेवा के लिए पूर्ण समर्पित हो जाऐं।

आइए अभी से ही हम संकल्प कर लेवें कि मृत्यु आने से पूर्व वे कार्य कर लेवें जिससे नया इतिहास रच जाए। हम सभी चाहे तो हमारा एक–एक पवित्र विचार अपने आप का ही नहीं समूचे संसार का नवसंस्कार कर सकता है। प्रत्येक दिन अपनी दैनिक दिनचर्या और व्यावसायिक जीविकोपार्जन करने के साथ–साथ यह भी सोचें कि हमने संसार में आकर जीने का क्या उद्देश्य रखा है ? समर्पण संस्था द्वारा स्थापित मूल्य त्याग सेवा व सहयोग के प्रति हम कितने खरे उतरे है। अपने परिवार का पोषण करने के साथ–साथ दीन–दुखियों के सहयोग के लिए अपनी उदारता समर्पित करना स्वयं के लिए स्वर्ग के द्वार खोलने जैसा है।

त्याग सेवा व सहयोग जीवन और साधना की गहराई है, मुक्ति का आनन्द है। इसमें वह मुक्ति नहीं है जो मृत्यु के बाद मिलती है। इसमें वह मुक्ति है जिसका हम जीते–जी अनुभव करते है। निर्भर करता है हम जीवन का आनन्द कैसे लेते हैं। हम जीवन का सदुपयोग करने लग जाए तो मनुष्य जीवन हमारे लिए पुण्य का महान प्रतिदान बन जाता है और यदि जीवन का सही उपयोग न किया जाए तो यह जीवन मृत पशु एवं कीट–पतंगों से भी बदतर हो जाता है।

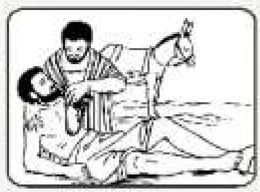

हमें अपनी दृष्टि को अपने परिवार मात्र तक ही सीमित नहीं रखना चाहिए वरन यदि अधिक साधन–सम्पन्न है तो हमें और भी जरूरतमंद परिवारों का सहयोग कर उन्हें गोद ले लेना चाहिए। पारस्परिक सहयोग एवं मानवता का अर्थ अपना कर मनुष्यता को और अधिक सुखी तथा प्रमुदित किया जा सकता है।

समर्पण संस्था की ओर से प्रकाशित विभिन्न रचनाओं से समाहित यह पुस्तक समर्पण – 2017 आपके कर–कमलों में भेंट कर हमें हर्ष और आनन्द की अनुभूति हो रही है। समर्पण संस्था ने मानव–सेवा के पथ पर जो सद्कर्म किए हैं उसके लिए संस्था अध्यक्ष श्री दौलत राम माल्या एवं उनकी समस्त टीम का आभार एवं साधुवाद व्यक्त करते हुए उनके सद्विचारों को मैं नमन करता हूँ। यही वे लोग है जो जीते–जी मुक्ति के आनन्द से साक्षात्कार करते हैं।

धन्यवाद।

श्याम सोनी

वरिष्ठ पत्रकार, जयपुर

ओम टाईल्स

.................जहाँ आपकी खोज होती है सम्पूर्ण

यहां सभी प्रकार की रबर मोल्डिंग, चिप्स टाईल्स एवं अन्य सीमेन्ट टाईल्स फैक्ट्री रेट पर उपलब्ध है।

ओम हैण्डीक्रॉफ्ट / ओम ट्रेडर्स

फैक्ट्री : जी-955, सीतापुरा इंडस्ट्रीयल एरिया, फायर स्टेशन के सामने, फेज-III, जयपुर

एम.डी. : वेदप्रकाश – मो. 9413745229

प्रो. मयंक वर्मा मो. 7728888898

www.omtiles.com

info@omtiles.com

डीलरशिप लेने के इच्छुक व्यापारी सम्पर्क करें

SERA CUE LABS

TRUST EXPERIENCE, TRUST TECHNOLOGY, TRUST SERA CUE

CCL JAS-ANZ IAF

ISO 9001 - 2008 Certified

अब आपके शहर में

Sera Cue Labs brings you a host of preventive tests with World Class technology to keep you and your family in the best health. Avail amazing inaugural offers.

Special Packages Offered :

Heart Check	Offer Price ₹ 500/-	Diabetes Check	Offer Price ₹ 500/-
Thyroid Check	Offer Price ₹ 500/-	Arthritis Check	Offer Price ₹ 500/-
Obesity Package	Offer Price ₹ 1000/-	Whole Body Checkup	Offer Price ₹ 2100/-

Services Offered :

- All range of pathological tests + E.C.G.
- Free Home collection
- Reporting to Door step / online

Collection Centres now in Maharani Farm, Durgapura & Sethi, Colony, Rajapark

Register yourself for membership and Avail more Exclusive offers

* Avail tax benifits under 80 D of IT Act by retaining invoice

33, सत्यविहार, जैन ईएनटी हॉस्पिटल के पास, लालकोठी, जयपुर, सम्पर्क : 0141-3305286, 2741898

त्याग, सेवा, सहयोग में छिपा है आनन्द !

संस्थापक अध्यक्ष की कलम से...

मानव समाज में हम अक्सर एक प्रश्न सुना करते हैं कि मैंने इतना किया इसके बदले मुझे क्या मिला ? त्याग, सेवा, सहयोग करना किसी अनजान व्यक्ति के लिए घाटे का सौदा हो सकता है पर जिन्हे उपकार करने का अनुभव है वे जानते हैं कि ईश्वरीय वरदान की तरह ये दिव्य गुण कितने शान्तिदायक है और हृदय को कितना बल देते हैं। उपकारी मनुष्य यह जानता है कि मेरे कार्यो से कितना लाभ दूसरों को होता है उससे कई गुना अधिक स्वयं मेरा होता है।

त्याग करना, किसी की सहायता करना उसी पद्धति पर आधारित है जैसे हम किसी को उधार देते हैं। जो कुछ हम दूसरों को देते हैं वह हमारी रक्षित पूंजी की तरह परमात्मा के बैंक खाते में जमा हो जाता है। जो अपनी रोटी दूसरों में बांटकर खाता है उसको किसी बात की कमी नहीं होती है। जो केवल खाना और जमा करना जानते हैं उन अभागों को यह मालुम ही नहीं होता कि त्याग, सेवा व सहयोग में कितना आनन्द छिपा है।

यह सत्य है कि जीवन में जो भी हम करते हैं वह प्रतिध्वनि के साथ वापस मिलता है। यदि प्रेम बांटेगे तो हमें प्रेम ही मिलेगा हम किसी की राह में एक फूल रखते है तो हमारी राह में हजारों फूल मिलते हैं। जीवन को आनन्दमय करने के लिए दूसरों को खुशियाँ बाँटना शुरु करना होगा। मानवाता व परोपकार के लिए समर्पित समर्पण संस्था जीवन को आनन्द मय करने का मुख्य प्लेटफॉर्म है इस प्लेटफॉर्म पर हम त्याग, सेवा व सहयोग के कार्यक्रमों में हिस्सा लेकर जीवन को आनन्दमय बना सकते हैं। संस्था द्वारा निरन्तर परोपकार के कार्य किये जा रहे हैं यदि हम इसका हिस्सा बने है तो समझिये हमने जीवन को आनन्द के पथ पर अग्रसर किया है।

संस्था द्वारा आगामी समय में "समर्पण आश्रय केयर" प्रोजेक्ट लाया जाना है। जिसके लिए भूमि मिल चुकी है। इस प्रोजेक्ट के तहत अनाथ बच्चों व ऐसे बुजुर्ग जिनके बच्चे नहीं हैं उनको एक साथ रखा जायेगा। जिससे बच्चों को माँ–बाप का प्यार मिल सके तथा बुजुर्गो को बच्चों का प्यार मिल सके।

हम अक्सर देखते हैं कि लोग दिखावे के लिए मन्दिरों में खूब दान करते हैं लेकिन थोड़ी सोच बदलकर यदि वही दान किसी निर्धन बच्चे की स्कूल फीस देकर या अन्य किसी जरूरतमंद की फीस देकर करें तो इससे बड़ा पुण्य कुछ हो ही नहीं सकता। लोग एक तरफ मन्दिरों में भगवान के लिए सोने व चांदी के मुकुट या सिंहासन बनवाते हैं और दूसरी तरफ झोपड़पट्टी के लोगों को देखकर नाक–भौंहें सिकोड़ लेते हैं। यह समझना जरूरी है कि इस दान से किसका भला होगा। यदि हम किसी बच्चे को शिक्षा देते हैं उसके खाने का प्रबन्ध करते हैं तो शायद यही सही अर्थो में भगवान की अर्चना होती है। यही इन्सानियत का धर्म होता है। किसी कवि ने बहुत सुन्दर शब्दों में कहा है कि –

किसी के काम जो आये उसे इन्सान कहते हैं,
जो पराया दर्द अपनाये उसे इन्सान कहते हैं।
यों भरने को तो दुनिया में, पशु भी पेट भरते हैं,
पर जो बन्दा बाँटकर खाये, उसे इन्सान कहते हैं।।

वर्तमान समय में दुनिया के सारे झगड़ों की वजह है कि हम देते कम और मांगते ज्यादा हैं। हमें चाहिए कि दें बहुत और बदले में कुछ नहीं माँगे जब हम यह नीति अपना लेते हैं तो आसपास के सारे झगड़े मिट जाते हैं। यदि हमारे जीवन का दृष्टिकोण देने का, त्याग और सेवा का बन जाता है तो फिर हम घर, परिवार, समाज में एक अनोखा चमत्कार देख सकते हैं अन्त में यही कहा जा सकता है कि....

मानव है तो मानव बनकर मानवता महकाते जायें।
इक दूजे के बने सहायक, सबसे प्रीत निभाते जायें।।

– आर्किटेक्ट दौलतराम माल्या
संस्थापक अध्यक्ष
समर्पण संस्था, जयपुर

सभी को समर्पण संस्था के 7 वर्ष पूर्ण होने पर हार्दिक शुभकामनाओं के साथ ..... जय मंगल!

ROOP NARAYAN YADAV
Cell : 9414339612

KISHAN LAL YADAV
(LALA)
Cell :9928387610

Jeevan Jyoti Industries

Sanganer, Jaipur

PURE AQUA

RO Drinking Water

शुद्ध एवं ठण्डे पानी की नियमित सप्लाई एवं शादी- पार्टीयों में पानी की सप्लाई के लिए सम्पर्क करें।

राधे ॐ ''दाता-सांवरा दरबार'' राधे

मनोज छीपा
9929056399, 7611008757
7611008759

Ambuja Cement

मंगलम ट्रेडर्स

अंबूजा सीमेन्ट, पी.ओ.पी. पुट्टी, ईंट, बजरी, रोड़ी, बांस, बल्ली, फंटो के थोक व खुदरा विक्रेता

समस्त प्रकार के बिल्डिंग मैटेरियल के सप्लायर

MPS, स्कूल रोड़, ताम्बी मोटर्स वर्कशाप के पास, बंबाला पुलिया के पास,
टोंक रोड़, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर (राजस्थान)

अच्छी बातें

1. हम भगवान जी के हैं। 2. हम जहाँ भी रहते है, भगवान के दरबार में रहते हैं।
3. हम जो भी शुभ काम करते हैं। भगवान जी का ही करते हैं।
4. शुद्ध सात्विक जो भी पाते हैं भगवान जी का ही प्रसाद पाते हैं।
5. भगवान जी के ही दिये प्रसाद से भगवद्‌जनों की सेवा करते हैं।

मानवता की सेवा-समर्पण व राष्ट्रीय भावना

अब्दुल सलाम जौहर

मुख्य संरक्षक – समर्पण संस्था

इन्सान एक सामाजिक प्राणी है। वो अपने जीवन में जो कुछ भी हासिल करता है वो समाज में रहकर, समाज के लोगों के साथ जुड़कर और समाज के द्वारा ही प्राप्त करता है।

अतः जब व्यक्ति अपने जीवन में अपने और अपने परिवार की आवश्यकताओं व ज़िम्मेदारियों की पूर्ति से कहीं अधिक आर्थिक व सामाजिक रूप से सुदृढ़ एवं सुख सम्पन्न हो जाये तो उसका यह परम कर्त्तव्य व अहम ज़िम्मेदारी बनती है कि वो व्यक्ति समाज व मानवता के कल्याण हेतु निःस्वार्थ भाव से समाज के ज़रूरतमन्द लोगों की सेवा व सहयोग यथा सम्भव तन, मन, धन से करे और मानव कल्याण व राष्ट्रीय सेवा हेतु समर्पण की भावना से अपना हर सम्भव योगदान प्रदान करे। ऐसी सेवा व कार्य करने से व्यक्ति की आत्मा को जो आनन्द व सुख की प्राप्ति होती है वो दुनिया की सबसे बड़ी, पवित्र अनमोल, सुखद आत्मसन्तुष्टि की प्राप्ति होती है, जिसका शब्दों में वर्णन नहीं किया जा सकता।

मानवता की सेवा निःस्वार्थ भाव से बिना किसी जाति, धर्म, भाषा, वर्ग, क्षेत्र के भेदभाव के केवल मात्र मानव कल्याण व राष्ट्रीय भावना के रूप में ही करनी चाहिये।

समाज के लोगों में आपस में भाईचारा, सद्भावना एवं एकता बनी रहे और कायम रहे एवं समाज किसी भी रूप में विभाजित ना हो, आपस में नफरत, दूरी व मनमुटाव पैदा ना हो ऐसी राष्ट्रीय भावना के साथ समाज व राष्ट्र की एकता एवं मज़बूती को बनाये रखने के लिये भी हर व्यक्ति को निरन्तर हर सम्भव प्रयास करते रहना एवं जागरूक करते रहना भी समाज व राष्ट्र की एकता, खुशहाली के लिये बहुमूल्य सेवा है।

समर्पण संस्था द्वारा निःस्वार्थ सेवा भाव से इसी तरह के मानव कल्याण, समाज व राष्ट्र की सेवा एवं भलाई के लिये किये जा रहे कार्य व विभिन्न की जा रही गतिविधियाँ काबिले तारीफ और बेहद सराहनीय है। जिसके लिये समर्पण संस्था के संस्थापक अध्यक्ष श्री दौलतराम जी माल्या मुबारकबाद व साधूवाद के हक़दार हैं, जो कि स्वयं एवं संस्था के प्रत्येक सदस्य मानव कल्याण की सेवार्थ निरन्तर समर्पण की भावना से समर्पित होकर निःस्वार्थ अपना बहुमूल्य योगदान देकर संस्था को आगे बढ़ा रहे हैं।

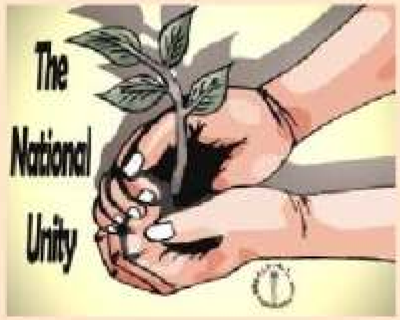

संस्था की स्मारिका "समर्पण 2017" के प्रकाशित होने पर काफी हर्ष व प्रसन्नता हो रही है। संस्था के सभी सदस्यों एवं कर्मठ कार्यकर्ताओं और विशेषकर इस स्मारिका के प्रकाशन में तन मन धन से सहयोग करने वाले सभी सहयोगियों का अभिनन्दन, साधूवाद और सभी को हार्दिक बधाई।

मुझे पूरा यकीन है कि आगे भी संस्था अपने मूल उद्देश्यों के साथ मानव कल्याण की सेवा की राह में निरन्तर अपनी ख़िदमात अन्जाम देती रहेगी और प्रदेश एवं देश में नई ऊँचाईयों के साथ मील का पत्थर साबित होगी।

मैं संस्था के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ।

**"जिस दिन से चला हूँ, मेरी मंज़िल पर नज़र है,
आँखों ने कभी मील का पत्थर नहीं देखा।"**

**वर्तमान समय में भी मानव समाज में जातियों की दीवारें, धर्म की दीवारें,
क्षेत्र की दीवारें, बोलियो की दीवारें व्याप्त हैं, हम सब इन दिवारों को तोड़ने का प्रयास करें....
क्या राजपुत, क्या ब्राह्मण, क्या हरिजन, क्या गढ़वाली, क्या कुमाऊनी,
क्या मैदानी, यहाँ तक कि क्या आदमी, क्या औरत ।।
क्या बुद्धिमान, क्या हिंदू –मुसलमान, क्या रूपवान... आत्मिक व मानवता आधार पर तो सब एक ही हैं...
अब समय है इन सब झगड़ो को समाप्त करने का..
सभी नफरत की दीवारों को तोड़कर प्रेम के पुल बनाने का निरन्तर प्रयास करें।**

Om Prakash Singh
9818514860
9953927590

OM CONSTRUCTION COMPANY

Civil Construction Work (Delhi)

B-II/641, Madan Pur Khadar, Sarita Vihar, New Delhi-110076
Email : omccgroup@gmail.com, omprakash6300@gmail.com

बत्तीलाल बैरवा
9783110401

सिविल कान्ट्रेक्टर

राहुल कन्सट्रक्शन कम्पनी

C-501, महेश नगर, जयपुर

सविंदर हरदेव
निरंकारी सद्‌गुरु माता
अन्तर्राष्ट्रीय सन्त निरंकारी मिशन,
सन्त निरंकारी कॉलोनी, दिल्ली-9
वेबसाइट : www.nirankari.org
ई-मेल : snm@nirankari.org

संदेश

ईश्वर की कृपा से हम सभी को तन-मन-धन की कुछ न कुछ उपलब्धियाँ प्राप्त हैं परन्तु अधिकतर हम उन्हें अपने अथवा अपने परिवार के स्वार्थों के लिए ही इस्तेमाल करते हैं। संत प्रवृत्ति वाले ही इन्हें परमार्थ अथवा परोपकार में लगाते हैं।

समर्पण संस्था, जयपुर का तो नाम ही इसका परिचय दे रहा है। संस्थापक अध्यक्ष श्री दौलतराम माल्या के मार्गदर्शन में यह संस्था न केवल आर्थिक रूप से पिछड़े हुए परिवारों के बच्चों को शिक्षा सहायता उपलब्ध करवाती है, बल्कि समाज सेवा के अन्य कार्यों में भी योगदान दे रही है जिनमें रक्तदान शिविर, निरक्षर महिलाओं को साक्षर करना तथा सामाजिक कुरीतियाँ दूर करने का प्रयास सम्मिलित है।

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि 'समर्पण संस्था' इस वर्ष विशेष स्मारिका 'समर्पण 2017' का प्रकाशन कर रही है। निरंकार सभी को सफलता प्रदान करें ताकि यह स्मारिका दूसरों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन सकें।

सविंदर हरदेव
निरंकारी सद्‌गुरु माता

श्रीमती वसुन्धरा राजे

मुख्यमंत्री
राजस्थान सरकार

सत्यमेव जयते

संदेश

प्रसन्नता का विषय है कि समर्पण संस्था, प्रताप नगर, सांगानेर द्वारा स्मारिका ''समर्पण 2017'' का प्रकाशन किया जा रहा है जिसमें संस्था की ओर से संचालित की जा रही गतिविधियों का विवरण दिया जायेगा।

किसी भी सामाजिक संस्था का गठन समाज के उत्थान और सेवा के भाव से किया जाता है। मुझे यह जानकर खुशी है कि समर्पण संस्था बच्चों को शिक्षा सहायता, डिजिटल लिटरेसी शिविर एवं रक्तदान शिविरों के आयोजन के माध्यम से सामाजिक कार्यों में अपना योगदान दे रही है।

आशा है भविष्य में भी यह संस्था इसी प्रकार सामाजिक दायित्वों एवं जरूरतमदों की सहायता के पुनीत कार्य में सहयोग करती रहेगी।

स्मारिका के सफल प्रकाशन के लिए शुभकामनाएं।

वसुन्धरा राजे

श्रीमती वसुन्धरा राजे
मुख्यमंत्री
राजस्थान सरकार

रामकुमार वर्मा
राज्यसभा सांसद
राजस्थान

सत्यमेव जयते

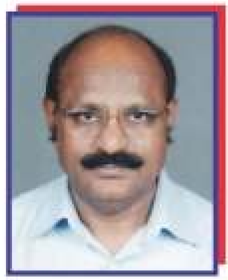

संदेश

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि समर्पण संस्था, प्रताप नगर, सांगानेर द्वारा स्मारिका ''समर्पण 2017'' का प्रकाशन किया जा रहा है जिसमें संस्था की ओर से संचालित विभिन्न गतिविधियों का उल्लेख होगा।

समर्पण संस्था सामाजिक उत्थान और मानव कल्याण के कार्यों में अपना सर्वोपरि योगदान दे रही है। विशेष रूप से शिक्षा, रक्तदान, डिजीटल प्रशिक्षण शिविर इत्यादि कार्य काफी सराहनीय रहे हैं। संस्था के कल्याण कार्यों में कई मौकों पर व्यक्तिगत रूप से भी जुड़ाव रहा है। ऐसे कार्य सामाजिक उत्थान के लिए नितांत आवश्यक हैं। भविष्य में भी समर्पण संस्था इसी प्रकार अपने दायित्वों का निर्वहन करती रहेगी।

स्मारिका के सफल प्रकाशन के लिए शुभकामनाएं।

रामकुमार वर्मा
(राज्यसभा सांसद)

डॉ. अशोक लाहोटी
महापौर
जयपुर

सत्यमेव जयते

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई है कि लोक कल्याणकारी ''समर्पण संस्था'' प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर द्वारा एक स्मारिका ''समर्पण–2017'' का प्रकाश किया जा रहा है, जो कि सराहनीय प्रयास है।

स्मारिका में संस्था द्वारा सामाजिक विकास एवं उत्थान के लिये किये गये सम्पूर्ण क्रियाकलापों का संग्रह कर प्रकाशन किया जायेगा।

मुझे यह जानकर भी खुशी हुई है कि संस्था द्वारा बच्चों को शिक्षा सहायता, डिजिटल लिटरेसी शिविर एवं रक्तदान शिविरों के आयोजन के माध्यम से सामाजिक कार्यों में अपना योगदान दिया जा रहा है।

आशा है कि भविष्य में भी यह संस्था इसी प्रकार से सामाजिक दायित्वों एवं जरूरतमंदों की सहायता के पुनीत कार्य में सहयोग करती रहेगी।

स्मारिका के सफल प्रकाशन हेतु संस्था के समस्त पदाधिकारियों एवं सम्पूर्ण टीम को मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

डॉ. अशोक लाहोटी
महापौर
जयपुर

बाबूलाल वर्मा

मंत्री

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग

राजस्थान सरकार

सत्यमेव जयते

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि 'समर्पण संस्था' पिछले सात वर्षों से राजस्थान राज्य में जरूरतमंद, असहाय, पीड़ित मानवता की सहायतार्थ एवं समाज में व्याप्त सामाजिक बुराईयों, अंध विश्वास, जातिवाद, निर्धनता को मिटाने के लिए पूरी तरह समर्पित हैं। संस्था द्वारा इस वर्ष एक स्मारिका 'समर्पण 2017' का प्रकाशन किया जा रहा है।

आशा है कि इस स्मारिका के प्रकाशन से समाज के सभी वर्गों को संस्था के कार्यकलापों, जनहित में किये जा रहे विभिन्न कार्यों आदि की जानकारी मिल सकेगी एवं अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकेंगे।

मैं संस्था द्वारा प्रकाशित की जानी वाली स्मारिका के गरिमामय एवं सफल प्रकाशन की कामना करता हूँ।

बाबूलाल वर्मा

मंत्री

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग

राजस्थान सरकार

UltraTech CEMENT
The Engineer's Choice

RATHI STEEL BARS
Legacy of trust. Since 1942.

लक्ष्य कुमार : 9461307207, 9414280447

लक्ष्मी स्टील्स, सैनेट्री एण्ड इलेक्ट्रिकल्स

अधिकृत विक्रेता : अल्ट्राटेक, श्री, अंबुजा सीमेन्ट, राठी टोर सरिया एवं टाटा स्टील

हमारे यहाँ सीमेन्ट, रोड़ी, बजरी, ईंट, सरिया एवं सैनेट्री और इलेक्ट्रिकल्स
आदि समस्त सामान उचित दर पर उपलब्ध है।

डी–343, 80 फीट रोड़, दक्षिण मुखी बालाजी मन्दिर के पास, करधनी स्कीम,
कालवाड़ रोड़, जयपुर–302012

हरिकिशन दैया

बीकानेर चाट भण्डार

गोल गप्पे का पाँच प्रकार का पानी

कुम्भा मार्ग, प्रताप नगर, जयपुर
मोबाईल 8824273070

सम्बन्धित फर्म

क्लासिक टेलर

जेन्टस स्पेशलिस्ट

सेक्टर – 8, भामाशाह मार्ग, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर
मोबाईल 9214972393

महत्त्वपूर्ण फोन नम्बर

◊ **Directory Assistance**	**197**
◊ **24x7 Tele-Information Service**	**0141-2744447**
◊ **Police**	**100**
◊ **Fire**	**101**
Bani Park	0141-2201898
Bais Godam	0141-2211258
Ghat Gate	0141-2615550
VKI Area	0141-2332573
MI Road	0141-2375925
◊ **Ambulance**	**108**
Daljeet (0000-0700hrs)	09829100000
Jay Kay Lon	0141-2619827/8
Mahila Chikitsalya	0141-2601333/4
Hemant Ambulance	0141-2640009
Sardarji	0141-2621631
Durlabji Hospital	0141-2566251
Jaipur Hospital	0141-2742619
Rungta Hospital	098290-66555
Uniara Shishu Ambulance	098290-62290
SDMH	0141-2566251
SMS	0141-2560291
Red Cross	0141-2617214
Soni Hospital	0141-2571122
Monilek Hospital	0141-2653021
Apex Hospital	0141-2751871
◊ **Accident Relief**	**0141-2565630**
East Jaipur	0141-2567436
South Jaipur	0141-2575171
North Jaipur	0141-2568721
West Jaipur	0141-2577717
◊ **Railways**	
Railway Enquiry	131
Railway Record Enquiry	132
PNR Enquiry	135
Train Recorded Enquiry	0141-2204536
Reservation Enquiry	0141-2379115

◊ **Airlines**	
Air India	0141-2368821
Air France	0141-2370509
Alitalia	0141-5115438/9
Ansett Australia (Inter Globe Air Transport)	0141-2370062
Air New Zealand(-Do-)	0141-2361487
American Airlines (Jet Air)-GSA	0141-2375430
Austrian Airlines (Jet Air)-GSA	0141-2377695
British Airways	0141-2370374
China Eastern	0141-2379235
Gulf Airways	0141-2367409
Indian Airlines (City)	0141-2743500
(Airport)	0141-2721519
Jet Airways (Airport)	0141-2551352
(City)	0141-5112222
Air Deccan	0141-5127444
Cathay Pacific(Dyna Travels)-GSA	0141-237562
Indian Airlines (Sanganer Airport)	0141-2721333
KLM	0141-2367772
Kuwait Airways	0141-2372896
Lufthansa (Belair)-GSA	0141-2575822
New Zealand (Inter Globe)-GSA	0141-2361487
Royal Jordan (Jet Air)-GSA	0141-2375430
Royal Nepal Airlines (Naika Travels)	0141-2376485
SAS (Inter Globe)-GSA	0141-2361487
Sahara Airlines	0141-2365741
South African Airways (Inter Globe)-GSA	0141-2361487
Syrian Arab Airlines (Inter Globe)-GSA	0141-2361487
Thai Airways International (Delhi Express)	0141-2361519
United Airlines (Inter Globe)	0141-2361487
Mystic Tours & Travels	0141-2372998
Air France	0141-2370509

महत्त्वपूर्ण फोन नम्बर

◊ Tourist Places

Albert Museum	0141-2570099
Amer Fort	0141-2530293
Birla Planetarium	0141-2385094
City Palace	0141-2608055
Hawa Mahal	0141-2618862
Jantar Mantar	0141-2610494
Jaigarh Fort	0141-2274848
Nahargarh Fort	0141-5148044
Birla Mandir	0141-2620969
Museum Of Indology	0141-2565124
Pudarik Ki Haveli	0141-2321534
Sisodia Rani Ka Bagh	0141-2680494
Jaipur Zoo	0141-2617319
Ram Nimas Garden	0141-2565244
Science Park	0141-2304654

◊ Currency Exchanges

Balkishan Bhatia & Sons, Johari Bazar)	0141-2566440
Bank Of Rajasthan, C-Scheme	0141-2365021
Globe Forex & Travels	0141-2364162
Thomas Cook, MI Road	0141-2360940
SBI, Malviya Marg C-Scheme	0141-2377143
American Express	0141-2364026
Central Bank Of India	0141-2317419

◊ Postal Services

GPO, MI Road, Jaipur	0141-2368740
Foreign Post Office	0141-2367659
Speed Post	0141-2361558
UPS Courier Service, Jaipur	0141-5104575
Skypack Courier Service	0141-5103646

◊ Miscellaneous Services

Morning Alarm, Jaipur	116
Passport Office, Tonk Road	0141-2510884
Information Center (Suchna Kendra)	0141-2372345

◊ Hospitals

Apollo Clinic, C-Scheme	0141-5102000
Apex Hospital, Malviya Nagar	0141-2751871
Bhagwan Mahavir Cancer Hospital & Research Center, JLN Road	0141-2700107
Bhandari Hospital (Main Branch)	0141-2700107
- Mansarovar	0141-2398254
- Gopalpura Mode	0141-2703851
Jaipuria Hospital	0141-2551460
Monilek Hospital, Jawahar Nagar	0141-2653021
Rungta Hospital	0141-2522001
SDM Hospital	0141-2566251
SMS Hospital	0141-2560291
Soni Hospital	0141-2571122
Tongia Heart & General Hospital	0141-2370271
Chemists (Opp - SMS Hospital)	0141-5102000

◊ Movie Theatres

Alka Cinema	0141-2231892
Ankur Cinema	0141-2600531
Raj Mandir	0141-2379372
Kohinoor	0141-2732772
Laxmi Mandir	0141-2741504
Polovictory	0141-2372658
Fun Cinema	0141-2337325

◊ Multiplex Cinema

Entertainment Paradise	0141-5127777
The Golcha (Chaura Rasta)	0141-2578683
Space (Bani Park)	0141-2282289
Cinestar	0141-2233975
First Cinema	0141-5512070
Galaxy (Mansarovar)	0141-5133000
Inox	0141-5116511

◊ Cultural Centres

Birla Auditorium	0141-2385224
Jawahar Kala Kendra	0141-2706560
Ravindra Manch	0141-2619061

समर्पण प्रार्थना

समर्पण की भावना हो, ऐसा जीवन जी पाएं।
करें तन मन धन अर्पण, ऐसा जीवन जी पाएं।

मानवता को धर्म मानें, इन्सानियत को जाने,
सबसे मिलके चलना हम, सदा जीवन में अपनाएं।
समर्पण की भावना.............

प्यार की बात हो मुख पर, निन्दा नफरत करें ना हम,
नम्रता हो दया करूणा, सभी का दर्द समझ पायें।
समर्पण की भावना.............

निभायें नाता सबसे हम, मीठे बोल नित बोलें,
प्रेम जीवन में बस जाये, सादगी को हम अपनाएं।
समर्पण की भावना.............

न समझे ऊँच कोई नीच, सबको गले लगाये हम,
समझ के ये जहाँ अपना, सबके दिल में बस जायें।
समर्पण की भावना.............
तर्ज:- दया कर दान भक्ति का ....

(सभी कार्यक्रमों का प्रारम्भ उपरोक्त प्रार्थना व समापन राष्ट्रगान से किया जाता है।)

'समर्पण संस्था' परिचय

मानवता व परोपकार के लिए समर्पित समर्पण संस्था एक रजिस्टर्ड सामाजिक संस्था है जिसकी स्थापना नवम्बर 2009 में की गई, संस्था में सभी धर्म व जाति के व्यक्ति सदस्य हैं। संस्था के पदाधिकारी सदस्यों का सामाजिक क्षेत्र में एक स्थान व मुकाम है। संस्था की नवगठित कार्यकारिणी में कुल 36 सक्रिय सदस्य हैं।

संस्था के संस्थापक अध्यक्ष आर्किटेक्ट दौलतराम माल्या ए–वन आर्किटेक्ट्स प्रा. लि. के निदेशक हैं जो जयपुर व राजस्थान के अनेक शहरों में रिहायशी वाणिज्यक, संस्थानिक व्यवसायिक भवनों के नक्शें डिजाइन कर निर्माण करवा चुकें हैं।

संस्था द्वारा अब तक लगभग 67 कार्यक्रम मानव हितार्थ आयोजित किये जा चुकें हैं। जिसमें 7 रक्तदान शिविर, 4 शिक्षा सहायता कार्यक्रमों में कुल 176 निर्धन बच्चों को शिक्षा सहायता उपलब्ध करवाना तथा 122 समाज सेवकों को ''समर्पण समाज गौरव'' सम्मान द्वारा सम्मानित करना प्रमुख कार्यक्रम हैं। अन्य कार्यक्रम सरकारी स्कूल के बच्चों को निःशुल्क अंग्रेजी पढ़ाना, निरक्षर महिलाओं को साक्षर करना, निःशुल्क चिकित्सा शिविर, पौधारोपण, योग शिविर, प्याऊ लगवाना, पक्षियों के लिए परिण्डे लगवाना, सामाजिक कुरितियों पर परिचर्चा, ज्वलन्त मुद्दों पर प्रदर्शन, मैराथन में सदस्यों द्वारा परहित की भावना को लेकर दौड़ लगाना आदि है।

पिछले वर्ष 18 दिसम्बर 2016 को संस्था के 7वें वार्षिक अधिवेशन पर ''कैशलेस सोसायटी के लिए डिजीटल जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम'' भी राष्ट्रहित की भावना से किया गया।

संस्था का कार्यक्षेत्र राजस्थान राज्य है। लेकिन सदस्यता कोई भी ले सकता है। संस्था ने अब तक किसी प्रकार की सरकारी सहायता नहीं ली है। सभी कार्यक्रम सदस्यता शुल्क व दान द्वारा प्राप्त राशि द्वारा ही किये जाते है।

संस्था की वेबसाइट **www.samarpansanstha.org** है जिसका विमोचन 2010 में तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने किया था। वेबसाइट पर संस्था की सभी गतिविधियों के साथ सदस्यों का विवरण भी अपडेट रहता है। संस्था द्वारा अब तक दो स्मारिका ''समर्पण 2010'' व ''समर्पण 2015'' प्रकाशित की जा चुकी है। संस्था में अब तक 6 मुख्य संरक्षक, 42 संरक्षक (आजीवन) सदस्य हैं, जो कि सामाजिक दृष्टि से प्रतिष्ठित हैं। 7 विशिष्ट (पांच वर्ष) सदस्य, 75 सम्मानीय सदस्य (वार्षिक) तथा 44 विद्यार्थी (निःशुल्क) सदस्य हैं।

संस्था के सभी कार्यक्रम व बैठकों की शुरूआत समर्पण प्रार्थना के साथ होती है तथा समापन राष्ट्रगान के साथ किया जाता है। सदस्यों व कार्यकर्ताओं के लिए युनिफॉर्म (सफेद टी शर्ट व कैप) भी निर्धारित है। सदस्य आपस में मिलने पर ''जय मंगल'' का उद्घोष भी करते हैं। प्रत्येक दो वर्ष के बाद संस्था की कार्यकारिणी पुनर्गठित की जाती है।

'समर्पण संस्था' के उद्देश्य

शिक्षा एवं सामाजिक विकास:

- निर्धन बच्चों को निःशुल्क शिक्षा देना।
- महिला शिक्षा/साक्षरता अभियान चलाकर समाज में व्याप्त कुरीतियों को मिटाने, अन्धविश्वासों, जातिवाद आदि के खात्में के लिए जागरूकता लाना।
- आध्यात्मिक जागरूकता का प्रयास करना। समस्त कार्यों के लिये जनजागरूकता अभियान, शिविर, संगोष्ठियाँ, रैलियाँ तथा प्रशिक्षण शिविरों एवं विधिक शिविरों का आयोजन करना।

मानवाधिकार:

महिलाओं, बच्चों, दलितों व असहाय लोगों के अधिकारों के लिये पैरवी करना एवं जागरूकता लाना व प्रशासनिक तन्त्र के साथ मिलकर कार्य करना।

स्वास्थ्य कार्यक्रम:

- एड्स, टी.बी., कैंसर आदि बीमारियों के प्रति जागरूक करना।
- रक्तदान शिविर, नेत्र चिकित्सा शिविर, सामान्य जाँच एवं चिकित्सा शिविर आदि का आयोजन करना।
- भ्रूण हत्या, नशाबन्दी आदि पर कार्यक्रम आयोजित करना।
- स्वच्छता अभियान चलाना।

पर्यावरणः

- पर्यावरण प्रदूषण की रोकथाम हेतु जन जागरूकता कार्यक्रम करना।
- वृक्षारोपण, जल-संरक्षण, मृदा-संरक्षण, अक्षय ऊर्जा, पवन ऊर्जा आदि के लिये कार्य करना।

आर्थिक विकासः

- सरकारी योजनाओं का आमजन तक लाभ पहुँचाना।
- कृषि योजनाओं व उन्नत कृषि की जानकारी देकर लाभ दिलवाना।
- बेरोजगार युवक/युवतियों को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण देकर लाभ दिलवाना, स्वयं सहायता समूहों का निर्माण कर लाभ दिलाना।
- कच्ची बस्ती वासियों व बेघर लोगो के पुनर्वास के लिए कार्य करना।

प्रत्येक मनुष्य में परमात्मा की ज्योति है, जिसके द्वारा वह कार्यशील है। मनुष्य के शरी में उसी ज्योति का महत्त्व है। संसार की गतिविधियाँ एक सपने की तरह हैं। हम इन गतिविधियों के साथ जरूरतमंद, असहाय व पीड़ित व्यक्तियों की समर्पित सेवा करें। तन - मन - धन ईश्वर की देन है, इन्हें हम अच्छाइयों के साथ जोड़ें। इन्हीं भावनाओं को लेकर समर्पण संस्था का निर्माण किया गया है। आईए! हम समर्पण संस्था के साथ जुड़कर, मानवता के प्रति समर्पित होकर एक नई रोशनी की किरण को उजागर करें...

प्रस्तावित ''समर्पण आश्रय केयर भवन''

'समर्पण आश्रय केयर' भवन में अनाथ बच्चे व ऐसे बुजुर्ग जिनके बच्चे नहीं हैं उनको एक साथ रखकर शिक्षा एवं सेवा देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिससे बच्चों को बुजुर्गों का और बुजुर्गों को बच्चों का प्यार मिल सके। भवन के निर्माण में दान हेतु सभी सदस्य एवं भामाशाह सादर आमंत्रित हैं। भवन निर्माण में सहयोग देने वाले सभी दानदाताओं का नाम शिलालेख पर उल्लेखित किया जायेगा।

साम्भरिया रोड़, कानोता, तहसील – बस्सी, जिला – जयपुर

सदस्यता व दान

संस्था में किसी भी जाति व धर्म का व्यक्ति सदस्यता ले सकता है। इसके लिए सदस्यता फार्म वेबसाइट व कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं।

सदस्यता शुल्क

- मुख्य संरक्षक सदस्य - 21000/- (आजीवन)
- संरक्षक सदस्य - 11000/- (आजीवन)
- विशिष्ट सदस्य - 5100/- (पांच वर्षीय)
- सम्माननीय सदस्य - 1100/- (वार्षिक)
- विद्यार्थी - नि:शुल्क

सभी सदस्यों का विवरण फोटो सहित वेबसाइट पर अपलोड किया जाता है। सदस्यता के लिए फार्म भरकर व्हाट्सएप या मेल द्वारा भेज सकते हैं । सदस्यता शुल्क संस्था के अकाउण्ट में जमा करवाकर रसीद की फोटो भेज सकते हैं । संस्था की रसीद प्रेषित कर दी जायेगी। यदि आप सदस्य न बनकर केवल दान देना चाहते हैं तो भी आपका स्वागत है। दान व सदस्यता शुल्क के लिए चैक ''समर्पण संस्था'' के नाम बनाकर भेज सकते हैं ।
(संस्था में दान व सदस्यता की राशि पर आयकर अधिनियम 80G के तहत इनकम टैक्स में छूट होगी)

A/c Name : Samarpan Sanstha • Bank Name : AXIS Bank Ltd.
A/c No. 909010036941934 • IFSC Code UTIB0000433 at Jaipur

प्रबन्ध कार्यकारिणी

Founder President
Sh. Daulat Ram Malya
(Director, A-one Architects Pvt. Ltd.)
9414336431, 9929225353

Secretary
Sh. Shrikant Lakwal
(Senior Civil Draftsman)
9667229818

Senior Vice President
Sh. Ram Prasad Lodiya
(Director, Alive Arts Architects Pvt. Ltd.)
9414051161, 9166666605

Treasurer
Sh. Ramawatar Bairwa
(Avtaar Associates)
9928010564

Vice President
Col. S.S. Shekhawat
(Retired Indian Army)
9929967903

Vice President
Sh. Mukesh Jaiman
(Real Estate Business)
9829600397

Vice President
Sh. Madan Lal Verma
(Krishna Construction Company)
9887039011

Vice President
Sh. Harbhajan Singh Malhotra
(Retired Principal, ITI)
9460067003

Vice President
Sh. Roop Narayan Yadav
(Jeevan Jyoti Industries)
9602719840, 9414339612

Joint Secretary
Sh. Rakesh Choudhary
(Solar Energy Business)
9950511109

Joint Secretary
Sh. Rakesh Kumar Sancheti
(Advocate)
9413692116

Joint Secretary
Sh. Bhiwa Ram Kamalwal
(Govt. Service JVVNL)
9460867612

Joint Secretary
Sh. Devesh Vyas
(Software Engineer)
9461455009

P. R.O.
Sh. Ram Lal Roshan
(Govt. Service JVVNL)
9950442593

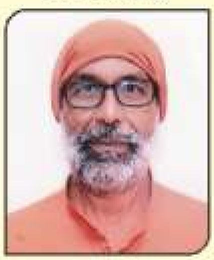

Chief Advisor
Swami Baba Bharat
(Social Worker)
8890359635

Chief Advisor
Sh. Shafi Mohammad Qureshi
(Retired IAS)
9829999982

प्रबन्ध कार्यकारिणी

Chief Advisor
Sh. Arun Agarwal
(Business & Social Worker)
9414079666

Chief Advisor
Sh. Naresh Kumar Bairwa
(Ex. En. PHED)
9414435692

Chief Advisor
Sh. Ramdayal Bairwa
(Advocate & Social Worker)
9672490810

Specific Advisor
Sh. Ankit Jain
(Chartered Accountant)
9001441444

Specific Advisor
Sh. Vikas Somani
(Advocate)
9672434343

Specific Advisor
Sh. Sunil Kumar
(Editor Diksha Darpan)
9887258977

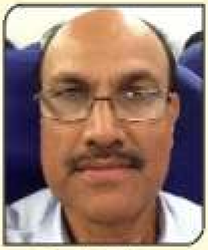

Specific Advisor
Sh. Bhanwar Lal Bunkar
(Retd. Chief Manager, Bank of Maharashtra)
9414280447

Specific Advisor
Sh. Gauri Shankar Nirankari
(Architect, Ekta Architects)
9649778589, 9314939112

Specific Advisor
Sh. G.S. Menaria
(Consultancy- Education)
9928536600

Specific Advisor
Sh. Jagdish Narain Bairwa
(Retired - R.T.S.)
9414309651

Specific Advisor
Sh. Bhoop Ram Sharma
(Director, Hardev Shiksha Niketan)
9460062401

Specific Advisor
Sh. Gaurav Sharma
(News Reader Doordarshan)
9001077333

Specific Advisor
Sh. Jetha Nand Nandwani
(Retired Central Govt. Employee)
9928443444, 9928441133

Executive Member
Sh. Manoj Swaroop
(Manglam Traders)
9929056399

Executive Member
Sh. Nitin Nirwan
(Graphic Designer, Ruchika Creation)
9799321626

Executive Member
Sadhvi Manisha
(Social Worker)
8442052781

Executive Member
Sh. Sanjeet Kr. Kushwaha
(Shree Balaji Enterprises)
9001417694

Executive Member
Sh. Ram Swaroop Mahawar
(Civil Contractor)
9001417694

Executive Member
Sh. Madan Kewal
(Pharmacist)
9929927556

Executive Member
Smt. Sunita Devi Bairwa
(Social Worker)
9636562345

मुख्य संरक्षक

Sh. Rakesh Goel
(Builder, Arihant Group)
9928041101

Sh. Satish Khurana
(Director, Gaurav Petrochem Pvt. Ltd.)
9829065288, 9314924328

Janab Abdul Salam Johar
(Social Worker)
9414058529

CA Ankit Jain
(Ankit Nipun & Company)
9001441444

Ar. Daulat Ram Malya
(Director, Aone Architects Pvt. Ltd.)
9414336431, 9929225353

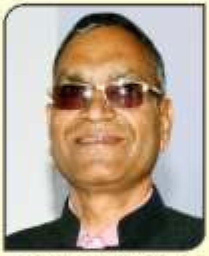

Sh. S.S. Shekhawat
(Retired Indian Army)
9929967903

दान दिये धन ना घटे, नदी ना घटे नीर ।
अपनी आँखों देख लो, यों क्या कहे कबीर ।।

किसी जरूरतमंद की मदद करने से हम कभी गरीब नहीं बनते उस नदी की तरह बने, जिसका पानी कभी किसी प्यासे को पिलाने से कम नहीं होता। कबीरदास जी कहते हैं कि ये बात किसी से सुनकर विश्वास करने वाली नहीं, बल्कि खुद अपनी आँखों से देखने वाली है।

किसी जरूरतमंद की मदद करना भगवान की पूजा करना है। जब हमें उससे मदद के लिए धन्यवाद मिलता है तो हम अपने अन्दर एक सच्चा आनन्द महसूस कर सकते हैं।

संरक्षक सदस्य

Sh. Ram Kumar Verma
(Member of Parliament)
9414248196

Sh. Prashant Bairwa
(Buisness)
8875760000

Sh. Pramod Sharma
(Business)
9828011333
9214311333

Sh. Jagdish Prasad Bairwa
(J. P. Construction Company)
9829284582

Sh. Dinesh Kumar Sharma
(Star Sukriti)
9314501808

Sh. Vijay Anand Sharma
(Mevik & Vishwakarma Murti Arts)
9929133886

Sh. Gopal Bairwa
(Nirankari Contractions)
9928056156

Sh. Lokesh Sharma
(L.S. & Company)
9414041028

Sh. Arvind Sidana
(Arvind Motor Company)
9829012793

Sh. Sunil Kumar Jain
(Anushree Agencies)
9829013025

Sh . Roop Narayan Yadav
(Jeevan Jyoti Industries)
9602719840, 9414339612

Sh. Brij Raj Kundra
(Kritika Digitals)
9950400006

Sh. Hukum Raj Bairwa
(Civil Contractor)
9461785528

Sh. Harish Chandra Mahawar
(Pravesh Construction Company)
9887250818, 9887755700

Sh. Kajod Mal Bairwa
(Civil Contractor)
9351492514

Sh. Omprakash Verma
(Shubh Laxmi Murti Arts)
9829216065

Sh. Mukesh Jaiman
(Real Estate Business)
9829600397

Sh. Bhagwan Sahai Bairwa
(Plumber)
9829405406

Sh. Manish Sharma
(Civil Contractor)
9529555575, 9829357065

Smt. Sampda Kshotriya
(Builder, Baba Builders)
8955084151

Sh. Rama Dharendra
(Social Worker)
9829212561

संरक्षक सदस्य

Sh. Gyarsa Ram
(Civil Contractor)
09312908771
09811352833

Sh. Manoj Swaroop
(Manglam Traders)
9929056399

Sh. Yogesh Bhatnagar
(Business)
9829059060

Sh. Damodar Prasad Gupta
(Retired Govt. Servant)
9829059152
01412591517

Sh. Jetha Nand Nandwani
(Retired Central Govt. Employee)
9928443444
9928441133

Sh. Rajesh Kumar Meghwal
(Managing Director, Care Group)
8890228800

Sh. G.S. Menaria
(Consultancy-Education)
9928536600

Sh. M.K. Goyal
(Chief Accounts Officer, AVVNL)
9414004012

Sh. Dinesh Agarwal
(Chartered Accountants)
09820700430, 09821299981

Sh. Vikas Somani
(Advocate)
9672434343

Sh. Harbhajan Singh Malhotra
(Retired Principal, ITI)
9460067003

Sh. Bhanwar Lal Bunkar
(Retired Chief Manager, Bank of Maharashtra)
9414280447

Miss Priya Gulati
(Interior Designer)
9462772484

Sh. Jagdish Narain Bairwa
(Retired - R.T.S.)
9414309651

Sh. Dinesh Kumar Jain
(Govindam Tiles & Sanitary)
8058280004

Sh. Madan Lal Verma
(Krishna Construction Company)
9887039011

Sh. Sitaram Mahawar
(Civil Contractor)
9950749977

Sh. Hari Kishan Dalya
(Bikaner Chat Bhandar)
8824273070

Sh. Madan Lal Parewa
(Property Business)
9414054342

Sh. Radha Kishan Bairwa
(CTO)
9414624102

Sh. Shri Kishan Jonwal
(Civil Contractor)
9829474305

विशिष्ट सदस्य

Sh. Ramgopal Sharma
(Farmer)
9414063753

Sh. Brij B Gupta
(Business)
9414079680

Sh. Ram Swaroop Mahawar
(Civil Contractor)
9950114038

Sh. Suresh Kumar Bairwa
(Civil Contractor)
9001337255

Sh. Hemant Patni Ji
(Patni Builders Pvt. Ltd.)
9314186417

Sh. Babu Lal Bhagwanji Prajapati
(Building Contractor)
9829790196

Sh. Batti Lal Bairwa
(Civil Contractor)
9983110401

दान की विनम्रता

रहीम एक बहुत बड़े दानवीर थे। उनकी ये एक खास बात थी कि जब वो दान देने के लिए हाथ आगे बढ़ाते तो अपनी नजरें नीचे झुका लेते थे।'

ये बात सभी को अजीब लगती थी कि ये रहीम कैसे दानवीर हैं। ये दान भी देते हैं और इन्हें शर्म भी आती है।'

ये बात जब तुलसीदासजी तक पहुँची तो उन्होंने रहीम को चार पंक्तियाँ लिख भेजीं जिसमें लिखा था' –

ऐसी देनी देन जु' कित सीखे हो सेन।'ज्यों ज्यों कर ऊँची करौं' त्यों त्यों नीचे नैन।।'

इसका मतलब था कि रहीम तुम ऐसा दान देना कहाँ से सीखे हो? जैसे जैसे तुम्हारे हाथ ऊपर उठते हैं वैसे वैसे तुम्हारी नजरें तुम्हारे नैन नीचे क्यूँ झुक जाते हैं?'

रहीम ने इसके बदले में जो जवाब दिया वो जवाब इतना गजब का था कि जिसने भी सुना वो रहीम का कायल हो गया। इतना प्यारा जवाब आज तक किसी ने किसी को नहीं दिया।

रहीम ने जवाब में लिखा' –

देनहार कोई और है' भेजत जो दिन रैन। लोग भरम हम पर करैं' तासौं नीचे नैन।।'

मतलब, देने वाला तो कोई और है वो मालिक है वो परमात्मा है वो दिन रात भेज रहा है। परन्तु लोग ये समझते हैं कि मैं दे रहा हूँ रहीम दे रहा है। ये सोच कर मेरे नेत्र शर्म से नीचे झुक जाते है

सम्मानीय सदस्य

Sh. Madan Lal Mahawar
(Civil Contractor)
9950114039

Sh. Mool Chand Bairwa
(Carpenter)
9829475937

Sh. Braj Mohan Bairwa
(Plumber)
9887936986

Sh. Rameshwar Yadav
(Om Sheet Material)
9828408360

Sh. Ramdhan Nirankari
(Nirankari Construction)
9929871511

Sh. Shafi Mohammed Qureshi
(Retired RAS Officer)
9829999982

Sh. Ram Raj Singh
(P.O.P. Contractor)
9636197546

Sh. Rajendra Kumar Bairwa
(Contractor)
9950929871

Sh. Hari Singh Jhajiya
(Sand Stone Contractor)
9828258241

Sh. Mukesh Kumar Jangid
(Architect)
9461070103

Sh. Gauri Shankar Nirankari
(Architect, Ekta Architect)
9649778589

Sh. Shailendra Agarwal
(Chartered Accountant)
9314412945

Sh. Rakesh Kumar Bairwa
(Plumber)
9214825403

Sh. Ram Dayal Gothwal
(Civil Contractor)
9414337480

Sh. Anil Marmit
(Teacher)
9680548080

Sh. Ram Niwas Bairwa
(Civil Contractor)
9414337482

Sh. Sanjeet Kumar Kushwaha
(Moduler Kitchen)
9001417694

Sh. Girdhari Lal Kumawat
(Civil Contractor)
9950023041

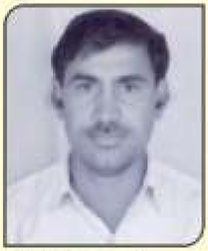

Sh. Lal Chand Kumawat
(Civil Contractor)
9982740406

Sh. Ramawtar Bairwa
(Architect)
9928906675

सम्मानीय सदस्य

Sh. Rakesh Kumar Sancheti
(Advocate)
9413692116

Sh. Vimal Sahay
(Builders)
9887783376

Sh. Ashok Gajrawat
(Moduler Kitchen)
9828660300

Sh. Kishan Lal Yadav
(Business)
9928387610

Sh. Naresh Kumar Bairwa
(Ex. En. PHED)
9414435692

Sh. Raju Singh
(A.C. Contractor)
9602269803

Miss Teena Kumawat
(Business)
9549636333

Sh. Deependra Agarwal
(Construction)
8104590111

Dr. R.N. Verma
(Veterinary Doctor)
9950194837

Sh.Virendra Kumar Sharma
(Colonizer)
9784212022

Sh. Hemraj Bairwa
(A.C. Fitting)
9680225880

Sh. Ramesh Chand Bairwa
(Civil Contractor)
9785160842

Sh. Ayush Sharma
(Anil Builing Materials)
9414031133

Sh. Bhola Ram Kumawat
(Civil Contractor)
9828427841

Sh. D.S. Dhakad
(Private Service)
9887710056

Dr. Dinesh Bairwa
(Daisy Ora Clinic)
9414257824

Sh. Kalu Ram Kumawat
(Civil Contractor)
9929835736

Sh. Sanwar Mal Bairwa
(Painter)
9829452119

Sh. Rakesh Choudhary
(Solar Energy Business)
9950511109

Sh. A.S. Kamalanker
(Ex. En., JVVNL)
9530149575

सम्मानीय सदस्य

Sh. Bhagwan Sahai Bairwa
(Civil Contractor)
9636571241

Sh. Ravi Ojha
(P.O.P. Contractor)
9828309302

Sh. Ganesh Jangid
(Building Supervisor)
9001639659

Sh. Nawal Kishore Bairwa
(Retired Bank Employee)
9828377924

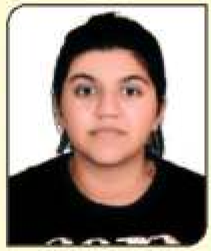
Miss. Raunak Hasnani
(Student)
8347352125

Sh. Arun Agarwal
(Business & Social Worker)
9414079666

Sh. Shankar Lal Bairwa
(Electrician)
9829167272

Sh. Bhoop Ram Sharma
(Hardev Shiksha Niketan)
9460062401

Sh. Rajesh Jain
(Business)
9414335637

Sh. Jagdish Prasad
(Govt. Service)
9969227108

Sh. Nitin Nirwan
(Graphic Designer, Ruchika Creation)
9799321626

Sh. Gaurav Sharma
(News Reader, Doordarshan)
9001077333

Sh. Om Prakash Verma
(Advocate)
9887039010

Sh. Dindayal Verma
(Contractor)
9414406090

Sh. Kamal Chand Mahawar
(Photographer / Electrician)
9887800205

Sadhvi Manisha
(Social Worker)
8442052781

Sh. Naresh Saini
(Business)
9982022333

Sh. Shrawn Lal Bairwa
(Civil Site Supervisor)
9784000822

Sh. Bhiwa Ram Kamalwal
(Govt. Service, JVVNL)
9460867612

Sh. Hanuman Kumhar
(Contractor)
9950363560

सम्मानीय सदस्य

Sh. Ramawtar Nagarwal
(Avtar Associates)
9928010564

Sh. Ram Lal Roshan
(Govt. Service, JVVNL)
9950442593

Sh. Ramdayal Bairwa
(Advocate & Social Worker)
9672490810

Sh. Shrikant Lakwal
(Senior Civil Draftsman)
9667229818

Sh. Ram Prasad Lodiya
(Director, Alive Arts Architects Pvt. Ltd)
9414051161, 9166666605

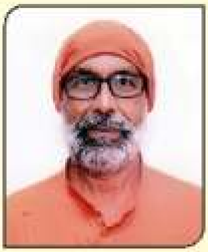

Swami Baba Bharat
(Social Worker)
8890359635

Sh. Madan Kawal
(Pharmacist)
9829927558

Smt. Sunita Devi Bairwa
(Social Worker)
9636562345

Sh. Banwari Bairwa
(Architect)
9509890242

Sh. Sunil Kumar
(Editor Diksha Darpan)
9887258977

Dr. Mahendra Kumar Anand
(Director, Lets Talk English Spoken)
9001298018

Sh. Nandlal Kesari
(Teacher)
9413071425

Sh. Narendra Gangwal
(Advocate)
9887294181

Sh. Mukesh Kumar Saini
(Mukesh Brothers Sanitary)
9928221039

Sh. Umesh Kumar Verma
(Assistant Professor)
9828964211

समाज हमें जो देता है उसका बदला चुकाना एक कला है जो दिल से आती है और नेक दिल लोग हमेशा ऐसा अलग ही तरीके से करते हैं।

विद्यार्थी सदस्य

Er. Lokesh Malya
(Civil Engniear)
8003747499

Hemraj Dhawan
(Student)
9782310691, 9950339923

Attam Prakash Bairwa
(Student)
9784193422, 8107096303

Suresh Kumar Bairwa
(Student)
8892912472

Prakash Bairwa
(Student)
8003205355

Trilok Chand Malya
(Student)
9571223681

Ashok Kumar Bairwa
(Student)
8560835380, 9509991215

Sandeep Vijayvargiya
(Interior Desinger)
7737355315

Rahul Varma
(Student)
8387908617

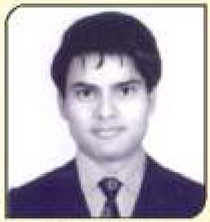
Mahipal Meena
(Student)
9636868139

Hanuman Yadav
(Student)
8233857076

Deepak Yadav
(Student)
9782261091

Sikender Yadav
(Student)
9782160216

Mayank Hada
(Student)
9887935757

Rajendra Kumar
(Student)
8875522400

Anurag Jain
(Student)
7737013827

Sunil Kumar
(Student)
9694663910

Devesh Vyas
(Student)
9461455009

Mohit Kumar Jain
(Student)
7737484713

Ar. Omprakash Bairwa
(Student)
9982003350

Suresh Soni
(Student)
8947821047

Khushi Ram Bairwa
(Student)
8963848100

Ravindra Kumar Pulkit
(Student)
7615909546

Ankit Maurya
(Student)
9782596972

Devendra Singh Kanawat
(Student)
9887952568

विद्यार्थी सदस्य

Ankur Singh Bhadouria
(Student)
7728907828

Prateek Mathur
(Student)
9784317136

Vikram Bairwa
(Student)
8504003408

Manish Kumar Bairwa
(Student)
8504003408

Rakesh Dhawan
(Student)
7073845784

Tara Chand Bairwa
(Student)
9772587919

Surendra Bairwa
(Student)
9785481538

Ganesh Chand Bairwa
(Student)
8559912260

Dharmraj Dhawan
(Student)
9887860268

Ravi Shankar Bairwa
(Student)
8058146869

Brajmohan Bairwa
(Student)
9982428151

Ashok Kumar Verma
(Student)
9549635314

Karia Ram Yadav
(Student)
9667409207

Manish Kumar Bairwa
(Student)
7733863785

Praveen Yadav
(Student)
8003800855

Rakesh Kuamr Bairwa
(Student)
9782690038

Pawan Priy Parawa
(Student)
9828333300

Mohan Singh
(Student)
7790878366

Vipendra Singh
(Student)
8947023427

देखकर दर्द किसी का, जो आह निकल जाती है।
बस इतनी सी बात, हमको इंसान बना जाती है।।

''समर्पण समाज गौरव सम्मान'' से सम्मानित प्रतिष्ठित समाज सेवी

डॉ. आर. सी. बंशीवाल
वरिष्ठ आचार्य (अस्थि)

डॉ. के. के. शाण्डिल्य
वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी नेफ्रोलॉजी

डॉ. बनवारी लाल बैरवा
न्यूरो सर्जन

डॉ. अविनाश वर्मा
चिकित्सक

डॉ. दिनेश बैरवा
वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी
नेफ्रोलॉजी विभाग

श्री नेतराम राजस्थानी
गीतकार, सन्त निरंकारी मिशन

श्री माणक चन्द सौदा
व्याख्याता

श्री सीताराम जी डांसर
नृत्य कलाकार

मास्टर यश राजस्थानी
बाल हास्य कलाकार एवं बाल अभिनेता

श्री जी.एस. मेनारिया
व्याख्याता (भौतिक विज्ञान)

श्री सूरज करण बढ़गोत्या
व्याख्याता, शारीरिक शिक्षा

श्री बाबूलाल नागा
संपादक 'विविधा' (पत्रकार)

श्री गौरव शर्मा
समाचार वाचक, डी.डी. न्यूज

श्री प्रभुलाल बैरवा
मानद सम्पादक, बैरवा युग

श्री सुनील कुमार
सम्पादक, दीक्षा दर्पण

श्री नरसी कुमार बैरवा
अध्यक्ष, बैरवा युग विचार मंच

श्रीमती सुमन देवठिया
स्टेट कॉर्डिनेटर (ऑल इण्डिया
दलित महिला अधिकार मंच)

श्री प्रहलाद नारायण बैरवा
समाजसेवी

श्री अरूण अग्रवाल
अध्यक्ष, अन्तर्राष्ट्रीय मारवाड़ी सम्मेलन

श्री पवन बहुजन
सामाजिक कार्यकर्ता

श्री अनिल मर्मिट
समाजसेवी

श्रीमती रितु अग्रवाल
समाज सेविका व भवन निर्माता
(शिवांग ग्रुप)

श्री ओम प्रकाश धवन
प्रदेश अध्यक्ष
लोर्ड बुद्धा सेवा समिति

श्री जेठानन्द नन्दवानी
सेवानिवृत्त, वरिष्ठ लेखाधिकारी

श्री प्रभुलाल ऐरवाल
जिला अध्यक्ष
अ.भा.अनु.जाति परिषद, झालावाड़

''समर्पण समाज गौरव सम्मान'' से सम्मानित प्रतिष्ठित समाज सेवी

सुश्री रोशनी बैरवा
समाजसेविका

श्री नन्दलाल केसरी
प्रदेशाध्यक्ष, मेघवाल युवा परिषद

श्री अमृतपाल सिंह
महासचिव SMILE

श्री सीताराम स्वरूप
परियोजना अधिकारी, आपला व
भामाशाह योजना

श्री नरेश चन्द सिंघल
समाजसेवी

श्री विकास सोमानी
एडवोकेट

श्री सत्येन्द्र चतुर्वेदी
एकट बौद्ध ग्राम संस्था

श्री गिर्राज सिंह
अध्यक्ष मेरी पहल संस्था

श्री दीपचन्द बैरवा
सेवानिवृत्त आई.ए.एस.

श्री नरेश बैरवा
अधिशासी अभियन्ता,
ज.स्वा.अभि. विभाग

श्री प्रशान्त बैरवा
प्रदेश सचिव, राजस्थान कांग्रेस कमेटी

सीए सैलेन्द्र अग्रवाल
दी इन्स्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड
अकाउंटेन्ट

श्री रघुनाथ बैरवा
अध्यक्ष (बैरवा यज्ञ धर्मशाला) अराई

श्री भजनलाल रोलन
अध्यक्ष
राज. अम्बेडकर वैलफेयर सोसायटी

नसीमा खातून
सामाजिक कार्यकर्ता

श्री धनीराम शाक्य समर्थ
साहित्यकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता

श्री बी.एल. बैरवा
राष्ट्रीय अध्यक्ष, आ.इ.अनु
जाति/जनजाति रेल्वे कर्मचारी संघ

श्री राजकुमार धवन
अम्बेडकर युवा छेदा बंधु संस्थान

श्री पवन कुमार गोयल
समाज सेवी

डॉ. हेमलता आकोदिया
व्याख्याता, स्वतन्त्र लेखिका

श्री किशोर रोया
संपादक, राजस्था गुलाब

श्री रामदयाल बैरवा एडवोकेट
विशिष्ट सलाहकार, समर्पण संस्था

श्री रविन्द्र कु. पुलकित
लेखक व कवि

श्री दामोदर प्रसाद गुप्ता
समाज सेवी

श्री मिलखराज नागपाल
समाजसेवी

''समर्पण समाज गौरव सम्मान'' से सम्मानित प्रतिष्ठित समाज सेवी

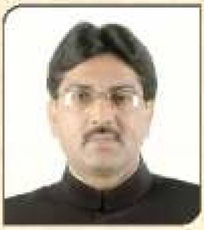
जनाब अब्दुल सलाम जौहर
सामाजिक कार्यकर्ता

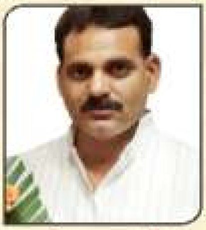
श्री सूरज सोनी
अध्यक्ष, जन समस्या निवारण मंच

श्री ललित यादव 'दार्शनिक'
अध्यक्ष, परिवर्तन संस्था

श्री भूपराम शर्मा
प्रचारक, सन्त निरंकारी मिशन

श्री आर.एल. बैरवा
एसोसिएट प्रोफेसर,
बैरवा विकास संस्था

श्री सुरेश कांस्या
सम्पादक विप्लव तरंग

श्री सुरेन्द्र जलथुरिया
समाज सेवी,
अम्बेडकर उत्थान परिषद

श्री भंवर मेघवंशी
सम्पादक, डायमण्ड इण्डिया पत्रिका

श्री विकास डाबरा
सम्पादक, दिशा संदेश

श्री एस.के. बैरवा
सामाजिक कार्यकर्ता

श्री एस.डी. माथुर
अध्यक्ष वार्ड नं. 47

जनाब अब्दुल सलीम
समाजसेवी

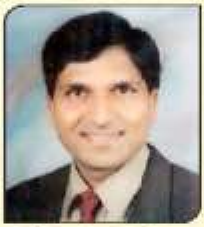
डॉ. एम.एल. परिहार
लेखक एवं सामाजिक कार्यकर्ता

स्व. श्री रामफूल 'दीपक'
कवि/कलाकार एवं समाजसेवी

श्री आनन्द बल्लभ पाण्डे
संगठन सचिव, उत्तराखण्ड महासभा

श्री पी.एल. मीमरोट
संरक्षक दलित अधिकार केन्द्र

स्व. श्री बाबूलाल चकवाड़ा
जातिवाद एवं छुआछूत के विरुद्ध संघर्ष

श्री महेन्द्र कुमार बैरवा
अम्बेडकर युवा बैरवा समाज
संगठन युवा, जयपुर

श्री राम बैरवा
सामाजिक कार्यकर्ता

दान देने के लिए अगर हमारे पास धन, अन्न, वस्त्र अथवा अन्य वस्तु नहीं है तो क्या हुआ...
पृथ्वी पर जन्म लेने वाले हर मनुष्य को मन, वचन, काया ये तीन साधन मिले हैं।
यदि हर मनुष्य ''मन से शुभकामनाऐं'', ''वाणी से मधुर शब्दों की अभिव्यक्ति''
एवं ''काया को परोपकार'' में लगा दें तो धरती पर स्वर्ग उतर सकता है।

सिविल कान्ट्रेक्टर

सीताराम महावर

श्रीराम बिल्डर्स

हमारे यहाँ भवन निर्माण कार्य कुशल कारीगरों द्वारा लेबर एवं मटैरियल सहित किया जाता है।

79, श्रीकल्याण विहार, जोतड़ावाला, शिकारपुरा रोड, सांगानेर, जयपुर
मोबाईल : 9950749977

DR. B.R. AMBEDKAR P.G. COLLEGE

(Affiliated To University of Rajasthan)

C-513, MAHESH NAGAR (60FT. ROAD), JAIPUR-15, PH.:0141-2502617, (M) 9829162224, 9414042428

(Permanent Affiliation from Directorate of College Education, Rajasthan)

ADMISSION OPEN Co-Educational College

B.A.

B.Sc. Bio/Maths, Bio-Tech / Micro-Bio

B.Com.

M.A.
- Drawing & Painting
- Geography
- English Literature
- Hindi Literature
- Sanskrit Literature
- Political Science
- History

M.Sc.
- Chemistry
- Botany
- Zoology
- Geography

Salient Feature
- Well qualified trained & experienced faculty Members.
- Interactive Lectures, Workshops & Educational tours.
- Teaching on value based lifestyle
- Personality development programme
- Special focus on spoken english & bussiness etiquettes
- Special Coaching for competitive exams
- Wi-fi campus facilitated by state of the art infrastructure
- Enriched library and hi tech labs
- Excellent placement
- Reasonable fee-structure
- Separate Hostel & Conveyance Facility available.
- Located at Center of Jaipur

SCHOLARSHIP AVAILABLE FOR MERITORIOUS, SC/ST/OBC/SBC STUDENTS

Free Coaching available For RAS/IAS/Bank PO/SSC/CA/CS & other competitive exam with Graduation & Post Graduation

E-mail : ambedkarpgcollege@gmail.com • Web.: www.ambedkarcollegejaipur.org

कविता

शफ़ी मोहम्मद कुरैशी
सेवानिवृत्त आई.ए.एस.

आक्रोश बहुत बढ़ा है, प्रिये
अब प्रतीक्षा है,
इसके धधकने की
आंगन के बाहर उछलने की।
कई सदियां हो गई,
दस्तकों पर दस्तकें देते,
तुम्हे, अब सुननी होंगी
भीतर की सारी कहानियाँ
देखने होंगे
हाशिये पर लिखे सारे सवाल
दोहरानी होंगी
हमारी सिसकियाँ
समझने होंगे
मूक सम्बोधनों सहित
सारे मूक प्रतिवेदन।
आक्रोश बहुत बढ़ा है,
बस प्रतीक्षा है
आंधियाँ बनकर
उमड़ने की
खिड़कियाँ खोलकर
निकलने की,
साथी के सर पर
हाथ रखकर, संभलने की
और
भीड़ से उठकर उभरने की...

LOSE/GAIN WEIGHT NOW

Ask Me How

IN A HEALTHY & SCIENTIFIC WAY

Ask For Consultation : Call 8104590111

(I have lost 35 kg in 11 months)

WORK FROM HOME

(Part Time/Full Time)

Business Opportunity for

House Wife • Employed • Retired People • Student • Businessmen

CONTACT : 9314140552

दिमाग और कमर की समस्त बीमारियों के इलाज की सुविधा

डॉ. बी.एल. बैरवा

MBBS, M.S., M.Ch न्यूरोसर्जरी (PGIMER DELHI)

कंसलटेंट न्यूरोसर्जन फोर्टिस हॉस्पिटल जयपुर

मो. 9268247276
7251086656

1. सिर दर्द, Migraine, बेहोशी आना, चक्कर आना
2. कमर दर्द, लंबर डिस्क प्रोलैप्स सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस, हाथ पैर में सूनापन
3. दिमाग की चोट, स्पाइनल ट्रामा, कमर का टेडापन
4. दिमाग के ट्यूमर, स्पाइनल कॉर्ड के ट्यूमर, मुह का टेडापन
5. मिर्गी आना, बेहोशी आना
6. दिमाग के खून की नस फट जाना, लकवा फालिश पड जाना
7. बच्चो के सिर का बड़ा होना, सिर में पानी भर जाना, पीठ में फोड़ा होना
8. पैरो में कमजोरी होना, चलने में परेशानी होना
9. दिमाग में खून की नली का गुबार फटना, खून की नलियो का गुच्छा होना
10. दिमाग की टी.बी., कमर की टी. बी. का ईलाज

संस्था की गतिविधियाँ 2009

समर्पण संस्था की शुरुआत में प्रथम मीटिंग (कार्यकारिणी निर्वाचन) पर उपस्थित सदस्यगण 6 सितम्बर, 2009

आध्यात्मिक कवि सम्मेलन 4 अक्टूबर, 2009

'समर्पण संस्था' व संत निरंकारी मंडल के संयुक्त तत्वावधान में 'आध्यात्मिक कवि सम्मेलन' का आयोजन हसनपुरा, जयपुर में संस्था के पंजीकरण से पूर्व किया गया ।

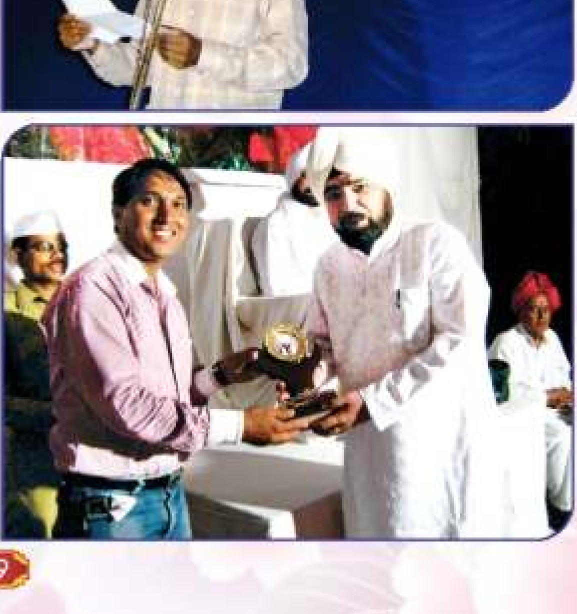

संस्था की वेबसाइट का विमोचन
31 अक्टूबर, 2009

समर्पण संस्था की वेबसाइट www.samarpansanstha.org का विमोचन करते हुए तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत। इस मौके पर श्री गहलोत ने संस्था द्वारा किये जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी प्राप्त की तथा उन कार्यक्रमों की काफी सराहना की।

बच्चा खोज समिति का गठन
22 नवम्बर, 2009

संस्था के सदस्यों द्वारा संस्था के प्रधान कार्यालय पर आयोजित संगोष्ठी में प्रदेश को हरा-भरा करने का आव्हान तथा जरूरतमंद बच्चे खोजने के लिए दस सदस्यों की एक बच्चा खोज समिति का गठन किया गया। इस अवसर पर संस्था के संरक्षक श्री सतीश खुराना ने कहा कि समाज के प्रति तन-मन-धन समर्पित करें।

संस्था कार्यालय पर कार्यकारिणी की प्रबंधकीय मीटिंग
03 जनवरी, 2010

समर्पण संस्था द्वारा संस्था कार्यालय पर संस्था की प्रबंध कार्यकारिणी की मीटिंग का आयोजन किया गया जिसमें संस्था की संचालित व आगामी गतिविधियों का संस्था पदाधिकारियों द्वारा विस्तृत अवलोकन किया गया तथा आगामी रूपरेखा तैयार की गयी ।

शिक्षा सहायता कार्यक्रम
17 जनवरी, 2010

शिक्षा के लिए 18 बच्चों को गोद लिया गया तथा शिक्षा सामग्री वितरित की गई । मुख्य अतिथि शिक्षाविद श्री दीपक महान ने कहा कि शिक्षा को रोजगार के साथ न जोड़ें बल्कि इसका उद्देश्य सेवा, सहयोग, समर्पण होना चाहिए ।

जयपुर मैराथन में भागीदारी
24 जनवरी, 2010

संस्कृति युवा संस्था की ओर से आयोजित जयपुर मैराथन में समर्पण संस्था के सदस्यों ने जयपुर के विकास व मानवता के लिए दौड़ लगाई ।

संस्था सदस्यों की मीटिंग
14 फरवरी, 2010

निःशुल्क अंग्रेजी अध्ययन केन्द्र के उद्घाटन से पूर्व तैयारियों के लिए संस्था सदस्यों की एक बैठक आयोजित की गई।

निःशुल्क अंग्रेजी अध्ययन केंद्र की उद्घाटन
21 फरवरी, 2010

सरकारी विद्यालयों में अध्यनरत निर्धन बच्चों को वैश्विक भाषा अंग्रेजी में निपुण करने के लिए 'निःशुल्क अंग्रेजी अध्ययन केन्द्र' की शुरुआत, समर्पण शिक्षा केंद्र प्लॉट नं. 368, दयानंद नगर, फेज-प्रथम, झालाना डूँगरी, जयपुर में की गई। निःशुल्क अंग्रेजी अध्ययन केंद्र के उदघाटन पर संस्था के मुख्य संरक्षक श्री सतीश खुराना ने कहा कि समाज के पिछड़ेपन को दूर करने के लिए शिक्षा बहुत जरूरी है ।

निःशुल्क महिला शिक्षा कार्यक्रम
1 अप्रैल, 2010

संस्था द्वारा 'समर्पण शिक्षा केंद्र' झालाना डूँगरी में निरक्षर महिलाओं को साक्षर करने के लिए महिला शिक्षा कार्यक्रम का उद्घाटन स्थानीय पार्षद श्री देवेंद्र सिंह शंटी ने किया ।

पक्षियों के लिए परिण्डे कार्यक्रम
25 अप्रेल, 2010

समर्पण संस्था के सदस्यों ने झालाना डूँगरी स्थित पार्क में गर्मी से बेहाल पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करने के उद्देश्य से परिंडे लगाये ।

समर्पण जल सेवा (प्याऊ) का उद्घाटन
3 मई, 2010

समर्पण संस्था की ओर से नाले वाली पुलिया (सेक्टर-19), कुम्भा मार्ग, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर में जल सेवा (प्याऊ) का उद्घाटन किया गया ।

श्रद्धांजलि में भागीदारी
13 मई, 2010

समर्पण संस्था के सदस्यों द्वारा जौहरी बाजार, जयपुर में स्थित हनुमान मंदिर पर बम विस्फोट में ब्रह्मलीन दिव्य आत्माओं की शांति के लिए अश्रुपूरित श्रद्धांजलि दी गई ।

पर्यावरण दौड़ में भागीदारी
5 जून, 2010

समर्पण संस्था के सदस्यों ने विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण सुरक्षा के लिए जयपुर के प्रसिद्ध अल्बर्ट हॉल से पर्यावरण प्रेमी साथियों के साथ दौड़ लगाई ।

योग शिविर का आयोजन
1 जुलाई, 2010

समर्पण संस्था द्वारा प्रताप नगर स्थित टैगोर भारती सीनियर सैकंडरी स्कूल प्रांगण में एक योग शिविर का आयोजन किया गया जिसमें योगा टीचर द्वारा योग के गुर सिखाए गये। शिविर का उद्घाटन उद्योगपति श्री दिनेश परनामी ने किया ।

संस्था द्वारा निःशुल्क अंग्रेजी अध्ययन केंद्र की गतिविधियों का अवलोकन
06 जुलाई, 2010

समर्पण संस्था द्वारा संचालित निःशुल्क अंग्रेजी अध्ययन केंद्र की गतिविधियों का अवलोकन किया गया तथा आवश्यक सुधार किये गये ताकि सभी को इसका पूरा पूरा लाभ मिल सके ।

वृक्षारोपण कार्यक्रम
8 अगस्त, 2010

समर्पण संस्था सदस्यों द्वारा सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र के एक्सपोर्ट प्रमोशन इंडस्ट्रियल पार्क में वृक्षारोपण किया गया तथा साथ ही सदस्यों ने उनकी देखभाल करने का संकल्प भी लिया ।

स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम
15 अगस्त, 2010

समर्पण संस्था कार्यालय पर स्वतन्त्रता दिवस पर झण्डारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया । इस अवसर पर संस्था द्वारा अध्यनरत बच्चों को प्रमाण पत्र भी वितरित किये गये। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बैंक ऑफ महाराष्ट्र के प्रबंधक श्री बी.एल. बुनकर एवं विशिष्ट अतिथि बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधक श्री बी.आर. मीणा थे ।

रक्त दान शिविर का आयोजन
29 अगस्त, 2010

समर्पण संस्था सदस्यों ने संस्था द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में उत्साह के साथ मानवता के लिए रक्तदान किया। शिविर का आयोजन संतोकबा दुर्लभजी ब्लड बैंक के सहयोग से किया गया। शिविर का उद्घाटन स्थानीय पार्षद श्रीमती उर्मिला नावरिया ने किया। इस अवसर पर कुल 47 युनिट रक्तदान हुआ।

दीपावली स्नेह मिलन समारोह
11 नवम्बर, 2010

समर्पण संस्था द्वारा संस्था सदस्यों के साथ दीपावली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया जिसके अन्तर्गत समाज में सामाजिक कार्यों को प्रोत्साहन देने वाले समाज सेवकों एवं कई समाज सेवियों जिन्होंने निःस्वार्थ भाव से जन जन की सेवा की है और कर रहें है को संस्था द्वारा सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया । इस अवसर पर सभी के सहयोग से सामूहिक भोज का भी आयोजन किया गया ।

आपका कर्म ही आपका आईना

मदनलाल परेवा
(संरक्षक सदस्य, समर्पण संस्था)

धन रहे ना, यौवन रहे, रहे ना गांव ना ठाव
कबीर जग में यश रहे करदे किसी का काम

मानवता एवम् परोपकार के लिए समर्पित ''समर्पण संस्था'' के जनक या नींव की ईट बनें श्री दौलतराम जी माल्या, श्री रामप्रसाद जी लोदिया, श्रीकांत लकवाल, श्री रामावतार नागरवाल एवं मुख्य संरक्षक एवं संरक्षक सदस्यगण। आप सब का संयुक्त संगठन और अथक प्रयास से आपने इस संस्था को सच्ची मानवता का परिचय देते हुए उच्च शिखर पर पहुँचाने के निरन्तर प्रयास के लिए मे आप सबको धन्यवाद देता हूँ। आप सबमें कर्मठ, कार्यशील, होनहार व्यक्तित्व के गुणी विद्वानों, संतो एवं महापुरुषों द्वारा ज्ञान के बीज बोये हुए है अर्थात जब भी समर्पण संस्था के द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है तो वो बीज–पेड़ बनकर हम सब लोगों के सामने नजर आने लगता है और उस पेड़ से हमें छाया, फूल, फल मिलना शुरू हो जाते हैं।

साधु बिरछ सद्ज्ञान फल शीतल शब्द विचार।
जग में न होते साधु तो जरि मरता संसार।।

संत महात्मा एवं महापुरुष तो हमारे मानवता रूपी मोबाइल के टॉवर हैं जहाँ से सत्संग रूपी नेट चलाकर ज्ञान रूपी भूख को पूरा किया जा सकता है और मानव कल्याण सेवा की तरफ और उत्साह वर्धक कदम बढ़ते रहते हैं। उक्त कार्य हेतु संस्था में अन्दर और बाहर निरन्तर प्रयास रहता है।

वह धन्य दिन जब समर्पण संस्था में, सहयोग का अवतार प्रत्येक सदस्यगण एक दूसरे की मदद को तैयार हो।
कुछ मदद ले कुछ मदद दें, ये एकता की बात हो। मिलकर चले मिलकर बढ़ें, दिन रात ऐसा साथ हो।

उच्च गुणों एवम् कार्यशील व्यक्तित्व वाले लोग अपने स्वयं के दैनिक जीवन के कार्य में से कुछ समय परोपकार एवं मानव कल्याण के कार्य हेतु निकालते रहते हैं। जिससे परोपकार, मानव सेवा, जीव दया, शिक्षा, चिकित्सा और मानव उपयोगी सामाजिक कार्य किया जा सके। परोपकार की भावना से ही मनुष्य को यश की प्राप्ति होती है।

परम सच्चाई इसमें है की एक दिन जाना होगा जरूर लेकिन यह भी सत्य है कि सब कुछ छोड़कर जाना पड़ेगा। इकक्ठे कर जहाँ के जर, सभी मुल्कों के माली थे सिकन्दर गया जब दुनिया से, दोनो हाथ खाली थे छोड़कर संसार जब हम जायेगें, कोई ना साथी हमारा साथ निभायेंगें

महल धरे के धरे रहेंगें, धन दौलत सब पड़ी रहेगी।
साथ चलेगा कोई ना तेरे, दूर–दूर सब खड़े रहेंगें।

करले सोच विचार पंछी उड़ जाना ।

करोड़ों की दौलत साथ नहीं जायेगी, जवानी बुढ़ापे में बदल जायेगी, पैदा कहा होता है, कारोबार, नौकरी धन्धा कहा करता है। मृत्यु कहा पर हो जाती है। लेकिन सच्ची यादगार तो परोपकार एवम् मानव सेवा है और इसी का नाम यश प्राप्ति है। यश प्राप्ति तो दौलत से बढ़के होती है हय यश प्राप्ति तो सौभाग्यशाली व्यक्तित्व वाले मनुष्य को प्राप्त होती है। जिनके पीछे के अच्छे संस्कार होते हैं।

कुछ काम करके जाना, दुनिया से जाने वाले।
जाते है लोग लाखों, बेकार खाने–वाले।

हमें इस संसार में आकर बांझ स्त्री की तरह झुठी कल्पना में समय खराब नहीं करना है बल्कि समय का सकारात्मक सदुपयोग करना है ।

खलक मिला खाली रहा बहुत किया बकवास।
बांझ हिलाने पालना, तासे कहीं स्वाद।।

स्वर्ण कितना भी मूल्यवान क्यों ना हो किन्तु सुगन्ध पुष्प से ही आती है।
श्रृंगार के लिए दोनों का ही जीवन में महत्त्व है।।
इसी तरह ज्ञान कितना भी मूल्यवान क्यों ना हो, किन्तु उसकी सुगन्ध बिना आचरण के नहीं आ सकती।
संग्रह किए हुए ढेर सारे ज्ञान की अपेक्षा आचरण में उतरा हुआ रत्ती भर ज्ञान भी श्रेष्ठ है।।

इतना बड़ा संसार मिल जाने पर भी झूठी कल्पना करने में समय खराब करने पर कुछ भी हासिल नहीं होने है। बांझ स्त्री को इस बात का पता नहीं था की वह सन्तान उत्पत्ति के योग्य नहीं है। धनधान से परिपूर्ण होने के कारण सोने के पालने में प्लास्टिक का गुड्डे खिलौना रखकर उसको प्यार दुलार करती है, पालने में झुले देती है और कल्पना करती है की मेरा बच्चा होगा तब उसका इसी तरह लाड प्यार दुलार से खिलाऊगी। मनुष्य का अपनी करनी में कमजोर होना ही उसकी बांझपन की निशानी है।

कथनी थोथी जगत में, करनी उत्तम सार।
कहे कबीर करनी सबल, उतरे सब जल पार।।
श्रम से सब कुछ होता है ज्यो मन राखे धीर।
श्रम तो खोदे कूप, थल में प्रकटे नीर।

हर मनुष्य को अपने जीवन में कुछ न कुछ करने का अवसर जरूर मिलता है यदि समय का सही सदुपयोग कर लिया जाता है तो वह समय उसके जीवन में अमिट की छाप बनकर उभरता है और वही यादगार जीवन के क्षण होते हैं।

आया था वक्त झूमता आकर गुजर गया,
मैं देखता रहा न जाने वो किधर गया।
आया है इस जहान में तो काम नेक कर,
वरना समझ फिजूल में तेरा सफर गया।।

आज विज्ञान ने घर क्षेत्र में चमत्कारी रिर्पोट पेश की है चाहे चिकित्सा क्षेत्र हो, चाहे उद्योग धन्धे, कल कारखाने, मशीनरी आदि। जैसे एक्स–रे, ई.सी.जी, सीटी स्केन, सोनोग्राफी आदि होने के बाद तुरन्त बिमारी का पता लगने पर कारगर या प्रभावी ईलाज सम्भव है। बल्कि प्राचीन समय में वेद्य नाड़ी देखकर ईलाज किया करते थे वो अन्धकारपूर्ण था कारगर ईलाज नहीं कहा जा सकता था बीमारी कौनसी है दवा कौनसी दे रहे असर नहीं होता था।

हमारे संत पुरूष तो एक्स–रे, ई.सी.जी, सोनोग्राफी या सिटी स्केन रूपी मशीन के समान है जो हमें सत्य रिर्पोट पेश कर जीवन नैया को पार करने के सही रास्ते दिखाते हैं। इनके ज्ञान के अभाव में तो हम अन्धकार में भटकते रहें। अर्थात् वस्तु अन्ते ढूटे अन्ते, कैसे आवे हाथ वस्तु तो तबही मिले जब खोजी लेने साथ।

हमारे विद्वान, महापुरूष, संत लोग तो और परोपकारी व्यक्तित्व वाले लोग तो हमें समय–समय पर जगाने का कार्य करते हैं। समय–समय पर संकेत करते रहते हैं।

सो रहा है ये जमाना और हम खामोश है,
आदमी पर है निशाना और हम खामोश हैं।
आदमी सदियों से पागल जिसको पाने के लिए,
लुट रहा है वो खजाना और हम खामोश हैं।।

समय अनमोल इसका खजाना बड़ा ही कीमती है मनुष्यता के गुणों से परिपूर्ण होकर समय का सदुपयोग करते हुए जीवन में कठोर परिश्रम एवम् संघर्ष ही सफलता का दुसरा नाम है। भगवान एवम् संत गुरुओं के आशीर्वाद को साथ में रखकर अपने कर्म पथ पर निरन्तर गतिशील रहो कुछ नया उभरकर सामने आयेगा।

खुद के दुःख में रोने वाले, मुस्कुराना सीख ले,
दूसरों के दर्द में आंसू बहाना सीख ले।
जो खिलाने में मजा है आप खाने में नहीं,
जिन्दगी में तू किसी के काम आना सिख ले।।

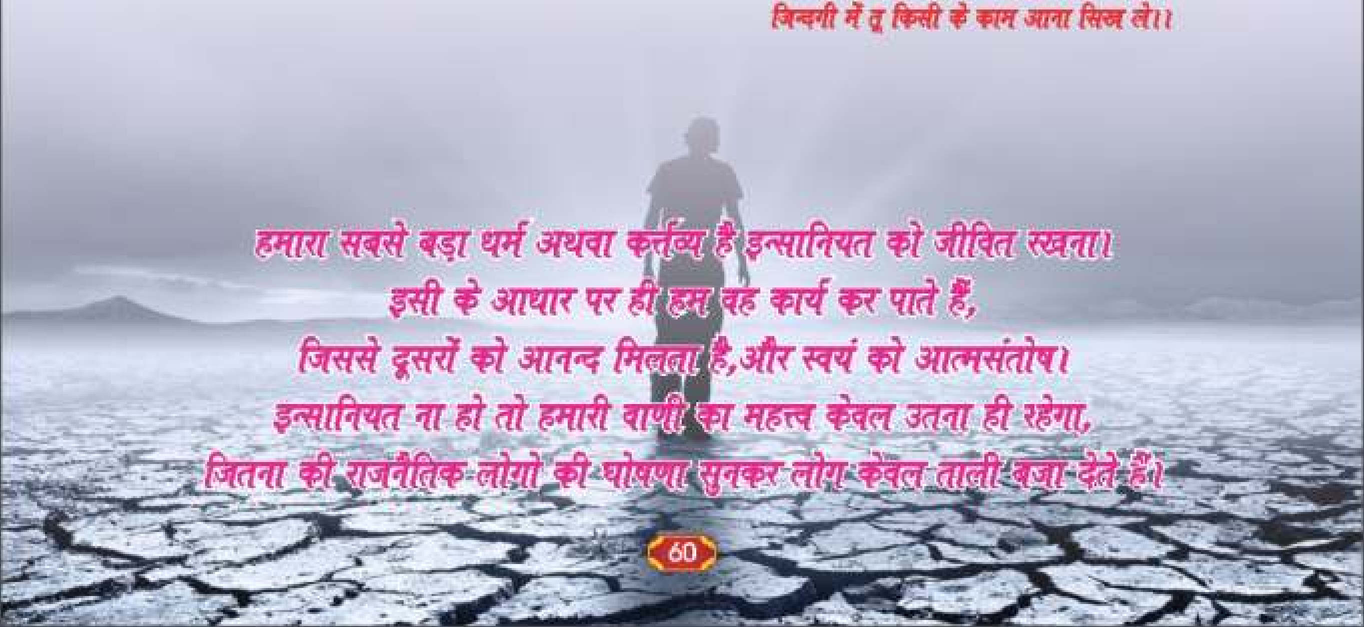

संस्था की गतिविधियाँ 2011

जयपुर मैराथन में भागीदारी
23 जनवरी, 2011

समर्पण संस्था के सदस्यों ने जयपुर मैराथन में सेवा, सहयोग एवं समर्पण की भावना से भाग लिया ।

पक्षियों के लिए परिंडे कार्यक्रम
1 मई, 2011

समर्पण संस्था के सदस्यों ने गर्मी से बेहाल पक्षियों के लिए संस्था के प्रधान कार्यालय के सामने प्रताप नगर, सेक्टर-192 के पार्क नं. 2 में परिंडे बांधे। इस अवसर पर संस्था के सभी सदस्य मौजूद थे। सदस्यों ने परिंडे बांधकर उनमें पानी व दाना डालने का भी संकल्प लिया ।

हॉबी क्लासेज की शुरुआत
30 जून, 2011

समर्पण संस्था द्वारा गरीब बच्चों हेतु निःशुल्क हॉबी क्लासेज की शुरुआत की गई जिसमें गरीब बच्चों को अंग्रेजी शिक्षा का ज्ञान दिया गया ।

वृक्षारोपण कार्यक्रम
17 जुलाई, 2011

समर्पण संस्था के सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण के तहत संस्था के प्रधान कार्यालय के सामने प्रताप नगर सेक्टर-192 के पार्क नं.2 में वृक्षारोपण किया ।

स्वतन्त्रता दिवस समारोह
15 अगस्त, 2011

समर्पण संस्था के प्रधान कार्यालय पर संस्था सदस्यों द्वारा स्वतन्त्रता दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर संरक्षक सदस्य श्री सतीश खुराना के द्वारा झण्डारोहण किया गया ।

भ्रष्टाचार के विरोध में रैली
21 अगस्त, 2011

देश में व्याप्त भ्रष्टाचार के विरोध में श्री अन्ना हजारे द्वारा दिल्ली में चल रहे अनशन के समर्थन में समर्पण संस्था के सदस्यों द्वारा मोमबत्ती जलाकर जवाहर सर्किल से गौरव टॉवर तक रैली निकाली गई।

रक्त दान शिविर का आयोजन
6 अक्टूबर, 2011

समर्पण संस्था की पहल पर सेवा, सहयोग एवं समर्पण की भावना से जन सहयोग के लिए रक्तदान शिविर समर्पण संस्था द्वारा कॉक्स एण्ड किंग्स होटल, जयपुर के सहयोग से आयोजित किया गया। इस रक्त दान शिविर में 18 यूनिट रक्त संतोकबा दुर्लभ जी ब्लड बैंक, जयपुर की टीम ने जरूरतमंदों के लिए एकत्र किया ।

"पीड़ित मानवता की करुणाशील सेवा"

ज्येष्ठ का महीना था। दोपहर की कड़कड़ाती हुई धूप अपनी चरम सीमा पर थी। इन्हीं दिनों ईश्वरचंद्र विद्यासागर को बंगाल के कालना गाँव में आवश्यक काम से जाना पड़ा। अभी कुछ ही दूर गये होंगे, एक गरीब आदमी कराहता, हाँफता हुआ रास्ते पर पड़ा दिखाई दिया। उन्होंने देखा कि उसकी गठरी एक तरफ पड़ी हुई है। दूसरी तरफ फटे–पुराने कपड़ों से अपना तन किसी तरह ढके हुए तड़फड़ा रहा है।' दीन–हीन नेत्रों से किसी की सहायता के लिए देख रहा है, पर किसका ध्यान उसकी तरफ जाता है ? सभी लोग आते और उसे ऐसी अवस्था में देखकर आँखें फेरते हुए चले जाते। मानो उसे देखा ही नहीं। बेचारा हैजे से बुरी तरह पीड़ित हो चुका था, कपड़े मल–मूत्र में सन चुके थे।

ईश्वरचंद्र विद्यासागर का दयालु हृदय उसे इस स्थिति में देखते ही करुणा से उमड़ पड़ा। काम तो बड़ा जरूरी था और शीघ्र आवश्यक था। पर उससे भी आवश्यक काम यह दिखाई लगा। अपने कंधे में लटकता हुआ बैग उतारकर एक तरफ रख दिया। रोगी के पास जाकर उसकी स्थिति को अच्छी तरह समझा। उस बेचारे की तो दम निकल रही थी। उसके सिर और पीठ पर हाथ फेरा और कुछ पूछा। पर वह कहाँ बोलता ? इशारे से पानी माँगा। आशय समझ गये। चलते समय उन्होंने बैग में शीशियाँ रख ली थीं। तुरंत ही पानी लाए और एक खुराक दवा दी। कपड़े वगैरा कुछ साफ किए। हाथ–पैरों और शरीर में लगी हुई गंदगी साफ की और तुरंत ही अपनी पीठ पर लादकर गाँव को चल दिए।

एक दूसरे अधिकारी गिरीशचंद्र जी भी चुप न रह सके। कुछ तो उन्हें भी करना चाहिए था। सो लोक–लाज वश उन्होंने भी पास ही पड़ी हुई बीमार की गठरी सिर पर रखकर पीछे–पीछे चल दिए। गाँव अभी काफी दूर था। बीच बीच में श्री गिरीश जी रोगी को ले चलने में सहायता करने की बात पूछते, परंतु विद्यासागर ने यही कहा – आपका इतना सहयोग भी हमें बहुत साहस दे रहा है। चिंता न करें, हमें कोई कष्ट नहीं है। गाँव तक सुगमता से लिये चलेंगे।

कालना पहुँचते ही रोगी को तुरंत उन्होंने हॉस्पिटल में भर्ती कराया। कालना बड़ा गाँव है और अच्छा हॉस्पिटल है, डॉक्टर से तुरन्त मिले और रोगी की स्थिति का पुरा–पुरा विवरण दिया। वहाँ कुछ समय तक रुककर रोगी की सेवा सुश्रूषा में स्वयं भी हाथ बटाते रहे। जब रोगी पूरी तरह अच्छा हो गया तो उसे कुछ रुपये देकर विदा किया।

भवन निर्माण एक कला

दौलत राम माल्या
(निदेशक, एवन आर्किटेक्ट्स प्रा. लि.)

भवन निर्माण कला को अग्रेंजी भाषा में आर्किटेक्चर कहते है। दुनियाभर की प्रमाणित कलाओं में इसका मुख्य स्थान है। मकान मनुष्य की मूलभूत आवश्यकताओं में एक है जिससे मानव प्राकृतिक आपदाओं वर्षा, गर्मी, सर्दी, आंधी, तूफान आदि से सुरक्षित रहता है। अक्सर यह देखा जाता है कि कुछ लोग लाखों रुपये खर्च करके भी अपनी इच्छानुसार सुविधाजनक भवन नहीं बना पाते हैं। जिसका मुख्य कारण निर्माण की बारीकिंया व तकनीकी जानकारी न होना होता है। दूसरी तरफ कुछ लोग थोड़े पैसे खर्च करके भी उत्तम आकर्षक व सुन्दर भवन बना लेते हैं।

वास्तविकता में भवन निर्माण एक कला है कला में आकर्षण, सौन्दर्य, सुविधा व मजबूती का होना आवश्यक है। अतः भवन निर्माण करने से पूर्व यह आवश्यक है कि किसी भवन निर्माण कला विशेषज्ञ से परामर्श लिया जाये और उसके दिशा निर्देश के अनुसार ही भवन निर्माण का कार्य किया जाये। एक भवन निर्माण कला विशेषज्ञ अपनी सूझ–बूझ व कार्यशैली से भवन को सुन्दर व उपयोगी बनाने में योगदान ही नहीं देता अपितु कम व्यय में और कम सामग्री से एक सुन्दर व मजबूत भवन बनाने में सहयोगी होता है।

हर व्यक्ति की इच्छा होती है कि उसका भवन सुन्दर व मजबूत बनें। जब प्लॉट खरीदते है उस समय कितने कमरे बनेगें या किस साइज के बनेगें यह पता नहीं होता है। प्लॉट के चयन के बाद उसका आकलन एक वास्तुकर (आर्किटेक्ट) ही कर सकता है। सबसे पहले एक अच्छे आर्किटेक्ट से प्लॉट का प्लॉन बनवाना जरूरी होता है। उसके लिए आर्किटेक्ट को केवल आप अपनी आवश्यकता बतायेंगे। उस आवश्यकता को ध्यान में रखकर ही आर्किटेक्ट वास्तुशास्त्रानुसार भवन का नक्शा तैयर करता है। जो तकनीक रूप से भी पूर्ण होता है।

निर्माण सामग्री जाँच की जानकारी भी बहुत जरूरी है। सीमेंट ईमारत की मजबूती का मुख्य आधार है क्योंकि यह अलग–अलग सामग्री को आपस में जोड़ता है। सीमेंट जितना ताजा होगा उतनी ही इमारत की मजबूती बढ़ेगी। सीमेंट को जाँचने के लिए बोरी में हाथ डालने से सीमेंट गर्म तथा मुलायम महसूस होना चाहिए। एक बोरी सीमेंट में 50 किलोग्राम सीमेंट होता है। खरीदते समय इसकी जाँच भी जरूरी है।

रेत (बजरी) निर्माण के लिए साफ व मिट्टी रहित होनी चाहिए। इस बात का ध्यान रखें कि रेत लकड़ी, घास, पत्ते व अन्य नुकसान करने वाले लवणों से मुक्त होनी चाहिए। इसे जाँचने के लिए कुछ रेत को पानी के गिलास में मिलायें। पानी रेत के ऊपर तक भरा होना चाहिए। एक घण्टे बाद रेत नीचे बैठ जायेगी और मिट्टी की तह ऊपर आ जायेगी 6% से अधिक मिट्टी वाली रेत को नहीं खरीदना चाहिए। रेत में मिट्टी है या नहीं जानने के लिए रेत को मुठ्ठी में एक बार बन्द करके खोलें अगर रेत में मिट्टी होगी तो वह हथेली की लकीरों में जम जायेगी।

ईंट की जाँच के लिए दो ईंटो को आपस में टकराने से धातु जैसी टन टनाहट की आवाज आनी चाहिए। ऊंचाई से ईंट को पक्के स्थान पर गिराने पर टूटनी नहीं चाहिए। कम पकी हुई ईंट चिनाई के लिए ठीक नहीं होती है। सबसे बढ़िया ईंटो को 1 नम्बर ईंट, थोड़ी घटिया को 2 नम्बर ईंट व बहुत घटिया को 3 नम्बर ईंट कहते हैं। ईंट की सतह पर नाखून से खरोचने पर कोई निशान नहीं पड़ना चाहिए। बढ़िया ईंटों को 24 घण्टे तक पानी में डुबाए रखने पर ईंट के वजन के 20 प्रतिशत से ज्यादा पानी नहीं सोखना चाहिए। साधारणतयाः एक नम्बर ईंट की स्ट्रेन्थ 70 किलोग्राम / से.मी.^{2} से ज्यादा होती है।

नक्शे के बाद भवन निर्माण लागत की बात आती है। जो नक्शा तैयार हुआ है उसमें कितने रुपये लगेंगे। आजकल वर्ष 2017 के प्रचलित भाव के अनुसार धरातल पर मंजिल निर्माण की लागत (प्लिथं एरिया के हिसाब से) करीब 1300/– प्रति वर्ग फुट आता है। सैनट्री कार्य के लिए कुल लागत का 12% खर्च होता है तथा विद्युत कार्य के लिए 7% खर्च होता है। कुल मिलाकर एक हजार वर्गफीट कार्य करने के लिए 1000X1300 = 1300000 रुपये लागत आती है। यह लागत एक सामान्य मध्यमवर्गीय मकान के हिसाब से मानी जाती है।

मिट्टी, रेत व अन्य किसी चीज की मिलावट नहीं होनी चाहिए।

भवन निर्माण में सरिये के बारे में जानकारी रखना भी जरूरी है। निर्माण में इस्तेमाल किये जाने वाले सरिये के कार्य का तकनीकी नाम स्टील रिइंसफार्मेट है जो सीमेंट

क्र.सं.	विवरण	अनुमानित प्रतिशत	लागत
1.	हर तरह की मजदूरी की लागत	20%	2,60,000/-
2.	रोड़ी की लागत (20 mm - 240 mm)	2%	26,000/-
3.	नींव में पत्थर की लागत	3%	39,000/-
4.	सीमेंट की लागत	9%	1,17,000/-
5.	छत में कॉलम व सरिये की लागत	10%	1,30,000/-
6.	मिट्टी व रेत की लागत	5%	65,000/-
7.	ईटों की लागत	9%	1,17,000/-
8.	मार्बल/टाइल्स की लागत	4%	52,000/-
9.	लकड़ी की लागत	12%	1,56,000/-
10.	पेन्टिंग की लागत	4%	52,000/-
11.	बिजली फिटिंग की लागत	7%	91,000/-
12.	सैनेट्री फिटिंग की लागत	12%	1,56,000/-
13.	अन्य (पी.ओ.पी./मेन गेट/हार्डवेयर)	3%	39,000/-
	कुल	100%	13,00,000/-

भवन निर्माण में पानी का भी महत्त्वपूर्ण स्थान होता है। साफ पीने योग्य पानी से ही निर्माण किया जाना चाहिए। पानी तेजाबी व खारे गुण वाला नहीं होना चाहिए।

रोड़ी (गिट्टी) की भी निर्माण में मुख्य भूमिका रहती है। छत व कालम की मजबूती के लिए अच्छी गिट्टी का होना आवश्यक है। गिट्टी साफ तथा उसमें

कंक्रीट के साथ मिलकर छत व पूरे ढ़ाँचे को मजबूती देता है। बाजार में कई तरह के सरिये मिलते हैं जैसे माइल्ट स्टील (सादा गोल) टोर व टी.एम.टी. स्टील। सादा गोल सरिया एकदम गोल चिकना तथा चौड़ा व सस्ता होता है। जबकि टोर सरिया तिरछे चूड़ीदार उभार वाला व सादे सारिये से थोड़ा मंहगा होता है। छत की मजबूरी टोर/टी.एम.टी. सरिये इस्तेमाल से बढ़ जाती है। सरिये खरीदते समय यह ध्यान देना आवश्यक है कि सरिया भारतीय मानक संस्थान (ISI) द्वारा प्रमाणित कम्पनी का हो तथा उस पर किसी किस्म की जंग न लगी हो।

उपरोक्त के अलावा और अन्य सामान भवन निर्माण में चाहिए होते हैं जिनकी पूरी जानकारी अपने आर्किटेक्ट से लेकर ही खरीदें।

एक साधारण 100 वर्गगज के मकान में अनुमानित सामग्री इस प्रकार से होती है।

Bricks (ईंट)	=	24000
Stone (पत्थर)	=	1400 घनफुट
Cement(सीमेन्ट)	=	400 थैले
Sand (रेत)	=	2000 घनफुट
Greet (रोड़ी)	=	1000 घनफुट
Steel (सरिया)	=	3000 किलोग्राम

इसी प्रकार 200 वर्गगज भूखण्ड के निर्माण के लिए अनुमानित सामग्री निम्न प्रकार से होगी।

Bricks (ईंट)	=	45000
Stone (पत्थर)	=	2100 घनफुट
Cement (सीमेंट)	=	700 थैले
Sand (रेत)	=	3000 घनफुट
Greet (रोड़ी)	=	1600 घनफुट
Steel (सरिया)	=	4500 किलोग्राम

प्लॉट खरीदते समय कुछ ध्यान देने वाली बाते निम्न हैं :–

1. अपने कार्य क्षेत्र से दूरी
2. रिश्तेदारों के घरों से दूरी
3. जगह की कीमत
4. प्लॉट की स्थिति
5. पीने योग्य पानी हो
6. सीवरेज, बिजली की व्यवस्था हो।
7. प्लॉट किसी पार्क या हरियाली क्षेत्र से नजदीक हो
8. प्लॉट के नजदीक श्मशान भूमि न हो।

गणतंत्र दिवस समारोह
26 जनवरी, 2012

समर्पण संस्था द्वारा संस्था कार्यालय पर गणतंत्र दिवस मनाया गया। इस अवसर पर समाज में सेवा, सहयोग एवं समर्पण की भावना से जन सहयोग के लिए कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं को संस्था द्वारा सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया ।

वृक्षारोपण कार्यक्रम
08 अगस्त, 2012

समर्पण संस्था की पहल पर सेवा, सहयोग एवं समर्पण की भावना के साथ संस्था सदस्यों द्वारा जन सहयोग से पर्यावरण संरक्षण हेतु वृक्षारोपण किया गया।

स्वतन्त्रता दिवस समारोह
15 अगस्त, 2012

समर्पण संस्था द्वारा स्वतन्त्रता दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज में सेवा, सहयोग एवं समर्पण की भावना से जन सहयोग के लिए कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं को संस्था द्वारा सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया।

रक्त दान शिविर का आयोजन
21 अक्टूबर, 2012

समर्पण संस्था द्वारा सेवा, सहयोग एवं समर्पण की भावना से जन सहयोग के लिए संस्था कार्यालय पर रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इस रक्तदान में 15 यूनिट रक्त संतोकबा दुर्लभजी ब्लड बैंक,

आज हर शख्स परेशान क्यूँ है ?

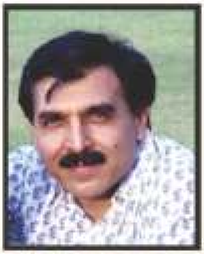

दीपक महान
(वृतचित्र निर्देशक व स्वतंत्र टिप्पणीकार)

किसी भी कीमत पर धन, शक्ति और प्रसिद्धि हासिल करने की लोगों की कोशिशों से मैं अक्सर आश्चर्य चकित हो जाता हूँ। बेशक पैसा, ताकत और शोहरत हासिल करना गलत नहीं है, पर मुझे ये समझ में नहीं आता कि लोग उन्हें प्राप्त करने के लिये अपने स्वास्थ्य, खुशी, स्वतंत्रता और व्यक्तिगत संबंधों की आहूति देने के लिये क्यूँ तैयार हो जाते हैं? क्यों यश और वैभव की लालसा में लोग अपने परिवार के सौहार्द, आनंद तथा मन की शांति गवां बैठते हैं।

आज बहुत से युवा और कॉर्पोरेट पुरोधा अत्यंत दुखी रहते हैं क्यूंकि वे अवश्य निर्जीव निगमों के लिए जीते हैं जहाँ उनकी उपस्थिति मशीन में लगी एक धुरी से ज्यादा नहीं होती। बहुतों को तो चेहरे की झुर्रियों के बाद पता चलता है कि जिस ऐशो–आराम और उपलब्धियों के लिये उन्होनें जीवन व्यर्थ कर दिया उसने उन्हें अल्सर, ह्रदय रोग, दुर्बलता और असंतुष्ट मन के अलावा कुछ नहीं दिया पर अफसोस पश्चाताप कभी किसी को गुजरा समय वापस नहीं दिला सकता।

हमारे आसपास खुशियों के अथाह भण्डार बिखरे पड़े हैं पर ज्यादातर लोग उन्हें रुपयों–पैसों और खोखले वैभव में ढूंढ रहे हैं. सब जानते हैं कि जीवन क्षण भंगुर है पर फिर भी लोग आनंद की बजाय सुरक्षा और भोग की लालसा में जीवन व्यर्थ करने में लगे हुए हैं जबकि स्वस्थ दिल, दिमाग और शरीर ही ईश्वर के सर्वश्रेष्ठ वरदान हैं। हर व्यक्ति आनंद का अनुभव कर सकता है पर अफसोस ज्यादातर लोग अंधी दौड़ में जीवन को बर्बाद कर लेते हैं क्यूंकि वो अपनी प्रतिभा के लिये कम और सामाजिक आकांक्षाओं की पूर्ति के लिये ज्यादा जीतें हैं।

आज जो भारत में अपार जनसमूह दु:खी और कुंठित है तो इसलिए क्यूंकि वह अपनी क्षमता और प्रतिभा के प्रति समर्पित नहीं है और श्रेष्ठता की बजाय धन वैभव और भोग को उन्होनें जीवन का लक्ष्य बना रखा है। आमतौर पर सांसारिक उपलब्धियां बड़ी आसानी से समझौतों से हासिल हो जातीं हैं लेकिन प्रतिभा का निखार आत्मनिष्ठा और अतुलनीय साहस मांगता है और इस तप का वरदान ही आनंद होता है। जीवन के सात्विक कर्मों का निर्वहन जब नैतिकता और प्रेम के सहज प्रताप से होता है तो आनंद की अनुभूति होती है पर लोग व्यक्तिगत संबंधों और स्वास्थ्य की उपेक्षा कर धन–वैभव की ऐसी अंधी दौड़ में फंसे रहते हैं जिसका सफर अखबार के पन्नों से हो कर कचरे के डिब्बे पर जाकर समाप्त होता है। कोई नहीं समझता कि तमाम पुरस्कार, उपलब्धियां और तालियाँ काल के अनंत कैनवास पर सड़ जाते हैं और जीवन का सही मूल्यांकन या पुरूस्कार सिर्फ हमारी आत्म संतुष्टि और आनंद की पूंजी ही है।

जो भी विश्व में अमर हुआ है उसके जीवन का निचोड़ यही है की वह अपनी लक्ष्य और प्रतिभा के प्रति समर्पित और निष्ठावान रहा चाहे वो कबीर हो या नानक, पेले हो या रफी साहब, गांधी हो या लिंकन। आज जब ज्यादातर व्यक्ति अपनी प्रतिभा के प्रति संवेदनशील नहीं हैं और उनकी ऊर्जा नैतिक मूल्यों और सृजनात्मक कार्यों को समर्पित नहीं है, तो कोई आश्चर्य नहीं कि उनके मन में अथाह निराशा और व्यथा का साम्राज्य है। सच तो ये है कि आप कितने ही धनवान या ताकतवर क्यूँ ना हो जाएँ, अगर आप स्वयं से खुश नहीं हैं तो आपका जीवन व्यर्थ है। जो भी प्रेम, आत्मविश्वास और आत्मसंतुष्टि से रहित हैं वो निश्चित ही दुनिया के सबसे बड़े कंगाल हैं।

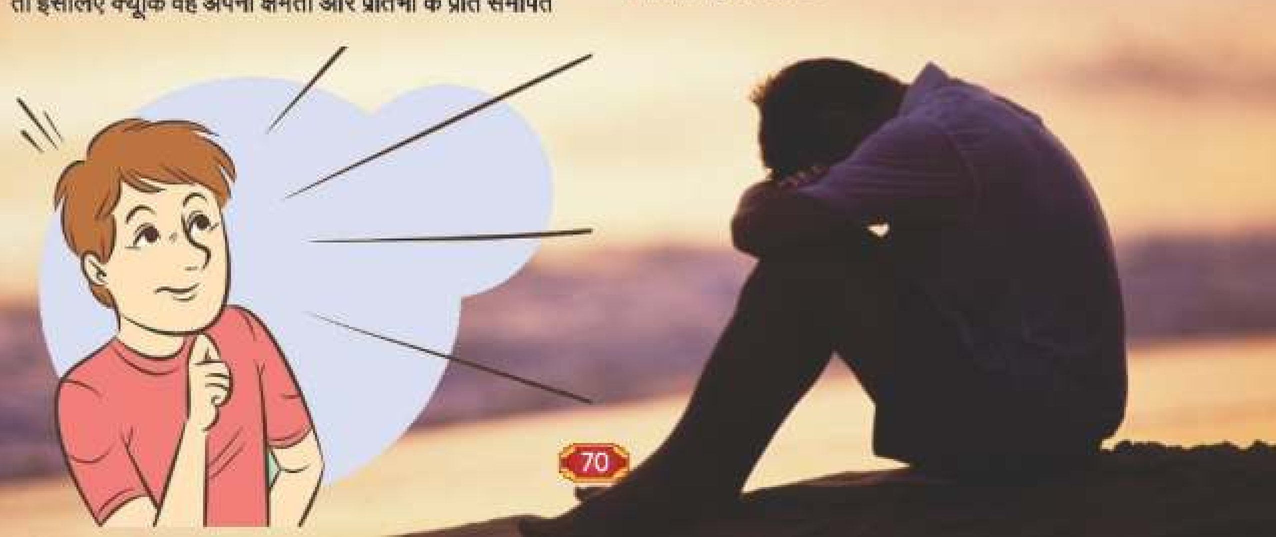

गणतंत्र दिवस समारोह
26 जनवरी, 2013

समर्पण संस्था के सदस्यों ने समाज के असहाय एवं पीड़ित लोगों की सहायता हेतु जागरूकता अभियान के तहत जयपुर मैराथन में जोर शोर से हिस्सा लिया। मैराथन की शुरुआत रामनिवास बाग से हुई जो जवाहर लाल नेहरू मार्ग से होते हुए जवाहर सर्किल पर समाप्त हुई ।

मैराथन दौड़ में भागीदारी
27 जनवरी, 2013

समर्पण संस्था द्वारा संस्था के प्रधान कार्यालय पर गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन किया गया । इस अवसर पर संस्था के सभी सदस्य एवं समाज के गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे । कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के साथ की गई।

पक्षियों हेतु परिंडे
6 मई, 2013

ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए समर्पण संस्था के सदस्यों द्वारा पक्षियों के पीने हेतु पानी की सुविधा करने के उद्देश्य से प्रताप नगर स्थित पार्क में परिंडे लगाने का कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें संस्था के सदस्यों ने बढ़–चढ़कर बड़े उत्साह के साथ भाग लिया ।

प्याऊ का लोकार्पण
8 मई, 2013

समर्पण संस्था के सदस्यों द्वारा भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए आम जनता को ठन्डे पानी की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्द्येश्य से प्याऊ का लोकार्पण किया गया जिससे राहगीरों को ठंडा एवं स्वच्छ जल पीने हेतु मिल सके। प्याऊ का लोकार्पण संस्था के अध्यक्ष एवं माननीय सदस्यों की उपस्थिति में श्री बाबा भारत द्वारा फीता काटकर किया गया । प्याऊ के संचालन हेतु संस्था द्वारा वहाँ पर एक महिला कर्मचारी की नियुक्ति की गई जिससे वहाँ पर आने वाले राहगीरों को दिनभर ठंडा एवं स्वच्छ जल प्राप्त हो सके ।

निःशुल्क जाँच एवं दन्त चिकित्सा शिविर का आयोजन
16 जून, 2013

समर्पण संस्था द्वारा त्रिवेणी डेंटल क्लिनिक के सहयोग से निःशुल्क दन्त चिकित्सा एवं जाँच शिविर का आयोजन किया गया जिसमें काफी मात्रा में दन्त रोग से पीड़ित लोगों ने जाँच करवाकर चिकित्सा एवं परामर्श का लाभ प्राप्त किया ।

स्वतन्त्रता दिवस समारोह
15 अगस्त, 2013

समर्पण संस्था द्वारा स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित किया गया । इस अवसर पर मुख्य अतिथि कर्नल एस. एस. शेखावत तथा विशिष्ट अतिथि स्वामी बाबा भारत, श्री रूप नारायण यादव, श्री किशन लाल यादव आदि मौजूद थे । कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण के साथ हुई ततपश्चात सभी को एक एक पौधा अपने अपने घरों पर लगाने के लिए उपहार स्वरूप दिया गया ।

रक्तदान – एक श्रेष्ठ मानव सेवा

पी.सी. बेरवाल
(Senior I.A.S.)

दिनांक 30.04.2017 को समर्पण संस्था द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। संस्था के मित्र ने बतौर विशिष्ठ अतिथि मुझे भी कार्यक्रम में आने के लिए अनुरोध किया इस रक्तदान शिविर में कुल 54 यूनिट रक्त संग्रहीत हुआ।

समर्पण संस्था ने इस अवसर पर ''आनन्द व आत्मसंतुष्टि की पराकाष्ठा–मानव सेवा'' विषय पर विचार गोष्ठी भी रखी थी। इस कार्यक्रम में उक्त विषय पर गहरी पकड़ रखने वाले महानुभाव भी आये। स्वाभाविक रूप से सभी को अपने विचार व्यक्त करने का अवसर मिला।

मुझे भी यहाँ कुछ कहने का सुअवसर मिला, यही सही है कि संसार में मानव से इतर कोई भी प्राणी हर दृष्टिकोण से मानव से कमतर है। मनुष्य संसार में परमात्मा की सर्वश्रेष्ठ और परिपूर्ण कृति है। जहाँ तक रक्तदान की बात है, इसकी महत्ता और आवश्यकता पर सभी एकमत है, इसकी कमी के कारण अनेकों बिमारियाँ संभावित हैं। इसका शुद्ध एवं स्वस्थ होना भी नितान्त जरूरी है। खैर ये बाते चिकित्सा से संबंधित हैं। हम सामान्य जन के लिए तो यह जानना और मन से स्वीकार करना जरूरी है कि दुर्घटनाओं में रक्त की आवश्यकता होती है। कृत्रिम रक्त अभी बना नहीं है तथा कहाँ, कब, कैसे, निर्मित एवं उपयोगी होगा भविष्य के गर्भ में है।

तथापि यह पूर्ण सत्य है कि रक्त की आवश्यकता होने पर और उसकी समयोचित पूर्ति होने पर अनेकों अमूल्य जीवन बचे हैं। शल्य क्रियाओं के दौरान भी रक्त की उपलब्धता जीवन रक्षक होती है। मनुष्य को रक्तदान करने से कोई हानि नहीं बल्कि नियमित रक्तदान से रक्त संचार की प्रक्रिया प्रभावी और शरीर स्वस्थ होना मानते हैं। रक्तदान एक महादान है जो संकट के क्षणों में जीवन को बचाता है। वैसे सभी दान मानव के कल्याण और सेवा के लिए है। सेवा करने के अनेकों प्रकार है जैसे अर्थ सहायता, शोक सांत्वना, शक्ति सहायता, उचित सलाह, वैचारिक दृष्टिकोण को संयमित करना आदि। परन्तु उनका मुख्य उद्देश्य व भाव एक ही है कि सेवा से आत्मसंतुष्टि होती है या होनी चाहिए।

परन्तु अपना रक्त निकालकर देना एक विशेष प्रकार का दान या संदेश है जैसे किसी दूसरे से खूनी रिश्ता जुड़ जाना। रक्त का शरीर के भीतर संचार एक मौलिक क्रिया है परन्तु जब कभी रक्त का शरीर से बाहर रिसाव होता है जैसे कोई आपात स्थिति, शरीर पर स्वयं के किसी कारणवश खरोंच या फिर कोई लड़ाई झगड़ा होने के कारण रक्त शरीर के बाहर आ जाये तो यह चोट गहरी भीतर तक जाती है और भय तथा घबराहट की स्थिति बन जाती है। जीवन को संकट में डालने वाली घटनाओं से यदि खून बह गया तो फिर यह घटना परिवार से परे चिकित्सा, पुलिस एवं न्यायिक संस्थाओं तक पहुँच जाती है।

रक्त का संचार सांसों से जुड़ा हुआ है। हम जितनी गहरी सांस लेते और छोड़ते हैं उतना ही खून के समस्त तंतुओं को सांस स्वस्थ और मजबूत बनाती है। अच्छे कार्यों की शुरूआत स्वयं से प्रारम्भ हो तो अन्य लोग उसका अनुसरण करेंगे। केवल उपदेश देने से अनुसरण करें यह आवश्यक नहीं है। कहावत है – ''पर उपदेश कुशल बहुतेरे''।

प्राणी जगत में मनुष्य की श्रेष्ठता इस कारण है कि वह मूल रूप से मानव सहायता, सेवाभाव, परोपकार, प्रेम, दया के हृदयभावी गुणों से ओत–प्रोत है। यह जो मानव सेवा की परिणिति है वह उसे आत्मसंतुष्टि की ओर ले जाती है। अन्य भौतिक सुख सुविधाओं, भोग विलासों से शारीरिक संतुष्टि होती है, कदाचित मानसिक संतुष्टि कुछ समय तक हो, पर स्थायी, सतत संतुष्टि तो आत्मसंतुष्टि ही है। यदि आत्मसंतुष्टि नहीं है तो अन्य क्रियाकलाप पूर्णरूपेण सही नहीं है ये निष्कर्ष होगा।

सेवा भाव से मानव आत्मसंतुष्टि के मार्ग पर निरन्तर चलता रहे तो एक दिन आनन्द की स्थिति में पहुँचने की संभावना है। सेवा भाव, निस्वार्थ, परोपकार, बिना किसी फल की इच्छा के मनुष्य सतत कर्मशील रहता है तो वह स्थिति आना संभव जिसे आनन्द कहते हैं। आनन्द का प्रत्यक्ष में कोई विपरीत शब्द नहीं। जहाँ अस्तित्व, परमतत्व के साथ आत्मसात हो जाना या सर्वोच्च शक्ति से एकाकर हो जाना। जैसे बूंद का सागर में मिल जाना। कभी कभी हम कह ही देते हैं कि मन आनन्दित हो गया। शायद कुछ पल, क्षण ऐसे बीते की संसार को भूलकर आनन्द के पलों में अनुभूत एवं अभीभूत हुए।

''रक्तदान महादान। आओ हम इसे भीतर तक समझे और अपनायें।''

गणतंत्र दिवस के अवसर पर एड्स जागरूकता कार्यक्रम
26 जनवरी, 2014

समर्पण संस्था द्वारा ''एचआईवी/एड्स-जानकारी ही बचाव है'' विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन डॉ. भीमराव अंबेडकर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, महेश नगर, जयपुर में किया गया जिसमें नवयुवक, नवयुवतियों को उक्त विषय पर प्रशिक्षण देकर जागरूक किया गया।

निःशुल्क जाँच एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन
27 अप्रैल, 2014

समर्पण संस्था द्वारा डॉ. के.के. शांडिल्य के सहयोग से निःशुल्क जाँच एवं चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया गया जिसमें काफी लोगों ने डायबिटीज एवं ब्लडप्रेशर आदि की जाँच करवाकर चिकित्सा परामर्श प्राप्त किया ।

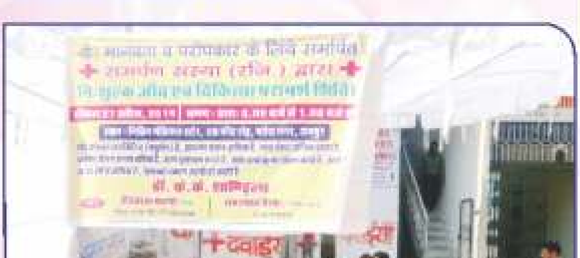

स्वतन्त्रता दिवस समारोह
15 अगस्त, 2014

समर्पण संस्था द्वारा संस्था कार्यालय पर स्वतन्त्रता दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण के साथ की गई। इस शुभ अवसर पर संस्था के सभी सदस्य एवं समाज के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

वृक्षारोपण कार्यक्रम
24 अगस्त, 2014

समर्पण संस्था द्वारा प्रताप नगर स्थित पार्क में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथी क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती रामा शर्मा एवं संस्था सदस्यों द्वारा वृक्षारोपण किया गया व वृक्षों की नियमित देखभाल कर अपने आस-पास अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का संकल्प लिया गया।

संस्था सदस्यों की वार्षिक संगोष्ठी
4 दिसम्बर, 2014

समर्पण संस्था सदस्यों द्वारा वार्षिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया । संस्था सदस्यों ने संस्था द्वारा आयोजित होने वाले आगामी कार्यक्रमों के विषय में विचार –विमर्श किया एवं रूपरेखा तैयार की ।

Once Soldier Always Soldier

Col (Retd) S.S. Shekhawat
(Pattern Member Samarpan Sansth & Retired Indian Army)

This paper is devoted to all those youth who are looking for an opportunity to serve the mother land. Who are intelligent and enthusiastic? Who are courageous and energetic? Who are competent but humble? Who are competitive yet cooperative? Who possess many such qualities and looking for a noble job. The only one for them is soldiering. It is said that lord Krishna possessed all qualities, maximum a human can. He was a perfect incarnation. These qualities are nothing but characteristic of a good leader. We try to inculcate the same in a soldier. We try to make him a perfect genteel man. That's why we call an army officer a genteel man. Yes I am talking about a career as an army officer. There can be nothing better than soldiering for a capable young man/woman. What more a youth can dream than a life full of adventures and opportunities. A life totally dedicated to the mother land. Here is an opportunity to guard the nation and protect fellow citizens. This gives a feel of dignity and self respect. This is the profession of those who believes in merit and self confidence. This gives equal opportunities to all. There is no discrimination on behalf of region, religion or caste. We are truly secular and believer of

democracy. We are the example of unity in diversity. So what are you waiting for? All the youth possessing required qualification is eligible for commissioning in the army. They have to qualify required examinations as per their entries. The entry can be chosen as per their age and qualification. All candidates have to qualify a written examination followed by a personality test. After passing both examinations a selected candidate is sent for training. On completion of training a cadet is commissioned as a lieutenant. Academy trains all cadets as a potential general yet his scope depends upon his capabilities. But an officer minimum retires as a colonel provided he qualify promotion tests and recommended by his chain of command. It is not all about profession only. An armed forces officer enjoys a good social and family life also. All cantonments have family accommodation along with good civil amenities. We have our own schools, hospitals and amusement facilities. Our unit is a family where commanding officer is a fatherly figure. A unit has its own mess. All cantonments have an officer's institute where social functions are organized. An officer gets good retirement benefits for his post retirement settlement. Medical and canteen facility remains intact after retirement also. After retirement on behalf of experience you can get a job also. Director General of resettlement provides vocational training and helps in getting it. What more this is the only service which commands highest respect whole life, May it be during service or after retirement. I wish to be a soldier in my all births. So I call once soldier always soldier.

Onus Design

COMPLETE ARCHITECT WORK
PLANING, 3D VIEWS, INTERIOR & EXTERIOR VIEW

Ar. Mukesh Kumar Jangid

Plot No. 52-53, Janakpuri-I, Imli Wala Phatak, Jaipur • M.: 9461070103
Email : onusdesign1985@gmail.com, bhuvikjmukesh@gmail.com

Shyobux
+91-9414405321

Anil
+91-9414160996

GREEN BRICKS INDUSTRIES

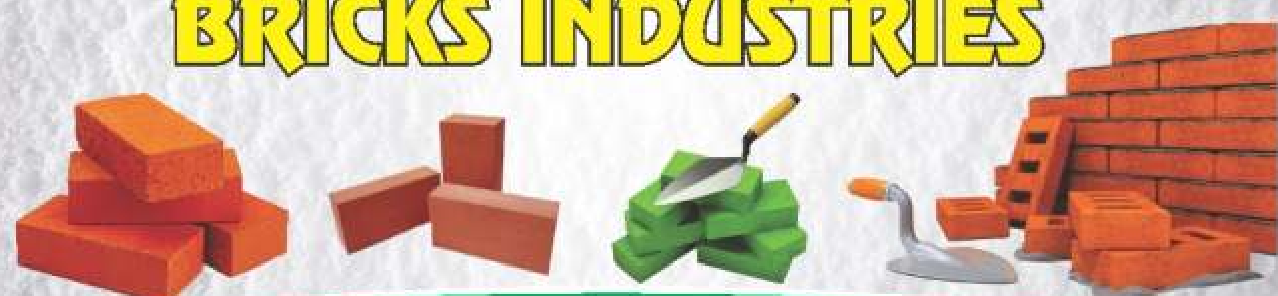

Email : greenbricksinduestries@gmail.com
322 A, Goverdhan Nagar, Bambala Pulia, Tonk Road, Jaipur (Raj.)

बना दें सुखमय ये संसार

रामलाल 'रोशन'
(जयपुर)

करें मानवता का श्रृंगार, करें हम मानवता से प्यार ।
प्यार तन मन में बस जाये, बना दें सुखमय ये संसार ।
1. जहाँ में कदम कदम पे हम, बने सहयोगी मानव के ।
किसी का मन मजबूत करें, किसी को दें गुर जीवन के ।
गिरे जब मानवता की साख, बनें मानवता की पतवार ।
प्यार तन मन में बस जाये, बना दें सुखमय ये संसार ।
2. समर्पित भाव रखें हरदम, समर्पण करते ही जायें ।
किसी का दिल ना दुखाएं हम, सभी के दिल में बस जायें ।
दिलों में नफरत ना आये, रहे बस खुशियों की भरमार ।
प्यार तन मन में बस जाये, बना दें सुखमय ये संसार ।
3. जो मन में प्यार भरा हो तो, खिले जीवन का ये मधुबन ।
कि मौसम बदल बदल जाये, हवाएं भी गाये सरगम ।
करें ईश्वर से विनती ये, सभी का "रोशन" हो संसार ।
प्यार तन मन में बस जाये, बना दें सुखमय ये संसार ।

जयपुर मैराथन में भागीदारी
25 जनवरी, 2015

समर्पण संस्था सदस्यों ने जयपुर मैराथन में हिस्सेदारी ली। काफी सर्दी एवं कोहरा होने के बावजूद भी संस्था सदस्यों ने उत्साह के साथ मैराथन में हिस्सा लिया। मैराथन रामनिवास बाग से शुरू होकर जवाहर लाल नेहरू मार्ग होते हुए जवाहर सर्किल पर समाप्त हुई।

गणतंत्र दिवस कार्यक्रम का आयोजन
26 जनवरी, 2015

समर्पण संस्था द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गणतंत्र दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन संस्था के प्रधान कार्यालय पर किया गया।

रक्त दान शिविर का आयोजन
15 फरवरी, 2015

समर्पण संस्था एवं स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अथिति श्रीमती रामा शर्मा एवं बगरू विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री कैलाश वर्मा उपस्थित थे । रक्तदान शिविर में महिलाओं एवं पुरुषों द्वारा कुल 61 यूनिट ब्लड एकत्रित किया गया ।

पक्षियों के लिए परिंडों की व्यवस्था
24 मई, 2015

मानवता व परोपकार के लिए समर्पित समर्पण संस्था द्वारा तपती गर्मी से बेहाल पक्षियों के लिए संस्था कार्यालय के सामने संस्था के सदस्यों द्वारा 192/38, सेक्टर-19, प्रताप नगर के पार्क नं.-2 व 195 सेक्टर के खड्डे वाले पार्क में परिंडे बाँधे गये। इस अवसर पर संस्था सदस्यों के अलावा पार्षद श्रीमती रामा शर्मा, समाजसेवी श्री राकेश बैरवा, वरिष्ठ नागरिक, गणमान्य व्यक्तिएवं बच्चे भी मौजूद रहे ।

शिक्षा सहायता, स्मारिका विमोचन एवं समाजसेवी सम्मान समारोह
1 अगस्त, 2015

समर्पण संस्था द्वारा सूचना केंद्र में शिक्षा सहायता, स्मारिका विमोचन एवं समाजसेवी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें संस्था द्वारा गरीब बच्चों को शिक्षा सामग्री का वितरण किया गया तथा साथ ही संस्था द्वार अब तक किये गये कार्यक्रमों की गतिविधियों के विवरण सहित स्मारिका का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में संस्था द्वारा समाजसेवी सम्मान समारोह रखा गया जिसमें प्रबुद्ध समाजसेवियों का संस्था द्वारा सम्मान किया गया।

स्वतन्त्रता दिवस समारोह
15 अगस्त, 2015

समर्पण संस्था द्वारा संस्था कार्यालय पर स्वतन्त्रता दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण के साथ की गई । इस शुभ अवसर पर संस्था के सभी सदस्य एवं समाज के गणमान्य व्यक्तिउपस्थित थे ।

''जाति विनाश– भारत विकास'' परिचर्चा
3 अक्टूबर, 2015

समर्पण संस्था व अम्बलिकिंग फाउण्डेशन की ओर से एक 'जाति विनाश–भारत विकास' विषय पर परिचचा मंगलम जयपुर टेक्सटाईल मार्केट, जगतपुरा स्थित अम्बलिंकिंग फाउण्डेषन के कॉफ्रेंस हॉल में आयोजित की गई। इस परिचर्चा में जयपुर के अनेक सामाजिक कार्यकर्ता, संस्था प्रतिनिधि, जातिगत महासभाओं के प्रतिनिधी, प्रशासनिक अधिकारी आदि ने भाग लिया।

खुशियाँ ढूँढी, दूसरों को खुशी देकर..

एक औरत बहुत महँगे कपड़ो मे अपने मनोचिकित्सक के पास जाती है और उसे कहती है कि उसे लगता है कि उसका पूरा जीवन बेकार है, उसका कोई अर्थ नही है। वे उसकी खुशियाँ ढूँढने मे मदद करे।

मनोचिकित्सक ने एक बूढ़ी औरत को बुलाया जो वहाँ साफ–सफाई का काम करती थी और उस अमीर औरत से बोला – ''मैं मैरी से तुम्हे यह बताने के लिए कहूँगा कि कैसे उसने अपने जीवन मे खुशियाँ ढूँढी। मै चाहता हूँ कि आप उसे ध्यान से सुने।''

तब उस बूढ़ी औरत ने अपना झाडू नीचे रखा, कुर्सी पर बैठ गई और बताने लगी – ''मेरे पति की मलेरिया से मृत्यु हो गई और उसके 3 महीने बाद ही मेरे बेटे की भी सड़क हादसेमें मौत हो गई। मेरे पास कोई नहीं था। मेरे जीवन मे कुछ नहीं बचा था। मै सो नहीं पाती थी, खा नही पाती थी, मैंने मुस्कुराना बद कर दिया था।

मै खुद का जीवन लेने की तरकीबे सोचने लगी थी। तब एक दिन, एक छोटा बिल्ली का बच्चा मेरे पीछे लग गया जब मै काम से घर आ रही थी। बाहर बहुत ठंड थी इसलिए मैंने उस बच्चे को अदर आने दिया। उस बिल्ली के बच्चे के लिए थोड़े से दूध का इतजाम किया और वह सारी प्लेट सफाचट कर गया। फिर वह मेरे पैरो से लिपट गया और चाटने लगा।

उस दिन बहुत महीनो बाद मै मुस्कुराई। तब मैने सोचा अगर इस बिल्ली के बच्चे की सहायता करना मुझे खुशी दे सकता है, तो हो सकता है दूसरो के लिए कुछ करके मुझे और भी खुशी मिले। इसलिए अगले दिन मै अपने पड़ोसी, जो कि बीमार था, उसके लिए कुछ बिस्किट्स बना कर ले गई। हर दिन मै कुछ नया और कुछ ऐसा करती थी जिससे दूसरो को खुशी मिले और उन्हे खुश देख कर मुझे खुशी मिलती थी। आज, मै किसी को नही जानती जो मुझसे बेहतर खाता–पीता हो और चैन से सोता हो। मैंने खुशियाँ ढूँढी है, दूसरों को खुशी देकर।

यह सब सुन कर वह अमीर औरत रोने लगी। उसके पास वह सब था जो वह पैसे से खरीद सकती थी पर उसने वह चीज खो दी थी जो पैसे से नही खरीदी जा सकती। हमारा जीवन इस बात पर निर्भर नही करता कि हम कितने खुश है अपितु इस बात पर निर्भर करता है कि हमारी वजह से कितने लोग खुश है।

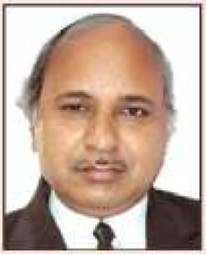

परोपकार स्वतः हो

रामकुमार 'सेवक'
(दिल्ली)

परोपकार दो शब्दों के संयोग से बना है, 'पर' और 'उपकार'। 'प' का अर्थ है – 'अन्य' या 'पराया' और 'उपकार' का अर्थ है – 'भलाई'। परोपकार का सामान्य अर्थ – दूसरों की भलाई करना।

परोपकार की अपनी महिमा है। मनीषियों ने परोपकार को धर्म की संज्ञा दी है तथा इसे जीवन का अनिवार्य अंग बनाने का आग्रह किया है। किसी विशेष युग में ही ऐसी मान्यता रही हो, ऐसी बात नहीं है। हर युग में परोपकार को, आदर्श जीवन का अनिवार्य अंग माना जाता रहा है।

लेकिन 'पर' की अर्थात् 'परायेपन' की भावना गिरावट की निशानी है तथा अध्यात्म में तो 'आत्मा' है, 'स्व' है, 'पर' कोई है ही नहीं।

मानव मन में प्रायः दो भाव ही उठते हैं – 'स्व' भाव तथा 'पर' भाव। 'स्व' भाव में सब कुछ अपना और 'पर' भाव में सब कुछ पराया है। ये दोनों ही भाव मनुष्य को प्रभु की ओर प्रेरित करते रहे हैं। परन्तु अध्यात्म में 'पर' का कोई स्थान नहीं है। वहाँ तो 'स्व' है, आत्म है। 'स्व' का भाव व्यक्ति को स्वार्थी बनाता है। जबकि 'पर' भाव उसमें परसेवा, पर उपकार का भाव पैदा करता है। स्वार्थी होना अच्छा नहीं जबकि परोपकारी होना अच्छा माना जाता है।

एक छोटी बच्ची ने अपने से कुछ छोटे बच्चे को पीठ पर सवार कर रखा था। बच्ची के ऊपर बच्चा लदा देखकर एक सज्जन उस बच्ची से बोले, ''गुड़िया रानी, इस बच्चे को उतार क्यों नहीं देती, बहुत भारी होगा।'' वह बच्ची इठलाकर बोली, ''भारी नहीं है, यह तो मेरा भाई है।'' वह सज्जन निरुत्तर रह गये और सोचने लगे कि इस 5–7 किलो की बच्ची के ऊपर यदि दो किलो लोहा रख दिया जाए (जितना कि इस छोटे से बच्चे का वजन है) फिर भी क्या यह उसी सहजता से उसे उठा पाएगी? उन्होंने यह किया। बच्चे को अपनी गोद में ले लिया तथा बच्ची के हाथ में दो किलो लोहा दे दिया। और कुछ दूर साथ आने को कहा। बच्ची ने लोहा जमीन पर रख कर कहा, ''यह तो बहुत भारी है, मुझे मेरा भैया दे दीजिए।''

'स्व' भाव में बोझिल चीज भी बोझिल नहीं रहती और 'पर' भाव में हल्की चीज भी बोझिल हो जाती है। 'पर' भाव में व्यक्ति को प्रेरित किया जाता है कि परहित में जवानी लगाओ, परोपकार करो। यह प्रेरणा जब बहुत गहरी हो जाती है तो उसे अपने अलावा सभी परोपकार के पात्र लगने लगते हैं और स्वाभाविक ही अपने आपको दूसरों से श्रेष्ठ मान बैठता है। अपने आपको श्रेष्ठ मानने में मुझे कुछ बुराई नजर नहीं आती लेकिन जब वह अन्य सभी को निम्न मानने लगता है तो वह अपने आपको वह मानने लगता है जो कि वह होता नहीं और अपने आपको वह मान बैठता जो कि हम नहीं है, यही तो अभिमान है और यही अभिमान गिरावट की जड़ है। इसलिए महापुरुषों ने कहा कि भलाई करो पर ऐसे कि दायां हाथ करे तो बाएं को पता भी न चले। ऐसे किसलिए कहा गया?

ऐसा शायद इसलिए कहा गया ताकि मन में अभिमान न आ जाए कि मैंने परोपकार किया है। यदि हमें थोड़ा–सा भी यह अहसास है कि मैंने उस पर उपकार किया तो अभिमान स्वतः ही उत्पन्न हो जाएगा और यह भावना भी उत्पन्न होगी कि परोपकार के बदले मुझे कुछ मिलना चाहिए।

इसलिए परोपकार स्वतः होना चाहिए, उसे किया नहीं जाना चाहिए।

परोपकारी को तो भाई कन्हैया की भाँति होना चाहिए, पानी पिला रहे हैं परन्तु निष्काम भाव से और वह भी कोई भेदभाव रखे बगैर। अर्थात मित्र–शत्रु के भावों से भी ऊपर उठकर! उन्हें यह पता ही नहीं कि वे कितना बड़ा पुण्य कर रहे हैं और यही आदेश मेरा 'स्व' है, मेरा 'आत्मा' है। शेष कुछ नहीं! यह 'स्व' उपकार और 'आत्म' उपकार ही वास्तव में करने योग्य है। देखने वालों को भले ही परोपकर लगे परन्तु हमें परोपकार समझकर नहीं करना चाहिए क्योंकि हम इस योग्य है नहीं कि परोपकार कर सकें। तन, मन, धन के सहयोग से जो कार्य हो जाता है, उसे आत्म रूप में 'ब्रह्म' ही परिचालित करता है। वही ब्रह्म सृष्टि के सब पिंडों में है। इसलिए परोपकार हम करें नहीं बल्कि परोपकार स्वतः ही होना चाहिए।

जब हम औरों को उनकी खुशियां देना शुरू कर देंगे...
तो हमारे जीवन में अपने आप ही खुशियां आना शुरू हो जाएगी...
और यही मानव जीवन का उद्देश्य भी है।

PLUMBER CONTRACTOR

Bhagwan Sahay Bairwa
9829405406
8003517410

All types of Sanitory Fitting Works

A-45, Nirmohi City, Keshavpura, Ajmer Road, Jaipur

डेजी ऑरा हेल्थ क्लिनिक

A-48, शॉपिंग कॉम्पलेक्स, सेक्टर-7, सेंट जोसेफ स्कूल के पीछे, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर फोन : 0141-2791831 मो 7665081081

अनुभवी चिकित्सक, स्त्री रोग विशेषज्ञ एवं

दन्त रोग चिकित्सक

ऑरम डायग्नोस्टिक सेन्टर

सुविधाएँ: • डिजिटल एक्स-रे • ई.सी.जी. • समस्त खून की जाँच • पी.एफ.टी., • पेशाब की जाँच • मल की जाँच • वीर्य जाँच • एलाइजा (ELISA) • बलगम की जाँच • डेन्टल एक्स-रे

दन्त रोग विशेषज्ञ

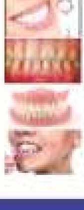

- दाँतो की नस का ईलाज (RCT)
- ऑरल सिस्ट सर्जरी
- डेन्टल इम्पलांट
- फिक्स दाँत एवं बत्तीसी
- जबड़ो के फैक्चर का ईलाज
- टेढ़े मेढ़े एवं बाहर निकले दाँतों का ईलाज
- मधुमेह रोग एवं अव्व रक्तचाप वाले मरीजों के लिए अवल दांत सर्जरी की विशेष सुविधा (डे-केयर)

डेजी फॉमेसी (मेडिकल स्टोर)

सत्य का बोध

हरज्ञान सिंह

मुखी, ब्रांच – मछ की पीपली

संत निरंकारी मण्डल

सबसे उत्तम योनि मनुष्य की है और सभी जीवों का राजा होकर भी अधूरा है। अधूरा इसलिए क्योंकि इसने पूर्णता को प्राप्त नहीं किया है इसीलिए आज सारा जगत जल रहा है ओम शांति कहीं पर भी नजर नहीं आती है। इसका मूल कारण है हम सत्य को नहीं जानते हैं। महामानव गौतम बुद्ध, राजा जनक, मीराबाई, गुरु नानक ,महावीर स्वामी, नरसी भगत, कबीर, रविदास, राम, कृष्ण, ईसा मसीह व बहुत से गुरु पीर पैगंबरों ने इस सत्य को प्राप्त किया और जब इनको सत्य का बोध हो गया उसके बाद इन सभी ने सत्य का संदेश देने के लिए अपना सारा जीवन लगा दिया ।

हमारे जीवन में जब तक सत्य का बोध नहीं होता तब तक अशांति बनी रहती है पूर्ण अमन चैन आनंद नहीं आता चाहे भौतिक सुख हम कितने भी प्राप्त कर लें लेकिन उन सुखों के साथ–साथ मौत का डर हमेशा बना रहता है। तब समझ में आता है कि हमें सारे सुख नहीं मिले। जो मिले हैं वह अधूरे हैं और जब जीवन में सत्य की अनुभूति हो जाती है तब शांति का वास होता है और स्थाई सुख का संचार हमारे हृदय में उतर जाता है फिर मौत का डर नहीं होता आज हमारे आस–पास या देश देशांतर में चंद सिक्कों के खातिर इंसान अपनी इंसानियत खो देता है और अपने मानवीय मूल्यों को दाव पर लगा देता है। हाँ वह कुछ खोकर कुछ प्राप्त कर लेता है लेकिन उसके मन के अंदर एक ग्लानि हमेशा बनी रहती है कि मैंने उस वर्ग विशेष को गिराया, उसे सताया इसलिए वह जैसे कर्म करने के लिए आया उस मूल कर्म से बहुत भटक जाता है बहुत दूर चला जाता है और एक तरफ जहाँ सत्य है वहाँ दया है जो कि धर्म का मूल है जड़ है धर्म धारण करने की एक अवस्था है हमारे जीवन में हमने क्या क्या धारण किया है वह धर्म बन जाता है आज हर वर्ग धर्म में एक दूसरे को नीचा दिखा कर ऊंचा होने की होड़ में लगा हुआ है। चाहे वह राजनीतिक हो या सामाजिक हो, क्षेत्रीयता हो चाहे कोई संस्था हो या कोई डिपार्टमेंट सभी जगह एक दूसरे को तिरस्कार की भावना से देखा जा रहा है जो सरासर गलत है। हम किसी को जब नीचे दबा रहे होते हैं उस समय उसको तो नीचा करते ही हैं हम खुद भी नीचे होते हैं और दूसरी ओर जब हम किसी गरीब असहाय को ऊपर उठा रहे होते हैं उसको ऊपर उठाते ही है साथ में हम भी ऊंचे होते हैं।

कुछ धर्म के ठेकेदार यह समझ बैठते हैं कि हम इस वर्ग को गिराते हैं तो हम ऊपर जाएंगे लेकिन यह जब होता है तब वह सत्य को नहीं जानते सच से दूर होते हैं जब हम सत्य के समीप होते हैं और इस परम सत्ता को जान लेते हैं इसका बोध हमारे हृदय में होता है तब किसी भी वर्ग विशेष का बुरा नहीं सोचते और न ही कर पाते हैं जिस प्रकार बादल जब जब बरसा करते हैं उनके अंदर समानता का भाव रहता है वह हर किसी वर्ग विशेष के ऊपर बरसा करेंगे और प्रकृति में बहुत सी ऐसी चीजें हैं वृक्षों को ही लें सबके लिए ठंडक देंगे छाया देंगे फल देंगे नदियों को लें और भी प्रकृति में बहुत सी ऐसी चीजें हैं जो समानता में अपना कार्य करते हैं जैसे सूर्य, चंद्र, तारे, जमीं, आकाश, जलवायु यह सब समानता में कार्य कर रहे होते हैं लेकिन उत्तम योनि इंसान क्यों नहीं करता। वह इसलिए नहीं कर पाता है कि वह सत्य से बहुत दूर चला गया है और सारी धरती पर इंसान के अंदर एक तिरस्कार का भाव पैदा हो गया है जो हमारे खुद के लिए हानिकारक साबित हो रहा है। कहीं धर्मों की तो, कहीं जातियों की दीवारें हैं, कहीं मजहब की दीवारें हैं तो कहीं नस्लभेद है वर्ग का तो कहीं क्षेत्र का है इसके कारण इंसान एक दूसरे का अहित कर रहा है और जहां हम किसी इंसान को किसी भी तरह की क्षति पहुंचाते हैं तो वह एक राष्ट्र के निर्माण में बाधक होता है और जहां हम किसी वर्ग विशेष को नीचा दिखा रहे होते हैं या नीचे गिराने की बात कर रहे होते हैं वहाँ हम यह नहीं सोचते कि कोई हमको भी तो नीचे गिरा सकता है। ऐसी यह गिराने की भावना हम इंसानों में बहुत पहले से है उसको निकालने में गुरु पीर पैगंबरों ने सदियों से प्रयास किये हैं और किये जा रहें हैं।

जहाँ सत्य को जानकर मानने वाले है वहाँ प्रेम, दया, करुणा, मिलवर्तन, समानता, संप्रभुता, समता, क्षमा सहनशीलता, वसुधैव कुटुंबकम की भावना को साथ लेकर चलते है वहीं एकता व एकत्व के भाव बन जाते है हर इंसान एक दूसरे का भला करते हैं। एक–दूसरे के हितों की रक्षा करते हैं और एक मानवता की डगर पर चलकर राष्ट्र के निर्माण में अहम भूमिका अदा करते हैं। वे खुद भी सुखी रहते हैं और प्राणी मात्र को सुखी रखने का प्रयास करते हैं वह प्राणी फिर ऐसा साधारण इंसान बन जाता है जिसकी आज के परिवेश में राष्ट्र को बहुत ज्यादा जरूरत है।

आज शासन हो या प्रशासन, संस्था हो या चौपाल, घर हो या दफ्तर, सभी जगह एक वर्ग संघर्ष की स्थिति पैदा हो गई है इसका मूल कारण इंसान स्वार्थी हो गया है अपने निजी स्वार्थों के कारण दूसरे इंसान का अहित करता है जो किसी राष्ट्र या देश के लिए हानिकारक है जब–जब वर्ग संघर्ष होता है इंसान बंटता है और उनके अंदर मतभेद बन जाता है जिससे दोनों ही पक्षों को हानि होती है चाहे वह कितना भी बड़ा राष्ट्र है या कितना भी बड़ा वर्ग हो। वह उस समय यह भूल जाता है कि मैं किसी को गिरा रहा हूँ तो कोई मुझे भी गिरा सकता है। और दूसरी तरफ जहाँ प्रकृति में बहुत से जीव जंतु हैं 8400000 योनियों में जिनका वर्गीकरण है इतिहास गवाह है वे जीव जंतु कोई ऐसा कार्य नहीं करते न ही उनमें वर्ग संघर्ष होता है और शांति से जीवन यापन करते हैं। वे अपनी मर्यादा कभी नहीं भूलते और दूसरी तरफ इंसान अपनी सारी मर्यादाएँ समय काल को देखते हुए भूल चुका है और इंसानियत को खो बैठा है।

मैंने सारे शास्त्र उपनिषद वेद ग्रंथो व सभी धर्मो का अवलोकन किया। बहुत से महामानव महापुरुषों को सुनने के बाद इस निष्कर्ष पर पहुंचा और समझा। यहां पर एक ही बात समझ में आई यदि हम किसी को कोई चोट पहुंचाते हैं, दुख देते हैं, तो हम स्वयं दुखी होते हैं और दुखों को बुलावा देते हैं और जहां हम किसी को सुख देकर सुख पहुंचाने का काम करते हैं तो हमारे जीवन में सारे सुख ही सुख रहते हैं तथा औरों को तो सुखी करते ही हैं खुद भी सुखी होते हैं।

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया ।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चित् दुःख भाग भवेत्।।

मैं समझता हूँ इसमें कोई त्रुटि रही होगी जो आपके हृदय को चुभन दे रही हो उसके लिए हृदय से क्षमा प्रार्थी हूँ।

6 वां वार्षिक अधिवेशन
9 जनवरी, 2016

समर्पण संस्था द्वारा हर वर्ष की भांति 6 वें वार्षिक अधिवेशन का आयोजन किया गया जिसमें संस्था के पदाधिकारियों के अलावा प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया तथा संस्था में संचालित गतिविधियों में आवश्यक सुधार पर विस्तृत परिचर्चा की गयी। तथा आगामी वर्ष में आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई।

''संवेदनशीलता''

एक पोस्टमैन ने एक घर के दरवाजे पर दस्तक देते हुए कहा,'' चिट्ठी ले लीजिये।'' अंदर से एक बालिका की आवाजआई'' आ रही हूँ। ''लेकिन तीन–चार मिनट तक कोई नआया तो पोस्टमैन ने फिर कहा, ''अरे भाई! मकान मे कोई है क्या, अपनी चिट्ठी ले लो।''लड़की की फिर आवाजआई,'' पोस्टमैन साहब, दरवाजे के नीचे से चिट्ठी अंदर डालदीजिए,मै आ रही हूँ।''पोस्टमैन ने कहा,'' नहीं, मै खड़ा हूँ,रजिस्टर्ड चिट्ठी है, पावती पर तुम्हारे साइनचाहिये।''करीबन छह–सात मिनट बाद दरवाजा खुला।पोस्टमैन इस देरी के लिए झल्लाया हुआ तो था ही औरउस पर चिल्लाने वाला था ही, लेकिन दरवाजा खुलते हीवह चौंक गया, सामने एक अपाहिज कन्या जिसके पावनही थे, सामने खड़ी थी। पोस्टमैन चुपचाप पत्र देकर और उसके साइन लेकर चला गया।हफ्ते, दो हफ्ते मे जब कभी उस लड़की के लिए डाक आती, पोस्टमैन एक आवाज देता और जब तक वह कन्या न आती तब तक खड़ा रहता।एक दिन उसने पोस्टमैन को नगे पाँव देखा।दीपावली नजदीक आ रही थी।उसने सोचा पोस्टमैन को क्या ईनाम दूँ।एक दिन जब पोस्टमैन डाक देकर चला गया, तब उस लड़की ने, जहाँ मिट्टी मे पोस्टमैन के पॉव केनिशान बने थे, उन पर कागज रख कर उन पाँवो का चित्र उतार लिया।अगले दिन उसने अपने यहाँ काम करनेवाली बाई से उस नाप के जूते मंगवा लिये।दीपावली आई और उसके अगले दिन पोस्टमैन ने गली के सब लोगो सेतो ईनाम माँगा और सोचा कि अब इस बिटिया से क्याइनाम लेना? पर गली मे आया हूँ तो उससे मिल ही लूँ।उसने दरवाजा खटखटाया। अंदर से आवाजआई, ''कौन?'' पोस्टमैन, उत्तर मिला।बालिका हाथ मे एक गिफ्ट पैक लेकर आई और कहा,'' अकल,मेरी तरफ से दीपावली पर आपको यह भेंट है।''पोस्टमैन ने कहा,'' तुमतो मेरे लिए बेटी के समान हो, तुमसे मै गिफ्ट कैसे लूँ?''कन्या ने आग्रह किया कि मेरी इस गिफ्ट के लिए मना नही करे।'' ठीक है कहते हुए पोस्टमैन ने पैकेट लेलिया।बालिका ने कहा,''अकल इस पैकेट को घर ले जाकर खोलना।घर जाकर जब उसने पैकेट खोला तो विस्मित रह गया, क्योंकि उसमे एक जोड़ी जूते थे। उसकी आँखे भर आई।अगले दिन वह अश्वफिस पहुचा और पोस्ट मास्टर से फरियाद की कि उसका तबादला फौरनकर दिया जाए।पोस्टमास्टर ने कारण पुछा, तो पोस्टमैन ने वे जूते टेबल पर रखते हुए सारी कहानी सुनाई और भीगी आँखो और रुंधे कंठ से कहा,'' आज के बाद मैं उसगली मे नही जा सकूँगा।उस अपाहिज बच्ची ने तो मेरे नगे पाँवो को तो जूते दे दिये पर मै उसे पाँव कैसे दे पाऊँगा?''

संवेदनशीलता का यह श्रेष्ठ –टात है। संवेदनशीलता यानि, दूसरो के दु ख–दर्द को समझना, अनुभव करना और उसके दु ख–दर्द मे भागीदारी करना, उसमे शरीक होना।यह ऐसा मानवीय गुण है जिसके बिना इंसान अधूरा है।

ईश्वर से प्रार्थना है कि वह हमे संवेदनशीलता रूपी आभूषण प्रदान करे ताकि हम दूसरो के दु ख–दर्द को कमकरने मे योगदान कर सके। संकट की घड़ी मे कोई यह नही समझे कि वह अकेला है, अपितु उसे महसूस हो किसारी मानवता उसके साथ है।जब रोगी पूरी तरह अच्छा हो गया तो उसे कुछ रूपये देकर विदा किया।

गणतंत्र दिवस कार्यक्रम का आयोजन
26 जनवरी, 2016

समर्पण संस्था द्वारा गणतंत्र दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत जनाब अब्दुल सलाम जौहर ने झण्डारोहण के साथ की। इस अवसर पर संस्था द्वारा ''राष्ट्र विकास में शिक्षित व सम्पन्न वर्ग का दायित्व'' विषयक विचारमाला रखी गई जिसमें प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने उक्त विषय पर अपने विचार रखे।

रक्त दान शिविर का आयोजन
28 फरवरी, 2016

समर्पण संस्था द्वारा 5 वें रक्तदान शिविर का आयोजन स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक के सहयोग से प्रताप नगर सेक्टर –19 स्थित राजकीय विद्यालय में किया गया। शिविर का उद्घाटन संस्कृति युवा संस्था के अध्यक्ष व प्रदेश कांग्रेस सचिव पंडित सुरेश मिश्रा ने फीता काटकर किया तथा सभी रक्तदाताओं को संस्था द्वारा प्रशस्ति पत्र व उपहार देकर प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर 'मानव शरीर का समाज के लिए योगदान' विषयक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें उक्त विषय पर वक्ताओं ने अपने विचार प्रस्तुत किये । शिविर के अंत में कुल 62 यूनिट रक्तस्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक द्वारा एकत्रित किया गया ।

शिक्षा सहायता, प्रतिभा व समाज गौरव सम्मान समारोह
7, जुलाई 2016

समर्पण संस्था द्वारा सरकारी स्कूलों में अध्यनरत जरूरतमंद व गरीब विद्यार्थियों की मदद के उद्देश्य से 'शिक्षा सहायता, प्रतिभा व समाज गौरव सम्मान समारोह' का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों को आवश्यकतानुसार शिक्षा सामग्री वितरित की गई तथा विभिन्न सामाजिक कार्यो से जुड़े प्रबुद्धजनों को संस्था की ओर से समाज गौरव सम्मान प्रदान करके सम्मानित किया गया।

रक्त दान शिविर का आयोजन
7 अगस्त, 2016

रॉयल जिम व समर्पण संस्था के संयुक्त तत्वावधान में स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक के सहयोग से विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन र यल जिम परिसर में जिम के उद्घाटन के अवसर किया गया। शिविर की शुरुआत राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती सुमन शर्मा ने फीता काटकर की । संस्था की ओर से रक्तदाताओं को उपहार स्वरुप संस्था के स्मृति लोगो प्रिंटेड कप व प्रशस्ति पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया। शिविर में कुल 67 यूनिट रक्तस्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक द्वारा एकत्रित किया गया ।

स्वतन्त्रता दिवस समारोह
15 अगस्त, 2016

समर्पण संस्था द्वारा स्वतन्त्रता दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत झण्डारोहण के साथ की गई। कार्यक्रम में संस्था की संचालित व आगामी गतिविधियों के बारे में विस्तृत चर्चा की गई ।

समर्पण संस्था का "7वाँ वार्षिक अधिवेशन" व कैशलेस सोसाइटी के लिए डिजिटल जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम

18 दिसम्बर, 2016

समर्पण संस्था द्वारा संस्था के 7 वें वार्षिक अधिवेशन पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आव्हान पर डिजिटल इंडिया के तहत 'कैशलेस सोसायटी के लिए डिजिटल जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम' का आयोजन किया गया जिसमें कैशलेस ट्रांजेक्शन की विस्तृत जानकारी के लिए विभिन्न क्षेत्रों के जानकारों द्वारा आम जनता के लिए निःशुल्क जानकारी उपलब्ध करवाई गई तथा साथ ही प्रोजेक्टर के माध्यम से भी सॉफ्टवेयर इंजीनियर द्वारा ऑनलाइन कैशलेस ट्रांजेक्शन के बारे विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में सांसद श्री रामचरण बोहरा व राज्यसभा सांसद श्री रामकुमार वर्मा भी मौजूद रहे तथा सामाजिक हित के लिए आयोजित संस्था के इस कार्यक्रम की सराहना की।

समर्पण संस्था बनाम् मानवता का धर्म

साध्वी मनीषा बहन
(समाजसेवी)

मुझे यह लिखते हुए गर्व होता है कि समर्पण संस्था सभी धर्मों से मुक्त है। इस संस्था के संस्थापक दौलत राम भाई जी और सभी सदस्य ह्रदय से मानवता के लिए समर्पित हैं। जब किसी संस्था का जाति–पाति, राजनीति या किसी भी धर्म से संबंध न रहे तो ऐसी संस्था ऊँचे से ऊँचे शिखर को पाती है। इसलिए नहीं कि धर्म नहीं है, बल्कि इसलिए कि धर्म के बिना झुकना आ जाए।

असली सवाल धर्म का नहीं है कि धर्म हो और एक सम्प्रदाय बनें। असली सवाल सच्ची श्रद्धा व सच्चे प्रेम से मानवता के उत्थान का है। सच्ची श्रद्धा एवं सच्चे प्रेम से ही मानवता का उत्थान हो सकता है तभी विश्व में शांति की स्थापना संभव है। जब भी मनुष्य धर्म के आधार पर बनाए गये मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा, चर्च जाता है तो उसमें विराजमान परमात्मा, अल्लाह, वाहे गुरु, ईश्वर के सामने इसलिए झुकता है क्योंकि उसकी कोई न कोई महत्वाकांक्षा होती है, इच्छाएं होती हैं। लेकिन झुकना इंसान की फितरत नहीं है और न ही स्वभाव है। अगर वहां जाकर झुकने से परमात्मा छीनना शुरू कर दे या झुकने में हानि होती हो तो क्या कोई झुकेगा? स्वार्थ से जो झुका वह कैसा झुकना। यह तो स्वार्थ का व्यापार हुआ। सदैव ध्यान रखना स्वार्थ से मनुष्य का सिर झुकता है, ह्रदय नहीं। क्योंकि ह्रदय हिसाब नहीं जानता है। ह्रदय बिना हिसाब के झुकता है। ह्रदय तो कमजोर और नाजुक के सामने भी झुक जाता है। सिर नहीं झुकता। सिर है मनुष्य का अहंकार। ह्रदय यानी मनुष्य का सच्चा प्रेम और मानवता की सेवा।

सच्चा प्रेम स्वभाव होना चाहिए। तब धर्म के प्रेम मसीहा की मौजूदगी की जरूरत नहीं है। अगर इंसान के पास प्रेम ही नहीं है तो धर्म के प्रेम मसीहा की मौजूदगी कहां से पैदा होगी? जिस ह्रदय में सच्चा प्रेम है वही आस्तिक है और उस ह्रदय में ही मानवता का वास है। जहां भी उसकी नजर पड़ेगी वहीं सभी धर्मों के परमात्मा पैदा हो जाएंगे। सच्चे प्रेम से भरी हुई आंख जहां पड़ेगी वहीं मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे, चर्च निर्मित हो जाएंगे। जहां प्रेम से भरा हुआ ह्रदय धड़केगा, वहीं एक और नया काबा बन जाएगा, एक नयी काशी पैदा होगी। क्योंकि जहां सच्चा प्रेम है, वहीं परमानंद प्रकट हो जाता है।

असली सवाल धर्म का नहीं है, असली सवाल प्रेमपूर्ण ह्रदय का है। इसलिए समर्पण संस्था ने धर्म को चर्चा के बाहर छोड़ दिया और लाखों लोगों को ह्रदय से मानवता की सेवा के प्रति समर्पित होने का संदेश दिया। समर्पण संस्था ने कभी भी धर्म की बात ही नहीं उठाई और न मालूम कितने ह्रदयों को झुका दिया। जब वृक्ष फलों से लद जाता है तो झुक जाता है। इसलिए नहीं कि फलों के खाने वाले पास आ रहे हैं बल्कि अपने भीतर के अपूर्व सच्चे प्रेम बोझ से झुक जाता है। इसी प्रकार इंसान धर्म के कारण नहीं झुकता। अपने भीतर ह्रदय के सच्चे प्रेम बोझ के कारण झुक जाता है। समर्पण संस्था का नेक कर्म मानवता के लिए अमृत है जिसका रस लेकर उसकी शाखाएं शांति से, आनंद से और अपने ह्रदय के सच्चे प्रेमभाव से झुकने लगी हैं। अनाथ एवं जरूरतमंद बच्चों के लिए शिक्षा का प्रबंध करना और अपने पांव पर खड़ा करना, ब्लड डोनेशन, पक्षियों के लिए पानी का प्रबंध और सबकी सेवा, सबको प्यार एवं सम्मान इस संस्था का मुख्य लक्ष्य है। संस्था के संस्थापक अध्यक्ष दौलत राम माल्या भाई जी ने समर्पण संस्था के लिए 450 वर्गगज का एक प्लाट दान करके अपने विशाल ह्रदय एवं मानवता के प्रति समर्पण भाव का उत्कृष्ठ उदाहरण पेश किया है। इस जमीन पर अनाथ बच्चों के रहने के लिए एक भवन निर्माण की योजना संस्था ने बनायी है। आओ हम सब भी समर्पण संस्था को अपनी इच्छानुसार दान देकर इस नेक कार्य में सहयोग करके पुण्य के भागी बने।

SHREE BALAJI ENTERPRISES

The Complete Interior Solution

Smart Modular Kitchen & Interiors

Supplier of Kitchen Accessories & Hardware

1st Floor, Kamal Motors, Vijay Path, Mansarover,
Muhana Road, Dadudayal Nagar, Jaipur (Raj.)
Contact : 9001507505, 9001417694
Email : shreebalajienterprises1988@gmail.com

3D ART STUDIO

ARCHITECTURAL VISUALIZATION

- 3D Interior Designing
- Exterior Designing
- Logo Designing
- Brochure Designing
- Walkthrough Designing
- Advertisement Movies

For More Information Please Contact :

SUBHASH KUMAWAT
+91 95296 44343
subhash3d@yahoo.in

इलेक्ट्रीकल कॉन्ट्रेक्टर

शंकरलाल बैरवा

(इलेक्ट्रीशियन एवं सहारा इण्डिया ऐजेन्ट)

हमारे यहाँ सभी प्रकार की इलेक्ट्रीकल फिटींग जैसे ओपन, अंडरग्राउण्ड, मोडूलर फिटींग आदि का कार्य किया जाता है।

प्लॉट नं. 31, विनायक विहार, कोकावास, सांगानेर, जयपुर
मो. 9829167272, 7976731892, 9829167272
E-mail : shankarlal@gmail.com

P.O.P. CONTRACTOR

Designer of False Ceiling, Gypsum Ceiling Corners Design, Bidding Work etc.

Ram Raj Singh

Plot No. 33, Ganeshpuri Colony, Khatipura Road, Jaipur
Contact : 9636197546, 9549255493

विकास सोमानी

(Advocate)

उपाध्यक्ष

अर्न्तराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन (जयपुर जिला),
जयपुर

67/81, सेक्टर–6, श्योपुर रोड़, प्रताप नगर,
टोंक रोड़, जयपुर
Mobile : 9672434343
Email : vsgroupind@gmail.com
Website : vsgroupind.com

Hanuman Kumhar
9950363560

49-B, Kalyan Nagar, Rampura Road,
Sanganer, Jaipur

MANISH JAJOO
+91-9414058504
+91-8058280008

DINESH JAJOO
+91-9887487818
+91-8058280004

GOVINDAM

TILES & SANITARY

A House of Ceramic Tiles, Sanitary & Bath Fitting

Naresh Saini

R.K.

General & Gift Store

Kitchen Appliances & Crockery Shop

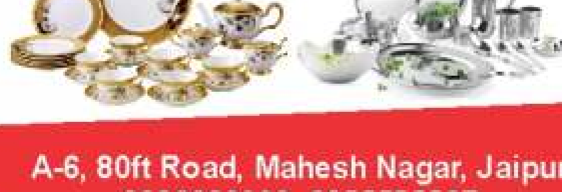

A-6, 80ft Road, Mahesh Nagar, Jaipur
9982022333, 8955555587

संस्था की गतिविधियाँ 2017

समर्पण संस्था की नवनिर्मित कार्यकारिणी की मीटिंग का आयोजन
07 जनवरी, 2017

समर्पण संस्था द्वारा हाल ही में नवगठित कार्यकारिणी की मीटिंग का आयोजन किया गया जिसमें कार्यकारिणी में नवगठित सदस्यों को उनके कार्यों व जिम्मेदारियों से अवगत करवाया गया तथा संस्था के कार्यों को और सुव्यवस्थित व सुचारू रूप से संचालित करने की रूपरेखा बनाने के लिए परिचर्चा की गयी । साथ ही संस्था के संस्थापक अध्यक्ष श्री डी.आर. माल्या द्वारा प्रस्तावित ''समर्पण आश्रय केयर'' भवन के लिए स्वयं का भूखंड संस्था को दान करने आव्हान किया गया ।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर निःशुल्क दन्त चिकित्सा व आई कैम्प तथा संस्था की नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह

26 जनवरी, 2017

समर्पण संस्था द्वारा गणतंत्र दिवस के अवसर पर संस्था की नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह रखा गया जिसमें 35 सदस्यीय कार्यकारिणी सदस्यों को श्री ओ.पी. बैरवा (निदेशक, सांख्यकी विभाग) ने अपने पद की शपथ दिलाई। कार्यक्रम की शुरुआत झण्डारोहण के साथ की गई। इस अवसर पर संस्था द्वारा त्रिवेदी डेंटल क्लीनिक व अग्रवाल आई हॉस्पिटल के सहयोग से दन्त चिकित्सा शिविर तथा आई कैंप का आयोजन किया गया जिसमें लोगों ने बढ़चढ़ कर चिकित्सा जाँच का लाभ उठाया। साथ ही 'मानव समाज व राष्ट्र के लिए "दान का महत्व विषयक विचारमाला" रखी गई जिसमें प्रबुद्धजनों ने इस विषय पर अपने विचार रखे।

जयपुर मैराथन में भागीदारी
22 फरवरी, 2017

संस्कृति युवा संस्था द्वारा आयोजित जयपुर मैराथन दौड़ में समर्पण संस्था के सदस्यों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। संस्था सदस्यों द्वारा सामाजिक जागरूकता के तहत ''एक दो एक दो, पेड़ काटना छोड़ दो। 'बेटी नहीं है किसी से कम, मिटा दो अपने सारे भ्रम' तथा 'जब हरियाली छाती है, जीवन में खुशियां आती है' आदि नारे लगाकर समाज को जागरूक किया। मैराथन की शुरुआत रामनिवास बाग से शुरू हुई जो वर्ल्ड ट्रेड पार्क पर समाप्त हुई तत्पश्चात संस्था सदस्यों ने जे.एल.एन. मार्ग स्थित 24 घंटे सरस पार्लर पर आपसी परिचय के साथ सभी से सहयोग से दूध जलेबी का नाश्ता किया।

7 वें रक्त दान शिविर का आयोजन
30 अप्रैल, 2017

समर्पण संस्था द्वारा स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक के सहयोग से 7वें विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन प्रताप नगर सेक्टर 11 के सामुदायिक केंद्र में किया गया जिसमें मानवता के प्रेमियों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। शिविर के अंत में स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक द्वारा 54 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। साथ ही संस्था द्वारा शिविर में फ्री बॉडी फेट एनालेसिस का विशेष काउन्टर लगाया गया जिसमें शरीर की जाँच करवाकर अनेक लोगों ने फायदा उठाया। इस अवसर पर 'आनंद व आत्मसंतुष्टि की पराकाष्ठा–मानव सेवा' विषयक विचार गोष्ठी में मुख्य अतिथि श्री पदम कुमार जैन प्रमुख सचिव लोकायुक्त सचिवालय ने रक्तदान को श्रेष्ठदान बताते हुए कहा कि शरीर के अंगों द्वारा किया गया दान श्रेष्ठ होता है।

Murlidhar Prajapati
+91-9819259205

KP
Lifestyle Furnishings LLP

Deals In :

CURTAIN FABRIC • MATTRESS • UPHOLSTERY • BEDSHEETS • CURTAIN RODS
PVC/WOODN FLOORING • BLINDS • AUTOMATION • WALLPAPER • OTHER ACCESSORIES

Shop No 1-2, 75/10-C, Sector-7, Shipra Path, Mansarovar, Jaipur
Email : info@kpfurnishings.com, www.kpfurnishings.com

CIVIL CONTRACTOR

Rajendra Kumar Bairwa
+91-9950929871

All types of Building Construction Work

Village-Hanumanpura, Post-Khijuriya,
Teh.- Bassi, Dist- Jaipur. (Raj)

समर्पण : एक विचारधारा

रामलाल 'रोशन'
(जयपुर)

हमारा जैसा भाव होता है वैसी ही हमारी भावना बन जाती है। भावना के अनुरूप ही हमारे विचारों की अभिव्यक्ति होती है। जिस प्रकार पानी पहाड़ों से निकल कर धोरों का रूप लेता है फिर नहरों में मिलता है उसके बाद बड़ी नदी में मिल जाता है तो एक धारा का रूप ले लेता है इसी प्रकार हमारे विचारों का उद्गम हमारे भाव से होता है और अंततः नदी रुपी विचारधारा का प्रवाह होता है। हमारे विचारों में सम्पूर्ण मानवता के भले की भावना तभी आ सकती है जब हमारे विचारों का नदी रुपी सकरात्मक प्रवाह समुद्र रूपी अथाह गहराई का रूप लेता है जिसमें सम्पूर्ण मानवता की भलाई की भावना समाहित होती है। इस अवस्था में समर्पण का जन्म होता है। सम्पूर्ण मानवता के लिए समर्पण वही कर सकता है जिसके विचारों की यात्रा पहाड़ों से निकलने वाले पानी की भाँति अंततः समुद्र की गहराई तक जाती हो और वही अपने आप में "वसुधैव कुटुंबकम्" की भावना को लेकर चलने वाला इंसान होता है उसके दिल की गहराई संसार के प्रत्येक मनुष्य के दिलों के दर्द को पहचान लेने वाली होती है चाहे वह किसी भी कौम से, किसी भी क्षेत्र से, किसी भी पहनावे से या फिर किसी भी भाषा से ताल्लुक रखता हो।

विचारों की शुद्धता उन लोगों के संपर्क से मिल सकती है जो सम्पूर्ण मानवता के भले की भावना मन में रखते हों न कि किसी विशेष कौम से या जातिगत समुदाय से सम्बन्ध रखता हो या बढ़ावा देता हो। "संपूर्ण मानवता एक ही कौम है" यह भावना ही सम्पूर्ण जगत में खुशहाली ला सकती है और तभी —

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया ।

सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चित् दुःख भाग भवेत्।।

का सपना साकार हो सकता है।

हर व्यक्ति अपने जीवन में छोटे छोटे रूप में समर्पण करता ही रहता है। बचपन में वह अपने संग खेलने वाले बच्चों के साथ छोटे छोटे वादे करता है उनको निभाता है और अपना सम्बन्ध मजबूत करने की कोशिश करता है जिसमें उसे कई जगह मजबूरी में समर्पण करना पड़ता है जहां उसे ग्लानि भी महसूस होती है लेकिन भविष्य के लिए उसे बहुत कुछ बिना किसी के सिखाये सीखने को मिलता है और उसकी नींव मजबूत होती है जो बच्चा इस अवस्था में सीखने की भावना रखता है और इस तरह की घटनाओं में किये गये अनावश्यक समर्पण को स्वीकार करता है वही भविष्य में जीवन की सच्चाई से रूबरू होता है। बचपन का यह समर्पण कहीं स्वार्थ के वशीभूत होता है तो कहीं बदले में अपने लिए समर्पण मांगता है लेकिन समर्पण की यह भावना हमेशा जिन्दा रहती है जो भविष्य के हमारे चरित्र को इंगित करती है और इसके विपरीत जो बच्चा बचपन में ही अपना ईगो हर्ट नहीं होने देता वह सामाजिक नहीं होता बल्कि वह सिर्फ अपने लिए जीता है अपने बारे में सोचता है। यह प्रक्रिया स्कूल कॉलेज से लेकर प्रतिष्ठित सामाजिक जीवन तक हमें समाज व देश में स्थापित करती है चाहे फिर वो सकारात्मक हो या नकारात्मक।

जहाँ हमें पारिवारिक जीवन में कदम कदम पर समर्पण करना पड़ता है तभी हम सुखमय जीवन जी पाते है उसी प्रकार पूरे विश्व को अपना परिवार मानकर समर्पित जीवन जीने वाले एक ठंडी सुराही की भाँति खुद तो ठन्डे रहते ही है संसार को भी निरंतर शीतलता प्रदान करते चले जाते हैं।

अन्य सामाजिक संस्थाओं के कार्यक्रमों में समर्पण संस्था की भागीदारी

'मुझे अभी तक नहीं मिला इंसाफ'

నిధుల ఖర్చుపై సంతృప్తి

Ramkishore Swarnkar
9414078031

Ashok Kumar Soni
9950437170

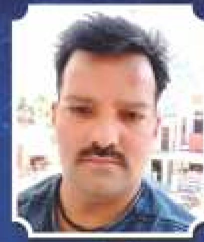

Hanuman Swarnkar
9928365220

B.R. Sons

Main Bazar, Chaksu

B.R. Sons & JEWELLERS

Gattewale Baba, Tonk Phatak, Tonk Road, Jaipur

Deals in Pure 916 Gold and Silver Jewellery

Proposed

B.R. Sons

& JEWELLERS

समाचार पत्रों में प्रकाशित समर्पण संस्था की गतिविधियाँ

श्री बाबा

समर्पण संस्था द्वारा 54 यूनिट रक्तदान

रॉयल पात्रेव

समर्पण संस्था के रक्तदान शिविर में 54 यूनिट रक्त एकत्रित

संजीवनी टुडे

समर्पण संस्था द्वारा शिक्षा सहायता, प्रतिभा व समाज गौरव सम्मान समारोह आज

समाचार जगत

शिविर में 65 यूनिट रक्त जुटा

राजस्थान पत्रिका

2. रक्तदान शिविर

डेली न्यूज़

65 यूनिट रक्त एकत्रित

समाचार जगत

शिक्षा सहायता, प्रतिभा व समर्पण समाज गौरव-2016 आज

सीमा संदेश

समर्पण संस्था का शिक्षा सम्मान समारोह-2016 आज

दैनिक नवज्योति

54 यूनिट रक्त एकत्र

समाचार जगत

सीमा संदेश

समर्पण संस्था व रॉयल जिम द्वारा 65 यूनिट रक्तदान

डेली न्यूज़

दैनिक नवज्योति

रक्तदान शिविर का आयोजन

दैनिक भास्कर

डेली न्यूज़

शिविर में हुआ 54 यूनिट रक्तदान

सांगानेर पत्रिका

भ्रष्टाचार मिटाने के लिए कैशलेस व्यवस्था जरूरी

लोकतंत्र का संदेश

हिन्दी पाक्षिक समाचार पत्र

समाचार जगत

रक्तदान शिविर आज

समाचार पत्रों में प्रकाशित समर्पण संस्था की गतिविधियाँ

मॉर्निंग न्यूज़

मानवता की सेवा ही सबसे पुनित कार्य : वर्मा

शिक्षा सहायता, प्रतिभा एवं समाज गौरव सम्मान समारोह का आयोजन

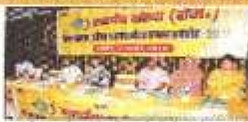

दैनिक भास्कर

भारत को विश्व गुरु बनाने में कैशलेस सोसायटी जरूरी

डेली न्यूज़

कैशलेस होने से कम होगा भ्रष्टाचार

दैनिक नवज्योति

54 यूनिट रक्त एकत्र

संजीवनी टुडे

समर्पण संस्था व रॉयल जिम द्वारा 65 यूनिट रक्तदान

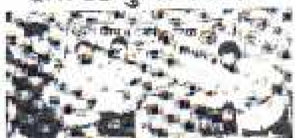

संजीवनी टुडे

भारत को विश्व गुरू बनाने में कैशलेस सोसायटी जरूरीः रामचरण बोहरा

संजीवनी टुडे

समर्पण संस्था व रॉयल जिम द्वारा रक्तदान शिविर आज

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

भारत को विश्व गुरू बनाने में कैशलेस सोसायटी जरूरी : बोहरा

सांगानेर पत्रिका

जीवन का सर्वश्रेष्ठ दान है 'रक्तदान'

समर्पण संस्था ने किया आयोजन

54 यूनिट रक्तदान किया गया

समर्पण संस्था का रक्तदान शिविर

प्रतापनगर. समर्पण संस्था की ओर से रविवार को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर और विचार गोष्ठी आयोजित की जाएगी। सुबह 9 से दोपहर 1.30 बजे तक होने वाला शिविर प्रतापनगर के कुंभा मार्ग स्थित सेक्टर 11 के सामुदायिक केन्द्र में होगा। संस्था के अध्यक्ष दौलतराम माल्या ने बताया कि इस मौके पर 'आनन्द व आत्म संतुष्टि की पराकाष्ठा-मानव सेवा' विषयक विचार गोष्ठी भी आयोजित होगी।

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

शिविर में 65 यूनिट रक्तदान

जयपुर, (कासं)। मानवता व परोपकार के लिए समर्पित समर्पण ' संस्था व रॉयल जिम द्वारा कुम्भा मार्ग प्रताप नगर में आयोजित रक्तदान शिविर में आज 65 यूनिट रक्तदान किया गया। शिविर स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक के सहयोग से आयोजित किया गया। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष सुमन शर्मा व विशिष्ट अतिथि पुलिस उपाधीक्षक राकेश कुमार बैरवा ने फीता काटकर किया। समर्पण संस्था के संस्थापक अध्यक्ष दौलतराम माल्या ने मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

समाचार पत्रों में प्रकाशित समर्पण संस्था की गतिविधियाँ

राजस्थान केसरी

निर्धन बच्चों को लिया गोद

जयपुर, (कासं): शिक्षा का उद्देश्य सेवा, सहयोग, समर्पण हो। शिक्षा को हम रोजगार के साथ न जोड़ें। उक्त विचार आज समर्पण संस्था द्वारा अपने प्रधान कार्यालय कृष्णा मार्ग प्रताप नगर में आयोजित शिक्षा सहायतार्थ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी दीपक महान ने व्यक्त किए। समर्पण संस्था ने इस कार्यक्रम में कुल 18 जरूरतमंद, असहाय बच्चों को शिक्षण सामग्री वितरित कर उन्हें शिक्षा के लिए गोद लिया। इन बच्चों का शिक्षा से संबंधित व्यय संस्था वहन करेगी।

राजस्थान पत्रिका

18 बच्चों को गोद लिया

दीक्षा दर्पण

दैनिक भास्कर

भारत को विश्व गुरु बनाने में वैलफेयर सोसायटी जरूरी

महका भारत

शिक्षा का उद्देश्य सेवा, सहयोग, समर्पण हो–महान

जयपुर, 17 जनवरी (कासं)। शिक्षा का उद्देश्य सेवा, सहयोग, समर्पण हो। शिक्षा को हम रोजगार के साथ न जोड़ें।

राजस्थान केसरी

जरूरतमंद बच्चों को सहायता देगी समर्पण संस्था

जयपुर, (कासं): समर्पण संस्था की ओर से रविवार को दोपहर 2 बजे से समर्पण कार्यालय कृष्णा मार्ग, प्रताप नगर में जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा सहायतार्थ कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम में संस्था कमेटी द्वारा चुने गए जरूरतमंद बच्चों को उनकी जरूरत की शिक्षा सम्बन्धी सामान की किट भेंट की जाएगी। कार्यक्रम में संस्था के सभी संरक्षक, विशिष्ट, सम्मानीय, आजीवन, विद्यार्थी सदस्य भाग लेंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रतिष्ठित शिक्षाविद्, लेखक, समाजसेवी दीपक महान होंगे।

न्यूज़ टुडे

जयपुर ◆ सोमवार 18 जनवरी 2010

संस्था बनी निर्धन बच्चों का सहारा

जयपुर, 18 जनवरी (न्यूज टुडे)

श्री बाबा

समर्पण संस्था द्वारा 54 यूनिट रक्तदान

दीक्षा दर्पण

समर्पण समाज गौरव सम्मान व शिक्षा सहायता के लिए आवेदन आमन्त्रित

करंटज्वाला

समर्पण संस्था ने लिया निर्धन बच्चों को गोद

समाज गौरव सम्मान के लिए मांगी प्रविष्टियां

समर्पण और दान का वास्तविक अर्थ

✍ संदीप विजयवर्गीय
(इंटीरियर डिजाईनर)

समर्पण :- समर्पण का अर्थ है सम + अर्पण = समर्पण इसका अर्थ हुआ अपने मन को अर्पण कर देना। समर्पण का मतलब होता है अपने अहंकार का त्याग करना जिसके समक्ष हमने समर्पण किया है उसके कहे अनुसार जीवन का गुजारा करना। आत्मसमर्पण का भी अध्यात्म में यही अर्थ होता है कि अपनी आत्मा का समर्पण कर देना। सारी उम्र भर हम अपने अहंकार को छोड़ नहीं पाते। हम दूसरों को बिना लोभ लालच कुछ अर्पण भी नहीं कर पाते। भगवान को भी कुछ पाने की लालसा से ही प्रसाद चढ़ाते हैं, लालसा पूर्ण नहीं होती तो भगवान बदल लेते हैं जबकि भगवान तो एक ही है।

''बहुत पुरानी बात है। जापान में एक कारखाना था उसमें बहुत से मजदूर काम करते थे। वो सभी मजदूर बड़ी ही लगन से काम करते थे। एक मजदूर जिसके पास केवल एक ही काम था कि उसे हर मशीन में केवल चार स्क्रू फिट करने होते थे।

एक दिन एक विदेशी उस कारखाने को देखने आया। उसने देखा सभी अपना-अपना काम बड़ी निष्ठा से कर रहे थे तभी उसकी नजर उस स्क्रू लगाने वाले मजदूर पर पड़ी। उसने देखा कि वह मजदूर चार स्क्रू भी बड़ी एकाग्रता से लगा रहा था। वह विदेशी उस मजदूर के पास गया और पूछा कि इस काम में इतना एकाग्रचित्त होकर करने लायक क्या है ? तब उस मजदूर ने उत्तर दिया- यह मशीन विदेश जायेगी और इसका एक भी स्क्रू ढीला नहीं होना चाहिए। सभी स्क्रू ठीक तरह से लगे होने चाहिए अन्यथा लोग कहेंगे कि जापानी मशीन ठीक नहीं होती।

मैं नहीं चाहता की मेरे देश के सामान की गुणवत्ता पर कोई ऊँगली उठाये इसलिए मैं अपना काम एकाग्रचित्त होकर करता हूँ और मुझे अपने काम पर भरोसा है। ये बात सौ फीसदी सच है कि ऐसे अनगिनत मजदूर जापान में हैं जिन्हें अपने काम पर पूरा भरोसा है। तभी विनाश की राख से उठकर जापान फिनिक्स जैसी उड़ान भर सका।

अगर कोई इंसान अपना तन- मन-धन अर्पण कर दे और अपनी सारी शक्ति और कुशलता लगा दे तथा त्याग और समर्पण के साथ पूरी निष्ठा से काम में जुट जाए तो सफलता उसके सामने खुद घुटने टेक देगी।

किसी भी इंसान को अपने काम में संदेह नहीं होना चाहिए की मुझे यह क्यों करना है, इसमें क्या रखा है, इस काम को करके पता नहीं फायदा होगा की नुकसान। इस तरह के विचार समर्पण की भावना में बाधक बनते हैं। आपकी एकाग्रता को भंग करते हैं। इसलिए हमने हमेशा जो काम हाथ में लिया है, चाहे वह बड़ा हो या छोटे से छोटा। उसे पूरी निष्ठा और एकाग्रता के साथ पूरा करना चाहिए तभी हमें हर काम में सफलता मिलेगी। क्योंकि जो इंसान एक छोटा काम पूरी एकाग्रता के साथ कर सकता है वह बड़े काम की जिम्मेदारी भी बखूबी निभा सकता है। अगर हम अपने काम के प्रति समर्पण निष्ठा और दृढ़ इच्छा शक्ति रखेंगे तो हमें निश्चय ही सफलता प्राप्त होगी।''

दान :- एक नगर था। उसमें एक विशाल मंदिर का निर्माण होना था। उस विशाल मंदिर के निर्माण के लिए चंदे की आवश्यकता थी। इसलिए इस मंदिर के निर्माण के लिए जोर शोर से चंदा इकठ्ठा किया जा रहा था। शहर के प्रतिष्ठित लोग चंदा एकत्र करने के लिए शहर के बड़े-बड़े सेठों के पास गए।

सबसे अधिक दान देने वाले का नाम दान पट्टिका में सबसे ऊपर मोटे-मोटे अक्षरों में लिखा जाना था। शहर के प्रतिष्ठित लोग अपने नगर के सबसे बड़े सेठ के पास पहुंचे और अधिक से अधिक दान देने के लिए प्रेरित करने लगे । अब तक जितनी भी राशि जमा हुई थी उसमें सबसे अधिक दान राशि की रसीद जमाकर्ताओं ने सेठ के सामने रख दी। रसीद देखकर सेठ जी ने जमाकर्ताओं से पूछा - तुम मुझसे क्या चाहते हो ? तो उनमें से एक ने कहा कि एक सज्जन ने 11 लाख रूपये दान में दिए हैं, आप कम से कम 12 लाख रूपये अवश्य दें। ऐसा करने से दान पट्टिका में आपका नाम सबसे ऊपर लिखा जाएगा। यह सुनकर सेठ जी ने कहा कि इस नेक काम के लिए मैं दान तो अवश्य दूंगा लेकिन मेरी एक शर्त है, इस पर जमाकर्ताओं ने अचंभित होकर पूछा-कैसी शर्त ?

सेठ जी बोले - मैं भले ही सबसे ज्यादा दान दूं मगर मेरा नाम दान पट्टिका में नहीं होना चाहिए। आप मोटे अक्षरों में उन्हीं सज्जन का नाम दान पट्टिका पर लिखना जिन्होंने अब तक सबसे ज्यादा रकम दी है। इसके बाद सेठ जी ने उन्हें 20 लाख रूपये दान में दिए और कहा- अगर मैं कोई भी दान, दान पट्टिका में नाम लिखवाने के लिए दूंगा तो वह दान सही रूप में दान नहीं होगा। वास्तव में वह यश की कामना के लिए दिया गया दान होता है जो सकाम कर्म की श्रेणी में आता है। दान तो सदैव यश की कामना से ऊपर उठकर ही देना श्रेयकर होता है। कोई भी दान जो निःस्वार्थ होकर निष्काम भाव से दिया जाता है वही सात्विक सुख और आनंद देता है।

''इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि दान हमेशा दिल से देना चाहिए न कि दूसरों को दिखाने के लिए या फिर दूसरों के सामने अच्छा बनने के लिए। जब भी हम बिना दिखावे के किसी भी प्रकार का दान देते हैं, वही दान हमें आंतरिक खुशी देता है।''

।। श्री श्याम देवाय नमः ।।

Home Solution
Pest Control Service

Treatment for :

- Bird Spike
- Bird Net
- Termite
- Cockroach
- Rats
- Wood Borer
- Total Termite Solution

Teena
9549636333
9549645079

99-B, Devi Nagar, New Sanganer Road,
Jaipur (Rajasthan)
E-mail : hsjpr888@gmail.com

वूड आर्ट फर्नीचर

मूलचन्द गौठवाल
9829475937

लक्ष्मी नारायण बेनीवाल
9799809257

हमारे यहाँ सभी प्रकार के फर्नीचर का कार्य
उचित दरों पर किया जाता है।

ग्राम श्रीरामपुरा, पोस्ट फालियावास, तह. बस्सी,
जयपुर, राजस्थान

HEMRAJ DHAWAN
+91-9782310691
+91-9950339923

Garima
ARCHITECTS
A Creative Thought

PLANNING, DESIGNING, SUPERVISION OF BUILDING

P.No. 336, Tirupati Balaji Nagar, Near Sanganer Thana, Jaipur
Email : hemrajdhawan1988@gmail.com

सिर्फ जेब ही क्यों भरना

जेठानन्द नन्दवानी
संरक्षक सदस्य, समर्पण संस्था

आदमी की फितरत में है धन जमा करके रखना। आदमी सरे आम सुनाता भी रहता है कि बहुत मेहनत करके धन कमाया है और उसमें से ही मैने कुछ धन बचाया भी है।

कमाया, बहुत कमाया दिन–रात मेहनत करके कमाया, ऐसा कहते हुए आदमी खुद ही कहता है कि कम आया जो भी कमाया वो कम ही आया। एक लाख कम आया तो फिर दूसरा लाख कमाया। कमाया कहते कहते इतना कमाया कि बहुत कुछ बचा भी पाया। मतलब ज्यादा मेहनत करके ज्यादा कमाया तो ही तो बहुत कुछ बचा पाया।

यहाँ सवाल ये है कि क्या कोई आदमी जिन्दगी के अन्त समय में अपने साथ कुछ ले जा पाया, जो ज्यादा मेहनत करके धन बचाया। किसी ने कहा भी है कि आपकी मौत के बाद जो कुछ भी बैंक में जमा है वो अतिरिक्त मेहनत करके अतिरिक्त राशि दूसरों के लिए ही जमा की गई है और अपनी सेहत को नहीं संभाला गया है।

हम सब जानते है कि दुनिया में आने वाले बच्चे का पहला कपड़ा होता है–छोटी लंगोटी। जिसमें जेब नहीं होती और दुनिया से जाने वाले आदमी का अन्तिम कपड़ा होता है–कफन। उनमें भी जब नहीं होती। लेकिन किसी भी जिन्दा आदमी ने अपनी जेबें भरने में कोई कसर नहीं छोड़ी होती है।

खुश नसीब होते हैं वो जो खुद भी खुश रहते हैं और दूसरों को भी खुश रखते हैं – अपनी कमाई हुई रकम से, मतलब कम आई रकम से।

किसी ने कहा भी है कि –

जरूरतें तो एक भिखारी की भी पूरी हो जाती है,
लेकिन ख्वाहिशें तो बादशाहों की भी पूरी नहीं होती है।

बहुत सही सुना था –

सांई इतना दीजिए, जामें कुटुम्ब समाऐ,
मैं भी भूखा ना रहूं, साधु न भूखा जाऐ।
जिसकी जेबें भरती हो वो ही ज्यादा कमा कर आये।।

वाह, प्रभु, बहुत अजीब है तेरी माया, तेरा बनाया बन्दा ही नहीं समझ पा रहा है, तेरी ही माया।।

जय श्री राम – जय श्री कृष्णा

फ्रेंकलिन ने कहा है - समय को बर्बाद मत करो क्योंकि समय से ही जीवन बना है।
इसकी महत्ता का प्रतिपादन करते हुए मनीषी जैक्सन ने कहा है सांसरिक खजानों में सबसे
मूल्यवान खजाना समय का है। उसका सदुपयोग करके दुर्बल सबल बन सकता है,
निर्धन धनवान और मूर्ख विद्वान बन सकता है। वह ईश्वर प्रदत्त एक ऐसी सुनिश्चित एवं अमूल्य निधि है
जिसमें एक क्षण भी वृद्ध कर सकना किसी के लिए भी असम्भव है।
वह किसी का दास नहीं वरन् अपनी गती से आगे बढ़ता रहता है और कभी भी पीछे मुड़कर नहीं देखता।

मानवता - विकास की आधारशिला

✍ उमेश वर्मा
(विधि अध्यापक, सांख्यिकी विभाग)

मानवता शब्द की यदि व्याख्या करें, तो मानवता का सम्बन्ध सिर्फ मानव सेवा या कल्याण से ही नहीं हैं अपितु जीवन से सम्बन्धित समस्त तत्वों के प्रति सकारात्मक सोच से है जिसमें पेड़, तालाब, नदियाँ, समस्त पर्यावरण, पशु–पक्षी तथा मानव सम्मिलित हैं। मानवता को प्रत्येक धर्म ने सर्वोपरि रखा है। अत: धर्म और मानवता का प्रत्यक्ष सम्बन्ध है। मानवता को धर्म से पृथक करना ठीक वैसा ही है, जैसा कि एक बालक को उसके संरक्षक से विहिन कर देना। हालांकि यह भी स्पष्ट है कि मानव – सेवा या कल्याण, मानवता का प्रमुख एवं अग्रणी भाग है।

हम हमारे परिवार के सुख के लिए तो सदैव प्रयत्नरत् रहते ही हैं परन्तु जब दूसरों की पीड़ा को महसूस कर उसे दूर करने का प्रयास करें वही मानव सेवा है। गौतम बुद्ध, महात्मा गाँधी, राजा राममोहन राय, ज्योतिबा फुले, डॉ. भीमराव अम्बेडकर, मदर टेरेसा, अनेकों ऐसे उदाहरण हैं, जिन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन मानव – कल्याण को ही समर्पित किया, जिनकी अन्तर्आत्मा मानवता से ओत – प्रोत थी। इन महापुरूषों ने विलासिता भरे जीवन की असीम सम्भावनाओं के होते हुए भी मानवता को सर्वोपरि रखा, जिसका सबसे बड़ा उदाहरण हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी हैं।

विकास की आधारशिला भी मानवता पर ही निर्भर करती है, फिर भले ही वो विकास विश्व स्तर पर हो या राष्ट्र, समाज, परिवार का हो या भले ही किसी समुदाय विशेष का हो। विकास एक सतत् प्रक्रिया है, अत: मानवता के बिना मानव–कल्याण व सार्वभौमिक विकास सम्भव नहीं है।

मानव विकास की बात करें, तो इस क्रम में सबसे प्रारम्भिक स्तर की इकाई है – स्वयं का सर्वांगीण विकास। यह मेरा व्यक्तिगत मत है कि समाज सुधार या मानव सेवा का प्रारम्भिक स्तर है स्वयं का व अपने आश्रितों का विकास। डॉ. अम्बेडकर जैसे शीर्ष स्तर के राजनीतिज्ञ व समाज सेवी भी यदि स्वयं को अध्ययन रूपी तपस्या में नहीं तपाते तो निश्चित ही उनका ऐसा व्यक्तित्व हमारे समक्ष आ ही नहीं पाता, जो आज पूरे विश्व में अविस्मरणीय है। स्वयं को सक्षम बना कर ही हम दूसरों को सक्षम बनाने की राह में चल पाते हैं।

इसी प्रकार स्वयं के पश्चात् विकास की अगली कड़ी, अपने परिवार के विकास की है। जो माता – पिता अथवा संरक्षक अपने बच्चों के सर्वांगीण विकास पर केन्द्रित रहते हैं, वे स्वतः ही समाज का विकास करते हैं। जब एक बच्चा सक्षम बनता है। उच्च पदों पर नियुक्ति पाता है तो वो उस परिवार, समाज, क्षेत्र, राष्ट्र सभी का प्रतिनिधित्व करता है तथा निश्चित ही वह सबके लिए गौरव का विषय भी होता है।

अब यहाँ एक महत्त्वपूर्ण प्रश्न यह उठता है कि एक बच्चा, जो अपने माता–पिता, गुरुजनों, सहपाठियों के सहयोग व मार्ग दर्शन से सफलता अर्जित करता है वो सफलता के पश्चात् समाज के व मानवता के प्रति कितना सजग व उत्तरदायी है। क्या असफलता के पश्चात् वो अपने संघर्ष के दिनों के असफलता के दौर को याद रखते हुए, अपनी पीड़ा के दर्द को महसूस करते हुए अन्यों के लिए अथवा समाज व मानवता के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हुए कार्य कर पाता हैं या नहीं। क्योंकि हमारे महापुरूषों/ समाज सेवकों ने जो पीड़ा सही वो किसी अन्य को ना सहनी पड़े इसके लिए वे अपने जीवन के अंतिम समय तक प्रयास करते रहे।

विकसित होने की राह में जो प्रथम कड़ी है, वो एक बालक की है। विशेषत: ऐसे बच्चे जो साधन विहिन व मार्ग दर्शन विहीन हैं। एक बच्चा जो सड़क के किनारे बैठे हुए स्कूल जाते हुए बच्चों को निहारता है, उनके जैसा जीवन जीने का खुली आँखों से सपना देखता है, ऐसे में जरूरत है तो उन तरसती आँखों को समझने की, उन आँखों के दर्द को पढ़ने की। यदि कोई उस बच्चे के एक अच्छा जीवन जीने की राह में सहयोगी बनता है, तो ऐसा हर कदम मानवता की ओर बढ़ता हुआ ही साबित होता है जिसके परिणाम स्वरूप समाज/राष्ट्र विकास निश्चित ही है। जिसके लिए कई समाज सेवी संस्थाएँ प्रयासरत हैं, जो कि एक सराहनीय व नमन योग्य कार्य है।

राजस्थान सरकार

सत्यमेव जयते

रजिस्ट्रीकरण प्रमाण–पत्र

क्रमांक 599 जयपुर/2009-10

यह प्रमाणित किया जाता है कि समर्पिता संस्था, 192/38 [illegible], प्रतापनगर, जयपुर जिला–जयपुर का राजस्थान संस्था रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1958 (राजस्थान अधिनियम संख्या 28, 1958) के अन्तर्गत रजिस्ट्रीकरण आज किया गया।

यह प्रमाण-पत्र मेरे हस्ताक्षरों और कार्यालय की सील से आज दिनांक 09 माह सितम्बर सन् दो हजार नौ (2009) को जयपुर में किया गया।

डी० के० शर्मा
रजिस्ट्रार संस्थाएं
रजिस्ट्रार
संस्थायें, जयपुर

मुद्रक : राजस्थान राज्य सहकारी मुद्रणालय लिमिटेड, जयपुर फोन : 2751417

भारत सरकार

कार्यालय

आयकर आयुक्त जयपुर – III

कमरा नम्बर 123, नव केन्द्रीय राजस्व भवन, स्टेच्यु सर्किल,

जयपुर ।

विषय :– आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 12 अ (अ) के अधीन न्यास/संस्थाओं का पंजीकरण –

****

समर्पण संस्था,

192/38, कुम्भा मार्ग, जयपुर ।

दिनांक 09.10.2009, को न्यास/मेमोरेन्डम ऑफ एसोसिएशन/ट्रस्ट डीड द्वारा गठित है, ने दिनांक 06.01.2010, को निर्धारित प्रपत्र में आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 12अ(अ) के अधीन पंजीकरण के लिये प्रार्थना पत्र दिया है।

1 पंजीकरण दिनांक 09.10.2009, से माना जावेगा।

2. प्रार्थना पत्र की धारा 12(अ) के तहत इस कार्यालय के प्रार्थना पत्र के रजिस्टर संख्या 70/7 न्यास/संस्था में दर्ज कर लिया गया है।

(जे. एल. बासुमातारी)

आयकर आयुक्त–III,

जयपुर।

क्रमांक: आ.आ.–III/जय./धारा 12अ(अ)/2010–11/687

दिनांक: 15.06.2010

प्रतिलिपि:–

1. समर्पण संस्था, 192/38, कुम्भा मार्ग, जयपुर ।
2. आयकर अधिकारी, वार्ड-7(2), जयपुर
3. अपर आयकर आयुक्त रेन्ज– जयपुर।

(राजेन्द्र अग्रवाल)

आयकर अधिकारी (तक. एवं न्या.),

कृते आयकर आयुक्त–III,

जयपुर।

भारत सरकार
कार्यालय
Office of the
आयकर आयुक्त (छूट),
Commissioner of Income Tax (Exemptions),
तृतीय तल, कैलाश हाइट्स, लाल कोठी, टोंक रोड़, जयपुर 302015
3rd Floor, Kailash Heights, Lal Kothi, Tonk Road, Jaipur – 302015

Name	**Samarpan Sanstha**
Address	192/38, Kumbha Marg, Pratap Nagar, Sanganer, Jaipur.
PAN	**AAEAS2034F**
No. & Date of Registration U/s 12AA	क्रमांकः आ.आ.–III/जय./धारा 12 अ(अ)/2010–11/687, दिनांक 15.06.2010
Date of Application U/s 80G	17-07-2015
Date of order	12-01-2016
Unique Registration No (URN) for 80G	**AAEAS2034F/08/15-16/T-0217/80G**

APPROVAL UNDER SECTION 80G (5)(vi) OF THE INCOME TAX ACT, 1961

The aforesaid Trust/Society/Company/Institution has been registered u/s 12AA of Income-tax Act. It is certified that donation made to **Samarpan Saristha, 192/38, Kumbha Marg, Pratap Nagar, Sanganer, Jaipur** shall qualify for deduction u/s 80G (5)(vi) of the Income-tax Act, 1961 subject to the fulfilment of conditions laid down in clauses (i) to (v) of sub-section (5) and (5B) of section 80G of the I.T. Act 1961.

2. This approval shall be valid in perpetuity w.e.f. **17-07-2015** unless specifically withdrawn.

3. The Return of Income in I.T.R.-7 along with the Income & Expenditure Account, receipts and payment account and Balance Sheet should be submitted annually to the **Income-tax Officer (Exemptions), ward-1 Jaipur** having jurisdiction over the case.

4. No change in the Trust Deed/Memorandum of Association shall be effected without the prior approval of the undersigned i.e. **Commissioner of Income-tax (Exemptions), Jaipur.**

5. Every receipt issued to a donor shall bear the Unique Registration Number (URN) and date of this order.

6. Under the Provisions u/s. 80G(5)(i)(a) the institution/fund registered u/s.12A, u/s.12AA(1)(b) or approved u/s. 10(23), 10(23C)(vi)/(via), etc., shall have to maintain separate books of accounts in respect of any business activity carried on and shall intimate this office within one month about commencement of such activity.

7. No cess or fee or any other consideration shall be received in violation of section 2(15) of the income Tax Act, 1961.

Sd/-
(Mukesh Verma)
Commissioner of Income-tax (Exemptions),
Jaipur.

No.CIT (E)/JPR/ITO(Hqrs.)/2015-16/ 4285 **Dated 12th January, 2016** 21

Copy to:-

1. **Samarpan Sanstha**, 192/38, Kumbha Marg, Pratap Nagar, Sanganer, Jaipur.
2. The Income-tax Officer (Exemptions), ward-1 Jaipur.

(Surendra Yadav)
Income Tax Officer (H.Qrs.),
For Commissioner of Income Tax (Exemptions),
Jaipur.

रजि. नं. 599/जयपुर/2009-10

मानवता व परोपकार के लिए समर्पित

समर्पण संस्था (रजि.)

(जरूरतमंद, असहाय, पीड़ित मानवता की सहायतार्थ)

पंजीकृत कार्यालय: 192/38, कुम्भा मार्ग, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर (राज.)–302033
Website: www.samarpansanstha.org • E-mail : info@samarpansanstha.org, malyaaone@gmail.com

प्रस्तावक (समिति सदस्य) का नाम..

सहायतार्थ आवेदन–पत्र

1. नाम छात्र/छात्रा ....
2. अध्ययनरत कक्षा ....
3. पूर्व कक्षा के प्राप्तांक प्रतिशत (प्रमाण पत्र संलग्न करें) ....
4. छात्र/छात्रा की विशेष योग्यता ....

   (प्रमाण पत्र हो तो संलग्न करें)
5. विद्यालय का नाम व पता ....

   ....
6. अध्यापक का नाम व मोबाइल नं. ....
7. आवेदक द्वारा कही गई सहायता का विवरण ....

   ....
8. पिता/संरक्षक का नाम ....
9. पिता/संरक्षक का व्यवसाय व PAN No. ....
10. पिता/संरक्षक की योग्यता ....
11. माता का नाम व योग्यता / व्यवसाय ....
12. भाई–बहिन की संख्या ....
13. रोजगारयुक्त भाई–बहिनों के नाम व योग्यता / व्यवसाय..............................

    ....

    ....

14. स्थाई पता (मतदाता फोटो पहचान पत्र/राशन कार्ड की फोटोप्रति संलग्न करें।)................................

....

....मोबाइल नं...

15. पत्र व्यवहार का पता ....

....

16. संरक्षक की वार्षिक आय (आय प्रमाण पत्र संलग्न करें) ....

17. संपत्ति... कृषि भूमि ....बीघा...................

18. प्लॉट/मकान ....

19. वाहन (यदि है तो वाहन नं. लिखें) ....

20 क्या किसी सरकारी या गैर सरकारी संस्था द्वारा सहायता प्राप्त की जा रही है ? यदि हाँ तो विवरण दें .....

....

21 क्या घर में किसी का इलाज चल रहा है ? यदि हाँ तो चिकित्सक की पर्ची संलग्न करें। ....

....

22. किन्हीं दो पड़ोसियों अथवा जानकार व्यक्तियों का विवरण मय नाम पता व फोन नं. (रिश्तेदार न हो)

(1). ....

....

(2) ....

....

(3.)प्रस्तावक के हस्ताक्षर ....

शपथ–पत्र

मैं ईश्वर / परमपिता परमात्मा की शपथ लेकर यह बयान दे रहा हूँ/ रही हूँ कि उपरोक्त विवरण मेरी जानकारी में सत्य है। मेरे द्वारा इनमें कोई भी जानकारी छिपाई नहीं गई व अन्य किसी सरकारी व गैरसरकारी संस्था से किसी भी प्रकार की सहायता नहीं ले रहा हूँ/ रही हूँ।

स्थान ....

दिनांक ....

पिता/संरक्षक के हस्ताक्षर | माता के हस्ताक्षर | आवेदक के हस्ताक्षर

समर्पण संस्था (रजि.)

(जरूरतमंद, असहाय, पीड़ित मानवता की सहायतार्थ)

पंजीकृत कार्यालय: 192/38, कुम्भा मार्ग, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर (राज.)-302033
Website: www.samarpansanstha.org • E-mail : info@samarpansanstha.org, malyaaone@gmail.com

"समर्पण समाज गौरव सम्मान" हेतु प्रविष्टि

1. क्षेत्र– (जैसे–शिक्षा, चिकित्सा, साहित्य, समाज सेवा, रक्तदान, नशामुक्ति, लेखन, अध्यापन, कला, शोध और जीव कल्याण,)

क्षेत्र : (1)........................ (2)........................ (3)........................ (4)........................

व्यक्तिगत (जिनके सम्मान हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है) संस्था के नाम का प्रस्ताव होने पर संस्था का विवरण लिखें।

1. नाम : .... शिक्षा ....
2. जन्म दिनांक : .... उम्र ....
3. पूर्ण पता : ....
   .... पिन कोड : ....
4. फोन नं. : .... मोबाइल नं. : ....
5. ई–मेल : .... वेबसाइट : ....
6. व्यवसाय : .... पद : ....
7. व्यवसाय/कार्यालय का पता : ....
   .... पिन कोड : ....

2. नामांकनकर्त्ता/प्रस्तावक/परिचित जो गतिविधियों से परिचित हो व्यक्तिशः जानते हों, (संस्थान के नाम का प्रस्ताव होने पर संस्था के प्रमुख पदाधिकारियों का विवरण भरना उचित होगा)

(अ) (प्रस्तावक/परिचित)

1. नाम : .... शिक्षा ....
2. पिता का नाम : .... व्यवसाय ....
3. पूर्ण पता : ....
   .... पिन कोड : ....
4. फोन नं. : .... मोबाइल नं. : ....

हस्ताक्षर
(प्रस्ताव/नामांकनकर्ता/जिनका विवरण भरा गया है)

3. सम्मान हेतु विवरण (अधिकतम 150 शब्दों में) ताकि चयनित होने पर संस्था की स्मारिका में प्रकाशित किया जा सके।

....
....
....
....
....
....
....
....

स्थान :

दिनांक : हस्ताक्षर

Samarpan Sanstha (Regd.)

Manavata Ke Liye Samarpit.......

samarpan

(Registration No. 599/Jaipur-2009-10, Under Raj. Society Act. 1958)
Office : 192/38, Kumbha Marg, Pratap Nagar, Sanganer, Jaipur (Raj.) 302033
Mobile : 9414336431, 9929225353 • www.samarpansanstha.org

Photo

Application for Membership

To
President,
Samarpan Sanstha
Jaipur (Raj.)

Sir,

I wish to enroll as *Patron/Special Member/Associate Member/Student Member* of The Samarpan Sanstha.
I Sending Rs. _______________ (In words ____)
by Cash/Cheque/Draft No. _______________ of Bank________________________ Dated____________
as fee accordingly. Oblige me by accepting Membership.

Personal Details

1. Name : ....
2. Father's /Husband Name : ....
3. Date of Birth : ....
4. Date of Marriage : ....
5. Office Address : ....
   : ....
6. Occupation : ....
7. Permanent Address : ....
8. Phone/Mobile No. : ....
9. Email Address : ....

I agree to abide with the rules and objects of the Samarpan Sanstha and assure you my full and sincere co-operation in achieving the goal set out by the Samarpan Sanstha.

Date :

Place :

Signature

FOR OFFICE USE

Received Rs. .... Vide Receipt No. .... Date ....

accepts the Chief Patron/Patron/Associate Member/Student Member of Shri/Smt./Ms/..

.... Membership No. .... Date ....

President/Vice President

Sanstha Authorized Member

Note : 1 Membership fee will be accepted by cash/Cheque/draft in favour of "Samarpan Sanstha" Payable at AXIS BANK LTD. A/c No. 909010036941934, IFSC Code - UTIB0000433 at Jaipur only along with two copies of Passport size Photograph. (Membership Fee Patron - 11000/-, Special Member - 5100/-, Associate Member - 1100/-

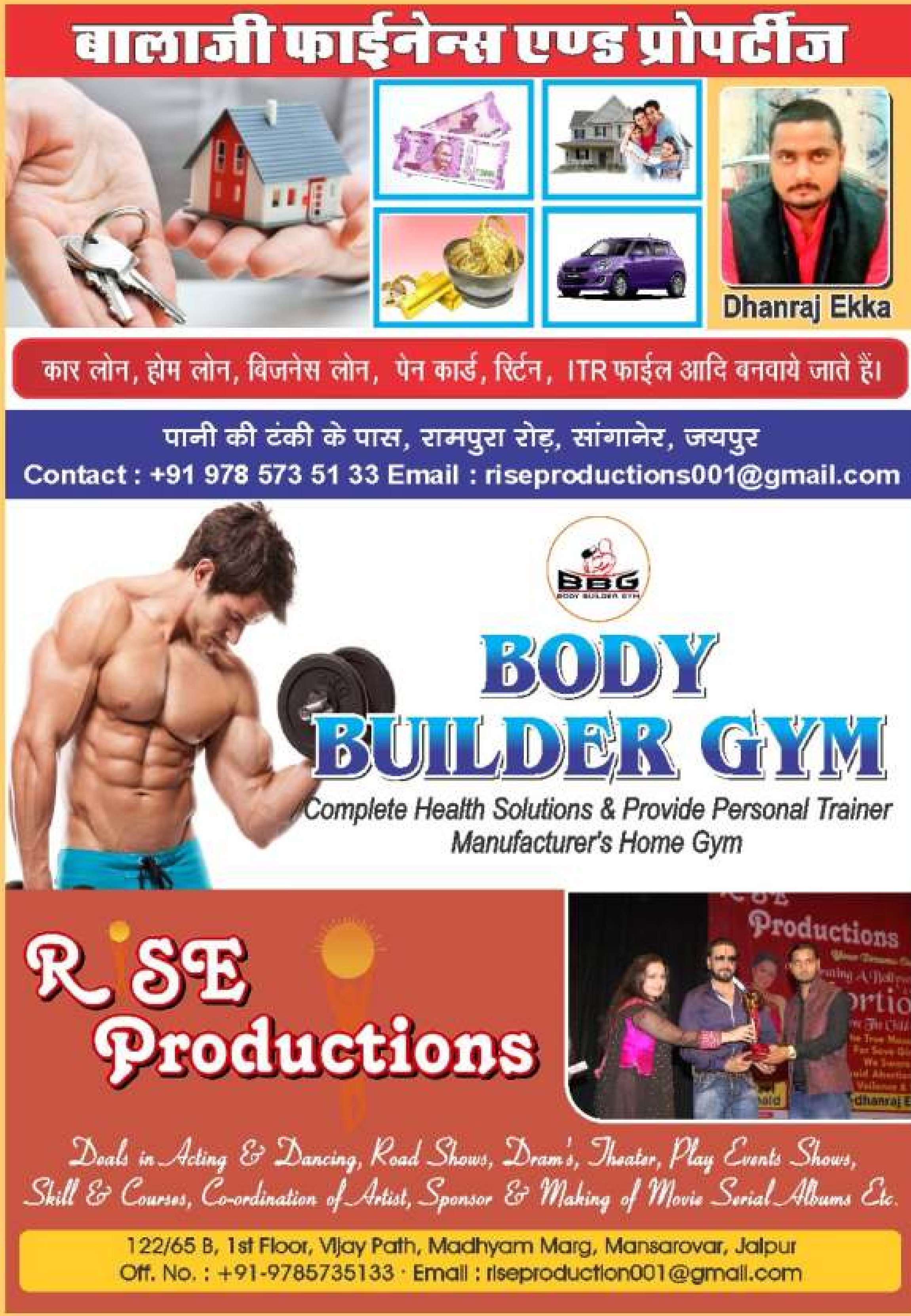
बालाजी फाईनेन्स एण्ड प्रोपर्टीज
Dhanraj Ekka
कार लोन, होम लोन, बिजनेस लोन, पेन कार्ड, रिर्टन, ITR फाईल आदि बनवाये जाते हैं।
पानी की टंकी के पास, रामपुरा रोड़, सांगानेर, जयपुर
Contact : +91 978 573 51 33 Email : riseproductions001@gmail.com
BBG
BODY BUILDER GYM
BODY
BUILDER GYM
Complete Health Solutions & Provide Personal Trainer
Manufacturer's Home Gym
RISE
Productions
Productions
Deals in Acting & Dancing, Road Shows, Dram's, Theater, Play Events Shows,
Skill & Courses, Co-ordination of Artist, Sponsor & Making of Movie Serial Albums Etc.
122/65 B, 1st Floor, Vijay Path, Madhyam Marg, Mansarovar, Jaipur
Off. No. : +91-9785735133 · Email : riseproduction001@gmail.com

Madan Lal Verma
(Civil Contractor)

With the Best Compliments From

कृष्णा Construction Co.

All Types of Civil Construction Work

Plot No. - 15, Tirupati Balaji Nagar, Near Surajbhan School,
Sanganer, Jaipur (Rajasthan)
Mob. : 9414442285, 9887039011

Design & Printed By : Ruchika Creation # 0141-4043430